3 राजधानी
भाजपा महिला मोर्चा का मटका फोड़ प्रदर्शन

6 अभिमत
आध्यात्मिक संस्थानों पर निशाना

10 राष्ट्रीय
प्रधानमंत्री ने ध्यान साधना आरंभ की

11 विदेश
दो मामलों में इमरान बरी

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 202
नई दिल्ली, शुक्रवार, 31 मई, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

भारत की जर्सी पहनना अलग अहसास
स्पोर्ट्स-12

हमारी सरकार हैट्रिक लगाने को तैयार: मोदी

कहा, तीसरे कार्यकाल के लिए 125 दिनों का रोड मैप और 25 साल का विजन तैयार

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

पंजाब के होशियारपुर में बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी रैली के दौरान एनडीए समर्थक।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आजाद भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार होने जा रहा है जब पूर्ण बहुमत की सरकार केंद्र में सत्ता की हैट्रिक लगाने को तैयार है। उन्होंने दावा किया कि छह चरणों के मतदान से आ रहे रुझान में यह साफ हो चुका है कि भारतीय जनता पार्टी बहुमत हासिल कर चुकी है। सातवें चरण के चुनाव परिणाम के समापन से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बृहस्पतिवार को पंजाब के होशियारपुर में अपनी अंतिम चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने यहां भाजपा प्रत्याशी अनिता सोम प्रकाश तथा आनंदपुर साहिब से पार्टी प्रत्याशी सुभाष शर्मा के समर्थन में जनसभा करके वोट मांगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज हर भारतीय विकसित भारत के सपने के साथ जुड़ गया है। 21 वीं सदी भारत की सदी होगी। उन्होंने कहा कि पिछले दो कार्यकाल के दौरान दमदार सरकार ने जहां सर्जीकल स्ट्राइक की वहीं भारत को आत्मनिर्भर व समृद्ध भी बनाया।

गुरु रविदास की कर्मभूमि पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि तीसरी बार सरकार बनते ही क्या प्रमुखता होगी। अगले 125 दिनों का क्या रोड मैप होगा। पहले 25 दिन युवाओं के लिए केंद्रीत होंगे। अगले पांच साल में सरकार कौन-कौन से बड़े फैसले लेगी। यह सब तय हो चुका है। चुनाव परिणाम से पहले भी भाजपा पांच साल का रोड मैप और 25 साल का विजन तैयार कर चुकी है। प्रधानमंत्री ने तीसरे कार्यकाल के दौरान पंजाब के आदमपुर हवाई अड्डे का नाम गुरु रविदास के नाम पर रखने का ऐलान करते हुए कहा कि भाजपा सरकार विरासत भी और विकास भी के मंत्र पर काम कर रही है। कांग्रेस नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इंडी गठबंधन की वोट बैंक वाली राजनीति के कारण देश का नुकसान हुआ है।

कांग्रेस ने वोट बैंक के कारण राम मंदिर निर्माण का विरोध किया और अब सीएए का विरोध किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस द्वारा दिए गए संविधान बचाओ के नारे को ढोंग बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी व इसके सहयोग दलितों व पिछड़ों का गठबंधन छीनकर मुस्लिमों को देने का प्रयास कर रही है। पंजाब व दिल्ली की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी को निशाने पर लेते हुए कहा कि पंजाब में चुनाव से पहले नशा खत्म करने को लेकर कई तरह के वादे किए गए थे। पंजाब को नशे के नाम पर पूरे देश में बदनाम कर दिया गया। सत्ता में आने के बाद आप वालों ने नशे को ही अपनी मुख्य कमाई का साधन बना लिया है। मोदी ने कहा कि आज पंजाब में ड्रग्स माफिया, खनन माफिया पूरी तरह से सक्रिय है। दिल्ली के शराब घोटाले को पूरी दुनिया जान चुकी है। ड्रग्स व खनन के बाद अब आप वाले दिल्ली से लेकर पंजाब तक नारी उत्पीड़न में भी नंबर वन बरते जा रहे हैं। इनके कारनामों को पूरी दुनिया देख रही है। आम आदमी पार्टी की नीति व नारे सब फर्जी हैं और इनकी नियत में खोट है।

'देश को समावेशी, राष्ट्रवादी सरकार चाहिए'

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/अमृतसर

शिमला स्थित जाखू मंदिर में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी। फोटोः पायनियर

लोकसभा चुनावों के अंत में अपने पहले बयान में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने बृहस्पतिवार को अपने उत्तराधिकारी नरेंद्र मोदी पर चुनाव अभियान में 'नफरती भाषण' देकर सार्वजनिक चर्चा की गरिमा और प्रधानमंत्री के कार्यालय की गंभीरता को कम करने का आरोप लगाया। सिंह ने उस विवाद के बाद अपना पक्ष रखने का अवसर लिया जब मोदी ने सिंह पर यह कहने का आरोप लगाया था कि देश के संसाधनों पर मुसलमानों का पहला अधिकार है। दो महीने लंबे प्रचार अभियान के आखिरी दिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी विश्वास जताया कि लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट बहुमत हासिल करेगी और देश को एक समावेशी और राष्ट्रवादी सरकार देगी, जबकि वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने मोदी के दावे का जवाब दिया। दुनिया को महात्मा गांधी के बारे में फिल्म गांधी से ही पता चला। राहुल ने आरएसएस से जुड़े लोगों की आलोचना करते हुए गांधी की विरासत के बारे में उनकी समझ की कमी का संकेत दिया। सिंह के बयान के बाद खड़गे ने कहा कि जाति और धर्म पर वोट की अपील नहीं करने के चुनाव आयोग के निर्देश के बावजूद मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान 421 बार मंदिर-मस्जिद और विभाजनकारी

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह।

मुद्दों के बारे में बात की।

इससे पहले शनिवार को लोकसभा चुनाव के सातवें चरण से पहले मतदाताओं, विशेषकर पंजाब, से अपील में सिंह ने कहा कि केवल कांग्रेस ही विकासोन्मुख प्रगतिशील भविष्य सुनिश्चित कर सकती है जहां लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की जाएगी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने सशस्त्र बलों पर 'गलत सोच वाली' अग्निवीर योजना थोपने के लिए भी भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने पंजाब के मतदाताओं को लिखे पत्र में कहा, भाजपा सोचती है कि देशभक्ति, बहादुरी और सेवा का मूल्य केवल चार साल है। यह उनके नकली राष्ट्रवाद को दर्शाता है। मोदी पर हमला बोलते हुए पूर्व पीएम ने कहा, मैं इस चुनाव अभियान के दौरान राजनीतिक चर्चा पर उत्सुकता से नजर रख रहा हूं। मोदी जी नफरत भरे भाषणों के सबसे वीभत्स रूप में शामिल हुए हैं, जो पूरी तरह से विभाजनकारी प्रकृति के हैं। मोदी जी पहले हैं प्रधानमंत्री द्वारा सार्वजनिक चर्चा की गरिमा और इस प्रकार प्रधान मंत्री के पद की गंभीरता को कम करने के लिए। उन्होंने कहा, अतीत में किसी भी प्रधानमंत्री ने इस तरह के घृणित, असंसदीय और असभ्य शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया है, जिसका उद्देश्य समाज के एक विशिष्ट वर्ग या विपक्ष को निशाना बनाना था (शेष पेज 9)

अंतिम चरण के लिए चुनाव प्रचार खत्म, प्रार्थनाएं शुरू

राजेश कुमार/समर पांडेय। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के सातवें चरण की सीटें

राज्य	कुल सीट	निर्वाचन क्षेत्र
उत्तर प्रदेश	13	महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव, घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर, रॉबर्ट्सगंज
बिहार	8	नालंदा, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, सासाराम, काराकाट, जहानाबाद
पंजाब	13	गुरदासपुर, अमृतसर, खडूर साहिब, जालंधर, होशियारपुर, आनंदपुर साहिब, लुधियाना, फतेहगढ़ साहिब, फरीदकोट, फिरोजपुर, बठिंडा, संगरूर, पटियाला
पश्चिम बंगाल	9	दमदम, बारासात, बसीरहाट, जयनगर, मथुरापुर, डायमंड हार्बर, जादवपुर, कोलकाता दक्षिण, कोलकाता उत्तर
ओडिशा	6	मयूरभंज, बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर
हिमाचल प्रदेश	4	कांगड़ा, मंडी, हमीरपुर, शिमला
झारखंड	3	राजमहल, दुमका, गोड्डा
चंडीगढ़	1	चंडीगढ़

नोट: इस चरण के साथ लोस चुनाव की मतदान प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी

प्रतिकूल मौसम की स्थिति और मतदाताओं को लुभाने के लिए चुनावी घमासान के बीच 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए अब तक का 44 दिनों का सबसे लंबा अभियान बृहस्पतिवार शाम को समाप्त हो गया। जैसे-जैसे चुनाव प्रक्रिया समापन के करीब पहुंची, अभियानों की तीव्रता ने उच्च दांव और प्रत्येक पार्टी की अपनी स्थिति बनाए रखने की इच्छा को प्रदर्शित किया। यह चरण देश के भविष्य के साथ-साथ राजनीतिक माहौल के लिए भी गेम चेंजर साबित हो सकता है। यह संभवत: पहला चुनाव है, जहां लोगों ने 44 दिनों के लंबे चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ब्रांड मोदी का उपयोग करते हुए देखा, साथ ही विपक्षी दलों ने भी मोदी ब्रांड का उपयोग किया। यहां तक कि भाजपा उम्मीदवार भी जीत के लिए मोदी के करिश्मे पर भरोसा कर रहे हैं और ब्रांड मोदी के नाम पर वोट मांगे।

चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद सत्ताधारी बीजेपी के सबसे बड़े स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिंद महासागर, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर के संगम स्थल पर दो दिनों के ध्यान के लिए निकल पड़े। कहा जाता है कि स्वामी विवेकानन्द को इसी स्थान पर ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा 16 मार्च को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद से मोदी ने रैलियों और रोड शो सहित कुल 206 सार्वजनिक-पहुंच कार्यक्रम आयोजित किए। प्रधानमंत्री ने 2019 के चुनावों के दौरान स्टंप पर अपनी लगभग 145 सार्वजनिक व्यस्तताओं को पीछे छोड़ दिया। इस बार प्रचार की अवधि 76 दिन की थी, जबकि पांच साल पहले चुनाव में यह 68 दिन थी। 73 साल की उम्र में, मोदी न केवल रैलियों की संख्या और उनके द्वारा तय की गई दूरी के मामले में किसी भी अन्य नेता से आगे रहे, बल्कि अपनी पार्टी के लिए सबसे बड़ा वोट चुंबक बने रहे, जिनकी टिप्पणियों को (शेष पेज 9)

दिल्ली में जानलेवा साबित हो रही भीषण गर्मी

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

45.6 डिग्री सेल्सियस के भीषण तापमान (सामान्य से लगभग पांच डिग्री अधिक) और लू के थपेड़ों का सामना करते हुए, दिल्ली में पहली मौत की सूचना मिली जब बिहार के दरभंगा के एक 40 वर्षीय व्यक्ति की बुधवार को राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में हीट स्ट्रोक से मौत हो गई। मुंगेशपुर, नजफगढ़ और नरेला जैसे इलाकों में लगातार पांच दिनों से तापमान 49 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया जा रहा है और अन्य स्टेशनों पर भी तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बढ़ रहा है। न्यूनतम तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से चार डिग्री अधिक है और शाम 6.30 बजे आर्द्रता का स्तर 36 प्रतिशत था। विशेषज्ञों के अनुसार, लू की स्थिति दिल्ली को अधिक प्रभावित करती है क्योंकि राजस्थान और हरियाणा से गर्म हवाएं शहर की उत्तर-पश्चिमी सीमा की ओर बढ़ती हैं। चूंकि, मुंगेशपुर, नरेला और नजफगढ़ जैसे क्षेत्र सीमा पर स्थित हैं, इसलिए वे गर्मी का पहला झटका राजस्थान या हरियाणा से आने वाली पश्चिमी या उत्तर-पश्चिमी हवाओं से झेलते हैं।

केरल और पूर्वोत्तर में मानसून का झोंका

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य से दो दिन पहले बृहस्पतिवार को केरल तट और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में पहुंच गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, चक्रवात रेमल द्वारा निर्मित अनुकूल परिस्थितियों से प्रेरित इस प्रारंभिक शुरुआत ने मानसून के प्रवाह को बंगाल की खाड़ी तक खींच लिया है (शेष पेज 9)

पीड़ित मजदूर था, जिसका तापमान सामान्य से 10 डिग्री अधिक, 107 डिग्री फ़ारेनहाइट तक बढ़ने के कारण कई अंगों के काम न करने के कारण उसकी मौत हो गई। आरएमएल अस्पताल के डॉ. राजेश शुक्ला ने कहा, शरीर का तापमान अत्यधिक बढ़ने के कारण मरीज की किडनी और लीवर खराब हो गए थे, जिसके बाद इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। पहले से ही चिलचिलाती धूप का सामना कर रहे शहर के बीच, आसन्न जल संकट और लगातार बिजली कटौती ने स्थिति और खराब कर दी है। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) ने भी दिल्ली के कई इलाकों और नोएडा और गाजियाबाद के आसपास के क्षेत्रों में गर्मी के बीच ब्लैकआउट का विरोध किया है। (शेष पेज 9)

अरविंद केजरीवाल ने न्यायालय से मांगी नियमित जमानत

राजेश कुमार। नई दिल्ली

राजधानी की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली आबकारी नीति के संबंध में उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दायर जमानत याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा। केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट से 1 जून तक मिली अंतरिम जमानत पर बाहर हैं। केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को पंजाब में चुनाव प्रचार किया। सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को प्रचार का अंतिम दिन था। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने ईडी को शनिवार तक केजरीवाल की याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने का भी निर्देश दिया है। इससे पहले ईडी ने कहा कि वह केजरीवाल की याचिका पर जवाब दाखिल करने की याचिका पर अदालत ने अनुमति देते हुए मामले में अगली सुनवाई 1 जून को दोपहर 2 बजे तय की। केजरीवाल फिलहाल इस मामले में 1 जून तक उच्चतम न्यायाल से मिली अंतरिम जमानत पर हैं।

ईडी की ओर से पेश हुए, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगते हुए कहा कि एजेंसी केजरीवाल की याचिकाओं पर जवाब दाखिल करना चाहती थी, उन्होंने दावा किया कि कई तथ्यों को छुपाया गया है। राजू

ने कहा, केजरीवाल, जो सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत पर रिहा होने के दिन से ही प्रचार कर रहे थे, अब आत्मसमर्पण की तारीख नजदीक आने पर अस्वस्थ होने का दावा कर रहे हैं। राजू ने कहा, वह हिरासत में नहीं है। सुप्रीम कोर्ट से उन्हें अंतरिम जमानत मिल गई है। वह आज पंजाब में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। उनका स्वास्थ्य चुनाव प्रचार में बाधा नहीं बना। वह पिछली तारीख पर जमानत याचिका दायर करते हैं ताकि हमें बहुत कम समय मिले। उनका आचरण उन्हें आज किसी भी आदेश का हकदार नहीं बनाता है। केजरीवाल ने दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं। एक याचिका में दिल्ली आबकारी नीति घोटाले के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा शुरू किए गए मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नियमित जमानत की मांग की गई है। दूसरी याचिका में चिकित्सा आधार पर सात दिनों की अंतरिम जमानत की मांग की गई है। कोर्ट ने गुरुवार को दोनों की याचिका पर नोटिस जारी किया है।

इससे अलग एक संवाददाता सम्मेलन में दिल्ली की मंत्री आतिशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि ईडी ने चिकित्सा आधार पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका का विरोध किया है, क्योंकि उन्होंने जांच एजेंसी के रुख पर सवाल उठाया और पूछा कि वह आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक को चिकित्सा जांच कराने की अनुमति क्यों नहीं दे रही है। ऐसा पहले भी होता आया है। आतिशी ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत और न्यायिक हिरासत के दौरान केजरीवाल का वजन अचानक से घट गया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राउज एवेन्यू कोर्ट में (शेष पेज 9)

जम्मू में बस खाई में गिरी 22 यात्रियों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। जम्मू

जम्मू-राजौरी मार्ग पर एक भीषण हादसा हो गया। यहां अखनूर में एक बस 150 फुट गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में 22 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 54 लोग घायल हैं। मृतकों में 10 पुरुष, 9 महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं जबकि एक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। अधिकांश तीर्थयात्री उत्तर प्रदेश और राजस्थान के थे। घायलों को इलाज के लिए जम्मू मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जम्मू एवं कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस घटना में लोगों की मौत पर दुख प्रकट किया। साथ ही एलजी ने मृतकों के निकटतम परिजन को पांच-पांच लाख तथा घायलों को 50-50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया है। यह दुर्घटना जिले के चौकी चोरा क्षेत्र (शेष पेज 9)

अग्निबाण ने सफलतापूर्वक भेदा एक और लक्ष्य

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दुनिया के पहले सिंगल-पीस 3डी प्रिंटेड सेमी-क्रायोजेनिक इंजन द्वारा संचालित रॉकेट अग्निबाण के सफल प्रक्षेपण को भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा, यह हमारी युवाशक्ति का एक प्रमाण है। चेन्नई स्थित अंतरिक्ष स्टार्ट-अप अग्निकुल कॉसमॉस ने श्रीहरिकोटा में अपने स्वयं के लॉन्च पैड से अपने घर-निर्मित 3 डी-मुद्रित अर्ध-क्रायोजेनिक रॉकेट - अग्निबाण - की उप-कक्षीय परीक्षण-उड़ान को सफलतापूर्वक पूरा किया, जिससे यह भारत की दूसरी निजी इकाई बन गई। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एक उल्लेखनीय उपलब्धि जिससे पूरे देश को गर्व होगा! दुनिया के पहले सिंगल-पीस 3डी प्रिंटेड सेमी-क्रायोजेनिक इंजन द्वारा संचालित अग्निबाण रॉकेट का सफल प्रक्षेपण भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है और हमारी युवा शक्ति की उल्लेखनीय प्रतिभा का प्रमाण है। अग्निकुल कॉसमॉस टीम को मेरी शुभकामनाएं।

चार असफल प्रयासों के बाद, अग्निबाण सब-ऑर्बिटल टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर (एसओआरटीईडी) की परीक्षण उड़ान बृहस्पतिवार को सुबह 7.15 बजे बिना किसी लाइव स्ट्रीमिंग के

श्रीहरिकोटा में अपने लांच पैड से उड़ान भरता सेमी-क्रायोजेनिक रॉकेट अग्निबाण।

और इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के भीतर स्थित श्रीहरिकोटा लॉन्च पैड पर कम गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हुई। अग्निकुल कॉसमॉस ने एक्स पर कहा, श्रीहरिकोटा में एसडीएससी-एसएचएआर के भीतर हमारे अपने और भारत के पहले और एकमात्र निजी लॉन्चपैड से हमारी पहली उड़ान - अग्निबाण एसओआरटीईडी का मिशन 01 - के सफल समापन की घोषणा करते हुए प्रसन्नता महसूस हो रही है। इसमें कहा गया है कि इस नियंत्रित ऊर्ध्वाधर चढ़ाई उड़ान के सभी मिशन उद्देश्य पूरे हो गए और प्रदर्शन नाममात्र का था।

स्टार्ट-अप ने कहा, वाहन को पूरी तरह से स्वदेश में ही डिजाइन किया गया था और यह दुनिया के पहले सिंगल पीस 3डी प्रिंटेड इंजन द्वारा संचालित था और यह सेमी-क्रायो इंजन के साथ भारत की पहली उड़ान भी है। (शेष पेज 9)

भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबले पर आतंकी हमले की धमकी

न्यूयॉर्क(एजेंसी)। टी20 विश्व कप में न्यूयॉर्क में 9 जून को भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले में आतंकी धमकी और हमले के खतरे को देखते हुए अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था होगी। राज्य की गवर्नर कैथी होचुल ने हालांकि जोर देकर कहा कि यह इस बार खतरा विश्वसनीय नहीं है। नासाऊ काउंटी के आइसेनहावर पार्क स्टेडियम में टूर्नामेंट के आठ मैच खेले जाएंगे जिसमें भारत के तीन मैच भी शामिल हैं। भारतीय टीम एक जून को यहां बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच भी खेलेगी। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी ने कहा कि उन्होंने राज्य पुलिस को दर्शकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने का निर्देश दिया है। कैथी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, विश्व कप की तैयारी में मेरी टीम संघीय और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है जिससे कि उपस्थित लोगों को सुरक्षित रखा जा सके।

आफतः एसी फटने से इमारत में लगी आग

● सेक्टर-100 में लोटस बुलेवर्ड सोसाइटी का मामला, भागकर अपार्टमेंट से निकले लोग

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा की एक बहुमंजिला इमारत में एसी फटने से गुरुवार सुबह भीषण आग लग गई। आग से फ्लैट में रखा सामान जल गया। अपार्टमेंट के लोग भागकर बाहर आए।

पुलिस और फायर बिग्रेड को सूचना दी। नोएडा सेक्टर-100 में लोटस बुलेवर्ड सोसाइटी है। टावर नंबर-28 में 10वीं फ्लोर के फ्लैट में सुबह करीब 10 बजे स्प्लिट एसी में आग लग गई। जब तक घर के लोग कुछ समझ पाते तब तक एसी में ब्लास्ट हो गया। तेज धमाके से वहां भगदड़ जैसे हालत हो गए। आसपास के फ्लैट के लोग भागकर बाहर आए। अपार्टमेंट की सिक्योरिटी ने अलॉर्म बजाकर तुरंत सभी फ्लैट खाली करवाए। इधर, फ्लैट में बेडरूम व अन्य कमरों तक आग पहुंच गई। धुएं और आग की तपिश से बिल्डिंग का फायर सिस्टम एक्टिव हो गया। इसने आग को आगे बढ़ने से रोक लिया। आसपास के फ्लैट को खाली कराया गया। अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों ने बताया भीषण गर्मी के कारण आग तेजी से फैल रही थी। गनीमत रही कि बिल्डिंग का फायर सिस्टम एक्टिव हो गया। आग बाकी फ्लैट्स तक नहीं पहुंच पाई। वरना, 10वीं मंजिल होने के चलते फ ायर बिग्रेड के लिए मुश्किल हो रही थी। दमकल की गाड़ियों के बाद हाइड्रोलिक को बुलाया गया। चीफ फायर ऑफिसर प्रदीप चौबे ने बताया कि सुबह 10 बजकर 11 मिनट पर अपार्टमेंट में आग की सूचना मिली।

कमरे में स्प्लिट एसी में आग के बाद ब्लास्ट हुआ। फ्लैट में लगे फायर इक्यूप्मेंट काम करने लगे। अब फ्लैट को ठंडा किया जा रहा है। ऐहतियात के तौर पर आसपास के फ्लैट के लोगों को भी बाहर निकाला। पानी की बौछारें अगल-बगल के फ्लैट पर भी की गईं, ताकि बिल्डिंग को ठंडा रखा जा सके। अभी तक कोई जनहानि की सूचना नहीं है।

गाजियाबाद में तीन जगह लगी आग

गाजियाबाद। भीषण गर्मी में गाजियाबाद में तीन जगह आग लग गई। पहले आग साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र साइट चार में जूता बनाने की फैक्ट्री में लगी। वहीं दूसरी लोनी में ट्रैक्टर ट्राली में आग लगी। इसके अलावा थाना कोतवाली क्षेत्र में जनरेटर में आग लग गई। भीषण गर्मी में लगातार आग की घटनाएं बढ़ रही है। दमकल कर्मियों ने 7 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद जूता फैक्ट्री पर लगी आग को काबू किया। गाजियाबाद में दमकल विभाग के चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल ने बताया की वैशाली फायर स्टेशन को जूता फैक्ट्री में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। इस सूचना पर साहिबाबाद स्टेशन से दो और वैशाली स्टेशन से तीन दमकल की गाड़ी दमकल कर्मियों के साथ मौके पर पहुंची। बेसमेंट में फैक्ट्री परिसर में आग लगी हुई थी। आग को काबू करने में 7 घंटे लगे। यह फैक्ट्री का नाम स्टाइल शोर ई मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड है। इसके अलावा थाना लोनी के पावि सादकपुर में ट्रैक्टर ट्राली में आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद लोनी फायर स्टेशन से दो दमकल की गाड़ी मौके पर भेजी गई। मौके पर पहुंच कर देखा कि धान की पुराली से भरे ट्राले में आग लग गई, जबकि ट्रैक्टर को अलग करने से वह आग से बच गया। वहीं थाना कोतवाली क्षेत्र में अशोकनगर में जनरेटर में आग की सूचना प्राप्त हुई। दो फायर टेंडर भेजे गए, जिन्होंने आग पर काबू पाया।

बंगाल-बिहार से गाजियाबाद लाए गए थे बच्चे

● स्लॉटर हाउस में मांस काट रहे 57 लड़के-लड़कियों को बाल सुधार गृह भेजा गया

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में स्लॉटर हाउस से मुक्त कराए गए 57 लड़के-लड़कियों को बाल विकास समिति के सामने पेश करने के बाद बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। ये सभी बच्चे 10-15 हजार रुपए की नौकरी के लालच में पश्चिम बंगाल और बिहार से ट्रेनों के जरिये लाए गए थे। यहां उनसे पशु कटवाए जा रहे थे। इन बच्चों के परिवार की माली हालत बेहद खराब है।

कईयों के परिजनों ने कबूल किया है कि उन्होंने खुद ही इन्हें काम करने दिल्ली की तरफ भेजा था। मुक्ति फाउंडेशन ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग से शिकायत की थी कि गाजियाबाद में मसूरी स्थित स्लॉटर हाउस एग्रो फ ूड प्राइवेट लिमिटेड में बंगाल के 40 नाबालिग बच्चों को लाकर बालश्रम कराया जा रहा है। आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने इस संबंध में गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर और डीएम से बात की। इसके बाद आयोग से एक टीम गाजियाबाद भेजी गई। यहां आयोग की टीम, गाजियाबाद पुलिस, प्रशासन, चाइल्ड लाइन, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने बुधवार को स्लॉटर हाउस पर छापेमारी की। करीब 3 घंटे तक कार्रवाई चली। इसमें 26 लड़के और 31 नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया गया। गाजियाबाद पुलिस के सच्चिदानंद ने बताया कि ज्यादातर लड़के-लड़कियां पश्चिम बंगाल और बिहार के रहने वाले हैं। इन बच्चों से बहुत ही अमानवीय तरीके से स्लॉटर हाउस के अंदर काम कराया जा रहा था। मासूम हाथों से पशु कटवाए जा रहे थे। टीमें स्लॉटर हाउस के अंदर का माहौल देखकर पूरी तरह दंग रह गईं। कई बच्चों ने कुबूला कि उन्हें ये काम पसंद नहीं था, फिर भी जबरन पशु कटान कराया जाता था। जो बच्चा इस काम को करने से मना करता था, उसका उत्पीड़न होता था।

इन बच्चों के परिजनों से संपर्क किया जा रहा है। पता किया जा रहा है कि उन्होंने इन बच्चों को मर्जी से स्लॉटर हाउस में भेजा था या फिर बंधक बनाकर यहां काम कराया जा रहा था। परिजनों के यहां आने तक ये लड़के लड़कियां अलग.अलग बाल सुधार गृहों में रहेंगे। इस पूरे मामले में बाल संरक्षण अधिकारी जितेंद्र कुमार ने एग्रो फूड प्राइवेट लिमिटेड के पांच मालिक-संचालकों पर थाना मसूरी में मुकदमा दर्ज कराया है।

एक्सप्रेसवे पर कार स्टंट का वीडियो वायरल

नोएडा। नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे पर जान जोखिम में डाल कार चालक ने स्टंट किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यातायात पुलिस ने वीडियो के आधार पर कार का 55 हजार रुपए का चालान किया। यह वीडियो कोतवाली सेक्टर.126 स्थित एरिया में एक्सप्रेस वे का बताया जा रहा है। यह वीडियो करीब 16 सेकेंड का है। स्टंट के दौरान अन्य वाहन रुक जा रहे हैं। डीसीपी यातायात अनिल कुमार यादव का कहना है कि एक्सप्रेस वे पर बीच सड़क पर कार को गोल.गोल घूमकर स्टंट करते हुए वीडियो सामने आया है। इस वजह से काफी देर तक सेक्टर.125 के पास वाहनों की रफ्तार थम गई। डीसीपी ने बताया कि कार नंबर के आधार पर 55000 रुपए का चालान किया गया है। कार से स्टंट करने वाले लोगों का पता कर कार्रवाई की जाएगी।

किसान सभा की पेरीफेरल मैनेजमेंट के साथ बातचीत

नोएडा। अखिल भारतीय किसान सभा के जिला कार्यालय पर ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे के मैनेजमेंट के साथ किसानों के टोल फ्री वाहनों के बारे में समझौता वार्ता संपन्न हुई।

ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे को किसानों के लिए टोल फ्री करने के आंदोलन में प्रशासनिक अधिकारियों के हस्तक्षेप से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे के टोल मैनेजमेंट ने वार्ता का प्रस्ताव रखा था। जिसके क्रम में टोल मैनेजर कमल नागर अपनी टीम के साथ अखिल भारतीय किसान सभा के दफ्तर पर उपस्थित हुए।

वोटों की गिनती की तैयारी शुरू, प्रत्याशियों ने बनाये एजेंट

● चुनाव आयोग की गाइडलाइन से भी कार्यकर्ताओं को रूबरू कराया गया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

वोटों के गिनती 4 जून का होगा। रिजल्ट पारदर्शी बनाने के लिए नोएडा में वोटों की गिनती का खास इंतजाम किया जा रहा है। नोएडा के चुनावी मैदान में मौजूद राजनीतिक दलों ने वोटों की गिनती के लिए कार्यकर्ताओं को काउंसिल एजेंट बना दिया है। नोएडा में भाजपा, सपा तथा बसपा वोटों की गिनती में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते हैं। आपको बता दें कि नोएडा लोकसभा सीट गौतमबुद्धनगर की वोटों की गिनती नोएडा की फूल मंडी तथा बुलंदशहर में 4 जून को होगी।

नोएडा, दादरी तथा जेवर विधानसभा क्षेत्र के वोट नोएडा की फूल मंडी में गिने जाएंगे। सिकन्द्राबाद तथा खुर्जा विधानसभा क्षेत्र के वोट बुलंदशहर में गिने जाएंगे। मतगणना के लिए भाजपा, सपा गठबंधन और बसपा ने काउंटिंग एजेंट्स तय कर दिए गए हैं। सभी प्रमुख दलों ने ईवीएम के साथ ही बैलेट पेपर तक के लिए 100-100 की संख्या में एजेंट्स चयनित कर लिए हैं। विधानसभावार लगने वाली हर टेबल के लिए एजेंटों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही चुनाव आयोग की गाइडलाइन से भी उन्हें रूबरू कराया जा रहा है, ताकि किसी भी संशय या गड़बड़ी की आशंका पर वह नियमों के तहत अपनी आवाज बुलंद कर सके। एक जून के बाद भाजपा और सपा के पदाधिकारी अपने एजेंटों और प्रत्याशी के साथ समन्वय बैठक भी करेंगे। बसपा भी निष्पक्ष मतगणना के लिए अपने स्तर से कार्ययोजना तैयार कर रही है। गौतमबुद्धनगर सीट पर 26.75 लाख में 1435708 मतदाताओं ने ईवीएम में अपना फैसला तय किया है। पिछले लोकसभा चुनाव के मुकाबले करीब 7.17 फीसदी कम मतदान के बाद राजनीतिक दलों की ओर से अपने-अपने पाले में निर्णय के कयास भी लगाए।

पायनियर लोक सभा 2024 रिपोर्ट

धन शोधन मामले में जीआईपी की बिना बिकी संपत्ति को ईडी ने किया जब्त

● 400 करोड़ की हेराफेरी का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत मनोरंजन सेवाएं देने वाली कंपनी की 290 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। जिसमें नोएडा का जीआईपी मॉल की अनसोल्ड कॉमर्शियल स्पेस भी शामिल है।

इंटरनेशनल एम्यूजमेंट लिमिटेड इंटरनेशनल रीक्रिएशन एंड एम्यूजमेंट लिमिटेड आईआरएएल की होल्डिंग कंपनी पर गुरुग्राम में सेक्टर 29 और 52 में दुकानों या अन्य स्थान के आवंटन के वादे पर लगभग 1500 निवेशकों से 400 करोड़ रुपए से अधिक इकट्ठा करने का आरोप है। हालांकि, उक्त कंपनी परियोजना को पूरा करने में विफल रही। इंटरनेशनल रीक्रिएशन एंड एम्यूजमेंट लिमिटेड के निदेशकों और प्रमोटर ने निवेशकों के धन को अन्य संबंधित संस्थाओं के साथ मिलकर बेचने में 400 करोड़ से अधिक की हेराफेरी की। साथ ही, निवेशकों को मासिक सुनिश्चित रिटर्न का भुगतान भी नहीं किया जा रहा था।

पावर कट के चलते बिजलीघरों के बाहर हंगामा

● लोनी के न्यू डिफेंस कॉलोनी के लोगों ने किया प्रदर्शन, मौके पर पहुंची पुलिस ने समझाया

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में पावर कट से हाल-बेहाल है। जगह-जगह फॉल्ट हो रहे हैं। इससे ट्रिपिंग की समस्या बनी है। बुधवार रात और गुरुवार सुबह कई जगहों पर लोगों ने बिजलीघरों पर हंगामे किए। पावर कॉरपोरेशन के कंट्रोल रूम में हर 2 मिनट में एक शिकायत पावर कट की पहुंच रही है।

लोनी क्षेत्र के भोपुरा की न्यू डिफेंस कॉलोनी में बुधवार रात बिजली कट लगने के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने सैकड़ों की संख्या में इकट्ठा होकर बिजलीघर पर धरना-प्रदर्शन किया।

इस दौरान पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने बामुश्किल लोगों को समझा-बुझाकर वापस भेजा। पावर बिजली उपकेंद्र से जुड़े गांव घिटौरा में भी बीते कई दिनों से बिजली की दिक्कतें बनी हुई हैं। इससे गुस्साएं लोग गुरुवार दोपहर को बिजलीघर पर पहुंच गए। लोगों ने कॉरपोरेशन अधिकारियों के खिलाफ खूब नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पिछले करीब 15 दिन से गांव में पावर कट की समस्या बनी हुई है।

इससे हर कोई परेशान है। लोनी की न्यू सितारा मस्जिद मुस्तफाबाद इलाके में रहने वाले विवेक भट्टाचार्य ने बताया कि उनके इलाके में पिछले तीन दिन से बिजली नहीं है। सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि बजरिया पावर हाउस से जुड़े टाउन हाल गंदानाला अनाज मंडी क्षेत्र में रात एक बजे से अब तक लाइट नहीं आई है।

हिन्दू रक्षा दल के अध्यक्ष पर एफआईआर दर्ज

गाजियाबाद। हिन्दू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी उर्फ पिंकी भैया पर एफआईआर हुई है।

आरोप ये है कि गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की टीम जब एक मामले की जांच करने सोसाइटी में पहुंची तो वहां बदसलूकी और मारपीट की गई। इस घटना की फुटेज भी सामने आई है, जिसमें टीम को धकियाते हुए साफतौर पर दिखाई दे रहा है। कमलेश्वर सिंह ने साहिबाबाद कोतवाली में भूपेंद्र उर्फपिंकी चौधरी, उनके पुत्र और तीन5चार अज्ञात लोगों के खिलाफ सेक्शन-147, 323, 504 और 506 में एफआईआर कराई है। कमलेश्वर सिंह के अनुसार, 27 मई को गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के कुछ अधिकारी वेद होम्स बिल्डिंग में एक केस के सिलसिले में आए थे।

आग लगने से युवती की हुई थी मौत, आरोपी होटल मालिक धरा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के सेक्टर-04 स्थित मून लाइट होटल में आग लगने के बाद दम घुटने से हुई युवती की मौत के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की।

इस मामले में सेक्टर.39 पुलिस ने पहली कार्रवाई करते हुए बुधवार रात को भवन मालिक को गिरफ्तार कर लिया। होटल को लीज पर लेने वाले आरोपी की तलाश अभी जारी है। मृतक युवती के भाई ने भवन स्वामी और होटल प्रबंधन के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कराया था। छह मंजिला मून होटल बिना फ ायर एनओसी के संचालित हो रहा था। थाना प्रभारी ने बताया कि 18 मई को दोपहर दो बजे के करीब सेक्टर.46 की पलक प्रसाद अपने मंगेतर तरुण के साथ होटल के छठे मंजिल पर बने कमरे में रुकी थीं। शाम साढ़े चार बजे के करीब होटल की चौथी मंजिल पर आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें, धुआं पांचवीं और छठी मंजिल पर भी पहुंच गया। धुआं कमरे के अंदर पहुंचने के कारण तरुण और पलक का दम घुटने लगा। सूचना पर पहुंचे अग्निशमन कर्मियों ने किसी तरह दोनों को बाहर निकाला और उपचार के लिए नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। कुछ ही घंटे बाद बर्न इंजरी और अंदर ज्यादा धुआं लेने के कारण पलक की मौत हो गई।

पुलिस मुठभेड़ में बदमाश को लगी गोली

● एनसीआर के विभिन्न थानों में 24 मामले है दर्ज, दूसरा आरोपी फरार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा। नोएडा में बदमाशों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने एक बदमाश को गोली मारी। जिसके बाद उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। वहीं इसका दूसरा साथी अंधेरा का फायदा उठाकर मौके से फ रार हो गया। पकड़ने के लिए कांबिंग की जा रही है। घायल अवस्था में पकड़े गए बदमाश की पहचान आकाश पुत्र राज कुमार निवासी साहिबाबाद के रहने वाले के तौर पर हुई है। इसके ऊपर करीब 24 मुकदमे दर्ज है।

इसके पास से आधा दर्जन मोबाइल फोन बरामद किए गए। साथ ही एक आई फ ोन भी मिला। जिसे दिल्ली के लाजपत नगर से छीना गया था। पुलिस एडीसीपी हृदेश कठेरिया ने बताया कि पुलिस को इनपुट मिला था कि दो बदमाश थाना फेज.2 क्षेत्र में लूट की वारदात को अंजाम देने जा रहे है। कुलेसरा बॉर्डर पर पुलिस फोर्स चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान दो व्यक्ति काले रंग की यामाहा एमटी मोटर साइकिल से आते दिखाई दिए। पुलिस ने चेकिंग करने के लिए रोका तो भागने लगे। संदिग्ध जानकर पुलिस द्वारा इनका करीब 200 मीटर तक पीछा किया गया। बदमाश टीपी नगर थाना फेस टू की ओर मुड़ गए और पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने लगे। पुलिस पार्टी द्वारा आत्म रक्षार्थ फायरिंग की कार्रवाई की गई। जिसमें एक बदमाश आकाश गोली लगने से घायल हो गया। बाइक का बैलेंस बिगड़ गया। जिससे वो नीचे गिर गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। वहीं इसका दूसरा साथी अंधेरे का फ ायदा उठाकर फ रार हो गया। इसकी तलाश के लिए कांबिंग की जा रही है। आकाश के विरुद्ध एनसीआर व दिल्ली के विभिन्न थानों में 24 मुकदमे दर्ज है।

संक्षिप्त समाचार

युवाओं में बढ़ रहे डिमेंशिया के मामले

नोएडा। डिमेंशिया के बढ़ते मामलों पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चिंता जताई है। फोर्टिस हॉस्पिटल नोएडा की न्यूरोलॉजी डायरेक्टर डॉ. ज्योति बाला शर्मा के अुनसार उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा और अवसाद के साथ युवाओं की ख़राब लाइफ स्टाइल इस बीमारी का प्रमुख कारण है। उन्होंने बताया कि डिमेंशिया रोगियों की विशेष देखभाल और सहायता के लिए फोर्टिस हॉस्पिटल में मेमोरी क्लिनिक शुरू किया गया। जिसमें मेमोरी स्क्रीनिंग, निदान, संज्ञानात्मक व्यायाम और व्यक्तिगत देखभाल शामिल हैं। इस संबंध में फोर्टिस हॉस्पिटल, नोएडा में न्यूरोलॉजी के डायरेक्टर डॉ. कपिल कुमार सिंघल ने भी इस संबंध में जानकारी दी। अस्पताल के जोनल डायरेक्टर मोहित सिंह ने इस पहल के प्रति उत्साह जताया है।

1857 क्रांति के शहीदों को किया याद, दी श्रद्धांजलि

गाजियाबाद। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 शहीद स्मारक समिति द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शहीद स्थल मेट्रो स्टेशन के पास श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति के अध्यक्ष पंडित रामआसरे शर्मा ने बताया कि हिंडन नदी का ऐतिहासिक युद्ध 30 मई को हुआ था जब क्रांतिकारियों ने अंग्रेजो का घमंड चकनाचूर कर दिया था। यह युद्ध गाजियाबाद में हिंडन नदी के तट पर हुआ था। संस्था के मीडिया प्रभारी बीके शर्मा हनुमान ने बताया कि प्रथम स्वतंत्रता संग्राम भारतीय इतिहास का एक ऐसा दिव्य तथा भव्य अध्याय है। इस अवसर पर संस्था के महामंत्री पीएन गर्ग, वरिष्ठ समाज सेवी छोटेलाल कनौजिया, सपन सिकदर, दिलीप कुमार, अरुण खन्ना, संतोष, विजय शर्मा, राकेश शर्मा, मास्टर गजेंद्र, प्रदीप बॉस मौजूद थे

गाजियाबाद में 50 हजार का इनामी गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद के चर्चित प्रॉपर्टी डीलर विक्रम मावी हत्याकांड में गुरुवार को 50 हजार रुपए के इनामी राहुल उर्फरामबाबू को गिरफ्तार किया है। इस केस में 17 आरोपी पहले ही जेल जा चुके हैं। खुलासा हुआ है कि विक्रम मावी ने एक हत्यारोपी के माता.पिता व पत्नी को पीटा था। इसी का बदला लेने के लिए विक्रम का मर्डर हुआ। गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर इलाके में 11 मई की रात प्रॉपर्टी डीलर विक्रम मावी की ऑफिस के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात को अंजाम विक्रम के पवन भाटी ने अंजाम दिया।

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नंबर- 23, शॉल टॉवर, तीसरी मंज़िल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली- 110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	मेसर्स सेफ्टी डोर्स एलएलपी, मोहित कपूर (पार्टनर), साहिल गोयल (पार्टनर), मोहित कपूर, साहिल गोयल, शम्मी कपूर शालिनी कपूर, 731605000042 और 731655000001	मकान नंबर/ प्लॉट नंबर 7 (छत के अधिकार के साथ तीसरी मंजिल), ब्लॉक-I, पॉकेट-11, सेक्टर-16, रोहिणी, दिल्ली- 110089 और मकान नंबर/ प्लॉट नंबर 6 (छत के अधिकार के साथ तीसरी मंजिल), ब्लॉक-I, पॉकेट-11, सेक्टर-16, रोहिणी, दिल्ली-110089/ मई 28, 2024	फ़रवरी 23, 2024 रु.46,34,400.00/- और रु.11,26,112.00/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : मई 31, 2024
स्थान : दिल्ली/ एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
(पूर्व में इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड)
सीआईएन: L10719DL1995PLC277176
रजि. कार्या. 288 बेसमेंट एजीसीआर एन्क्लेव पूर्वी दिल्ली शाहदरा शाहदरा दिल्ली 110092 भारत
फोन: 011-45511351, ईमेल: info@integredindustries.in

NURTURE WELL

31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष हेतु लेखापरीक्षित स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों का विवरण

(ईपीएस को छोड़कर रु. करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्ति 31/03/2024 लेखापरीक्षित	तिमाही समाप्ति 31/12/2023 अलेखापरीक्षित	तिमाही समाप्ति 31/03/2023 लेखापरीक्षित	वर्ष समाप्ति 31/03/2024 लेखापरीक्षित	वर्ष समाप्ति 31/03/2023 लेखापरीक्षित
1	संचालन से कुल आय	17.79	20.09	0.04	56.16	5.14
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पूर्व, आपवादिक और/या असाधारण मदें)	-0.44	0.92	0.01	1.26	4.99
3	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या असाधारण मदें पश्चात्)	-0.44	0.92	0.01	1.26	4.99
4	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या असाधारण मदें पश्चात्)	-0.37	0.69	-3.62	0.88	1.36
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात्) और अन्य कुल व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल]	-0.37	0.69	-3.62	0.88	1.36
6	इक्विटी शेयर पूंजी	9.60	8.20	4.78	9.62	4.78
7	रिजर्व (पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
8	प्रति शेयर आय (प्रत्येक 10 रुपये का) (जारी और बंद किए गए परिचालन हेतु) (वार्षिकीकृत नहीं)					
	मूलभूत (रु. में)	(0.41)	0.85	(7.57)	1.27	2.85
	तरलीकृत (रु. में)	(0.38)	0.78	(7.57)	1.14	2.85

नोट:

1. इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ('कंपनी') (पूर्व में इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजीज लि.) के 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए उपरोक्त ऑडिट किए गए स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों ('परिणाम') की ऑडिट समिति द्वारा समीक्षा और सिफारिश की गई और बाद में 29 मई, 2024 को आयोजित अपनी बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया। कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षक ने सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के यथा संशोधित विनियम 33 के संदर्भ में इन वित्तीय परिणामों की लेखापरीक्षा की है।
2. इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए लेखा परीक्षित स्टैंडअलोन वित्तीय परिणाम कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') की धारा 133 के तहत निर्धारित भारतीय लेखा मानकों (इंड एएस) के अनुसार तैयार किए गए हैं, इसके तहत प्रासंगिक नियमों के साथ पठित
3. इंड एएस 108 - "ऑपरेटिंग सेगमेंट" द्वारा अपेक्षित व्यवसाय/भौगोलिक खंड की रिपोर्टिंग के संदर्भ में, कंपनी के संचालन में मुख्य रूप से खाद्य उत्पादों में व्यापार करने वाला एक व्यवसाय खंड शामिल है। इसलिए, इंड एएस 108 के अनुसार कोई रिपोर्ट करने योग्य खंड नहीं है।
4. 31 मार्च 2024 को समाप्त होने वाली तिमाही और वर्ष के लिए कंपनी के स्टैंडअलोन परिणामों का वैधानिक लेखा परीक्षक द्वारा ऑडिट किया गया है और उन्होंने उसी पर एक असंशोधित ऑडिट रिपोर्ट जारी की है। सांविधिक लेखापरीक्षकों की लेखापरीक्षा रिपोर्ट बीएसई लिमिटेड (बीएसई) के पास दायर की जा रही है और यह कंपनी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।
5. 31 मार्च 2024 और 31 मार्च 2023 को समाप्त तिमाही के आंकड़े पूर्ण वित्तीय वर्षों के संबंध में लेखापरीक्षित आंकड़ों और संबंधित वित्तीय वर्षों की तीसरी तिमाही तक के प्रकाशित अलेखापरीक्षित वर्ष के आंकड़ों के बीच संतुलन के आंकड़े हैं। साथ ही, तीसरी तिमाही के अंत तक के आंकड़ों की केवल समीक्षा की गई थी और वे लेखापरीक्षा के अधीन नहीं थे।
6. 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान, कंपनी ने 30 मई, 2023 को शारजाह मीडिया सिटी-फ्री जोन अथॉरिटी (एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक)) के साथ पंजीकृत नर्चर वेल एलएलसी, शारजाह, संयुक्त अरब अमीरात का अधिग्रहण किया। उक्त विदेशी सहायक कंपनी को लागत पर मैसर्स नर्चर वेल फूड्स प्राइवेट लिमिटेड (कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी) को हस्तांतरित कर दिया गया है और तदनुसार वह विदेशी सहायक कंपनी 26 मार्च 2024 से एकीकृत उद्योग लिमिटेड की सहायक कंपनी नहीं रह गई है।
7. पिछली अवधि के आंकड़ों को वर्तमान अवधि के वर्गीकरण/प्रकटीकरण के अनुरूप जहां भी आवश्यक हो, पुनर्समूहित/पुनर्वर्गीकृत किया गया है।

कृते इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
(पूर्व में इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड)
हस्ता/-
सौरभ गोयल
(प्रबंध निदेशक)
डीआईएन: 01094455

स्थान : दिल्ली
दिनांक : 29 मई, 2024

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 31 मई, 2024

राजधानी में पानी की किल्लत से हाहाकार

जल मंत्री ने वजीराबाद प्लांट का किया निरीक्षण, यमुना का जल स्तर सामान्य से साढ़े तीन फुट घटा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विवेकानंद कॉलोनी में पानी के टैंकर से पहले पानी भरने की लगी होड़।

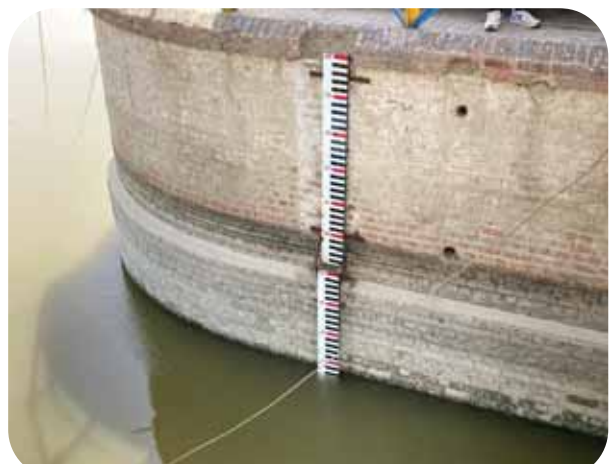

यमुना का सामान्य जल स्तर 674 फीट से घटकर 670.3 फीट पर आ गया

रोहणी इलाके में पानी की बोतल खरीदकर लेते जाता परिवार।

भीषण गर्मी ने इस बार लोगों को झुलसा रखा है। गर्म हवाओं के कारण दिन में घर से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। लगातार तापमान बढ़ने के साथ कई इलाकों में पीने के पानी भारी किल्लत हो गई है। जिसके कारण लोग घर के रोजमर्रा के जरूरी कामकाज समय पर नहीं कर पाते हैं।

दिल्ली के करावल नगर, भजन पुरा, यमुना विहार, घोंडा, मौजपूर, जाफराबार, विवेकानंद कॉलोनी, वहीं बाहरी दिल्ली के रोहिणी सेक्टर 20, 21 ,22, 23, 24, 25, 26 स्थित द्वारकाधीश अपार्टमेंट और आसपास किराड़ी बेगमपुर, रामा विहार, राजीव नगर, जैन नगर, प्रेम नगर, दीप विहार जैसी कालोनियों भी पानी की कमी के चलते लोग बाजार से बोतल बंद पानी खरीदने को मजबूर हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि उपरोक्त सभी क्षेत्रों में 48 घंटे यानी 2 दिन के बाद केवल 2 घंटे के लिए पानी उपलब्ध कराया जाता है वो भी कई बार दूषित और दुर्गंध युक्त पानी की आपूर्ति की जा रह है।

इस मुद्दे पर भाजपा और दिल्ली सरकार में आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गया है। आम आदमी पार्टी की सरकार ने दावा किया कि रिकार्ड तापमान के बीच हरियाणा की भाजपा सरकार दिल्ली के हिस्से के पानी में भारी कटौती कर दी है जिसके चलते राष्ट्रीय राजधानी में जल संकट पैदा हो गया। इस समस्या से निपटने के लिए जल मंत्री आतिशी ने बृहस्पतिवार को वजीराबाद तालाब का निरीक्षण किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि पड़ोसी राज्य हरियाणा दिल्ली के हिस्से का पूरा पानी नहीं दे रहा है। इसके चलते यमुना का जल स्तर समान्य से 3.5 फुट से ज्यादा नीचे आया गया है।

गुरुवार को यमुना का सामान्य जल स्तर 674 फीट से घटकर 670.3 फीट पर आ गया है। इससे कई इलाकों में पानी को लेकर त्राही-त्राही मची हुई है। हरियाणा से यमुना में छोड़े जाने वाला पानी वजीराबाद, चंद्रावल व ओखला वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट को मिलता है और यहां शोधित पानी घरों में आपूर्ति किया जाता है।

जब हरियाणा से पानी ही कम मिलेगा तो जल शोधन संयंत्र कहां से पानी उत्पादित करेंगे।

मंत्री ने कहा कि वह दिल्ली को जल संकट से जूझते हुए नहीं देख सकतीं, इसलिए हरियाणा और केंद्र सरकार को दोबारा चिट्ठी लिख रहीं हैं। साथ ही उन्होंने दिल्ली वालों से अपील है कि अगर वे सावधानी से पानी का इस्तेमाल करते हैं तो बाकी हिस्सों को भी सप्लाई कर पाएंगे।

निरीक्षण के दौरान मंत्री आतिशी ने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को बेहतर तरीके से जल प्रबंधन करने का निर्देश दिया, ताकि हर इलाके तक लोगों के जरूरत का साफ पानी मुहैया कराया जा सके। मंत्री ने बताया कि पिछले साल 30 मई 2023 को वजीराबाद पर जल स्तर 674.5 फुट पर पानी था। भाजपा के समर एक्शन प्लान और वॉटर राशनिंग न करने के आरोप पर आतिशी ने कहा कि पानी की राशनिंग तब की जाती है, जब पानी की खपत बढ़ती है और उस हिसाब से मौजूदा पानी की सप्लाई को नियंत्रित किया जाता है। इसके लिए पानी के टैंकर्स का प्लान बनाया है, अलग-अलग क्षेत्रों में पानी का सप्लाई कम किया जाता है। लेकिन समर एक्शन प्लान भी इसी पर निर्भर करता है कि पानी की सप्लाई सामान्य स्तर पर बना रहे।

कोर्ट का रुख करेगी आप सरकार : जलमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रेस वार्ता के दौरान जल मंत्री आतिशी व स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज

जल मंत्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली सरकार हरियाणा से राष्ट्रीय राजधानी के हिस्से का पानी नहीं छोड़े जाने को लेकर उच्चतम न्यायालय का रुख करेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आपात स्थिति दस्तक देने वाली है। उन्होंने संकट से निपटने के लिए कुछ आपातकालीन कदम उठाने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा, हरियाणा से दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं छोड़े जाने के खिलाफ हम खुद उच्चतम न्यायालय का रुख करेंगे।

मंत्री ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड में केंद्रीय जल टैंकर नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जा रहे हैं और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) का एक अधिकारी इसकी निगरानी करेगा। एक केंद्रीय कमांड एवं नियंत्रण कक्ष होगा और लोगों को पानी के टैंकर की आवश्यकता होने पर 1916 पर फोन कॉल करनी होगी। यह केंद्रीय कमांड एवं नियंत्रण कक्ष जल टैंकर नियंत्रण कक्ष को कॉल के बारे में सूचित करेगा। पांच जून से, एडीएम और एसडीएम स्तर पर अधिकारियों को दिल्ली के 11 जल क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा, वे पानी की कमी वाले क्षेत्रों की स्थिति का आकलन करेंगे और उन स्थानों पर पानी के टैंकर लगाएंगे।

दिल्ली जल बोर्ड के बिजली विभाग में टीम बनाई जाएंगी, जो बोरवेल से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए हर समय काम करेंगी।

भाजपा का आप पर पलटवार, सचदेवा बोले- दिल्ली को मिल रहा 1049 क्यूसेक पानी

- जब वादे से अधिक पानी पड़ोसी राज्य से मिल रहा है तो फिर कई इलाकों में एक समय पानी देने का क्या मतलब : प्रदेश अध्यक्ष
- कृत्रिम पानी संकट को लेकर प्रदेश भाजपा शुक्रवार को सचिवालय के बाहर करेगी विरोध प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली वाले पानी के लिए हाहाकार कर रहे हैं लेकिन यह संकट इस समय प्राकृतिक नहीं बल्कि कृत्रिम संकट केजरीवाल सरकार द्वारा भ्रष्टाचार करने के लिए पैदा किया गया है। इस मुद्दे पर दिल्ली भाजपा शुक्रवार को सचिवालय के बाहर आम आदमी पार्टी की सरकार के खिलाफ जनता की आवाज उठाएगी। सचदेवा ने कहा कि जलमंत्री आतिशी मार्लेना का आरोप है कि हरियाणा सरकार उन्हें पानी नहीं दे रही है लेकिन वह हकीकत को छुपा रही है।

कुछ दिन पहले ही दिल्ली सरकार फ्लड डिपार्टमेंट एवं जलबोर्ड के अधिकारी हथिनी कुंज बैराज जहां से पानी छोड़ा जाता है, वहां गए थे, जहां पर हरियाणा सरकार के पदाधिकारी भी मौजूद थे। वहां पानी को मापने के लिए लगे सिस्टम को चेक करने के बाद फ्लड डिपार्टमेंट एवं जलबोर्ड के अधिकारी संतुष्ट होकर लौटे क्योंकि हरियाणा सरकार वादे से अधिक पानी दिल्ली को सप्लाई कर रही है। समझौते के मुताबिक हरियाणा को 719 क्यूसेक पानी दिल्ली को भेजना है लेकिन हरियाणा रोजाना 1049 क्यूसेक पानी दे रहा है। अब सवाल यह है कि आखिर जब वादे से अधिक पानी दिल्ली को मिल रहा है तो फिर एक ही समय पानी आपूर्ति करने का क्या मतलब है। भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि पानी बर्बाद हो रहा है और दिल्ली सरकार उस बर्बादी को रोकने में पूरी तरह से विफल रही है। इसलिए उन्होंने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला छुड़ाते हुए 2000 रुपये का जुर्माना लगाया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि टैंकर माफियाओं को बढ़ावा देने का काम केजरीवाल सरकार कर रही है और पानी की आपूर्ति के लिए टैंकरों की संख्या बढ़ाई जाएगी लेकिन वह संख्या सिर्फ कागजों में ही रहेगी। हर गाड़ी के चक्कर के जो पैसे बचेंगे और वह नीचे से ऊपर तक के जल मंत्री से जलबोर्ड अधिकारियों के कार्यालय में बटेंगे।

भाजपा महिला मोर्चा का मटका फोड़ प्रदर्शन

प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा पदाधिकारियों ने पानी संकट को लेकर अतिशी के आवास के बाहर मटका लेकर प्रदर्शन किया।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- प्रदर्शनकारियों का आरोप आप सरकार के भ्रष्टाचार के कारण जल संकट से दिल्ली परेशान : सरिता तोमर

प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा पदाधिकारियों ने पानी संकट को लेकर जल मंत्री अतिशी के आवास के बाहर मटका लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार के कारण उत्पन्न हुए जल संकट से पूरी दिल्ली परेशान है।

महिला नेता ऋचा पांडेय मिश्रा ने कहा कि आज महिलाएं 52 डिग्री में भी घर से बाहर सिर्फ पानी के संकट को लेकर निकलने को मजबूर हो चुकी है तो दिल्ली सरकार को सोचना चाहिए कि उन्होंने इस गर्मी में पानी को लेकर क्या व्यवस्था की है।

एक तरफ आतिशी राजनीतिक पर्यटन में व्यस्त हैं और दूसरी ओर केजरीवाल अपने बेल और चुनावी प्रचार में व्यस्त हैं। केजरीवाल ने जनता से मुफ्त साफ पानी का वायदा किया था लेकिन आज उन्होंने साफ पानी तो छोड़िए पानी भी समयानुसार नहीं दे पा रहे हैं।

प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि केजरीवाल सरकार सियासी फायदे के लिए पानी संकट की सच्चाई को छिपा रही है। दरसअल हरियाणा सरकार पानी दे रही है, उसको स्टोर करने की जगह अधिकतर पानी उनके द्वारा किए भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ रहा है।

बेबी केयर अग्निकांड

दिल्ली पुलिस ने प्राथमिकी में किशोर न्याय अधिनियम की धाराएं जोड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने विवेक विहार स्थित एक शिशु अस्पताल में आग लगने की घटना के संबंध में दर्ज प्राथमिकी में किशोर न्याय कानून की धाराएं जोड़ी हैं। इस हादसे में छह नवजातों की मौत हो गई थी। वहीं, दिल्ली के अस्पताल में आग लगने की घटना के मामले में अदालत ने अस्पताल के मालिक और एक डॉक्टर को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

बेबी केयर न्यू बॉर्न चाइल्ड हॉस्पिटल में शनिवार की रात आग लग गई थी। पुलिस के अनुसार अस्पताल के मालिक डॉ. नवीन खिची और घटना के समय ड्यूटी पर मौजूद डॉ. आकाश को प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि प्राथमिकी में किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम की धाराएं जोड़ दी गई हैं। गिरफ्तारी के बाद दोनों चिकित्सक तीन दिन की पुलिस हिरासत में थे और पुलिस हिरासत की अवधि बृहस्पतिवार को समाप्त हो गई। यहां की एक अदालत ने दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पानी की समस्या पर डीयू और डूसू करेंगे मिलकर काम

- कुलपति ने दिया 25 वाटर कूलर लगाने का निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ अब विश्वविद्यालय परिसर में पानी की समस्या पर मिलकर काम करेंगे।

यह निर्णय दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ डूसू प्रतिनिधियों की एक बैठक में लिया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. योगेश सिंह से मिला था और विश्वविद्यालय परिसर से संबंधित मांगों को लेकर एक ज्ञापन कुलपति को सौंपा था। छात्र नेताओं ने ज्ञापन के माध्यम से कुलपति के सामने विश्वविद्यालय परिसर में सुविधाओं को लेकर अपनी मांगे रखी थी। डूसू द्वारा डीयू के उत्तरी परिसर के कला संकाय, केंद्रीय पुस्तकालय एवं छात्रावासों में स्वच्छ एवं शीतल पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं के संदर्भ में मांग पत्र दिया गया था। कुलपति ने डूसू प्रतिनिधिमंडल के साथ सभी मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा की। प्रो. योगेश ने कहा कि भीषण गर्मी का मौसम चल रहा है। ऐसे में स्वच्छ एवं शीतल पेयजल की उपलब्धता बहुत जरूरी है।

पुलिस प्रशिक्षण केंद्र के मालखाना में लगी आग

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के वजीराबाद इलाके में पुलिस प्रशिक्षण केंद्र के मालखाना में बृहस्पतिवार को आग लग गई। डीएफएस के अधिकारियों के मुताबिक, आग लगने की इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। डीएफएस के एक अधिकारी ने कहा, हमें 30 मई, बृहस्पतिवार को अपराह्न दो बजकर 37 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद दमकल की कुल 10 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने कहा, पुलिस आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए घटना की जांच कर रही है।

बसंत कुंज इलाके में मारपीट और जबरन वसूली का है आरोप

पांच पुलिस कर्मियों को न्यायिक हिरासत में भेजा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिण पश्चिम दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में मारपीट करने और जबरन वसूली के आरोप में मंगलवार को गिरफ्तार पांच पुलिस कर्मियों को बृहस्पतिवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। यह जानकारी पुलिस विभाग की तरफ से दी गई।

इन पांच पुलिस कर्मियों के खिलाफ धारा 384 (जबरन वसूली के लिए सजा), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाने के लिए सजा) और 34 (सामान्य इरादे से कई व्यक्तियों द्वारा किए गए कृत्य) के एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें एक हेड कांस्टेबल और चार कांस्टेबल शामिल हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, इन पुलिसकर्मियों ने शराब ले जा रहे एक व्यक्ति को पकड़ा और उसे पैसे देने के लिए धमकाने की कोशिश की।

डीसीपी साउथ वेस्ट दिल्ली रोहित मीना ने बताया, एसएचओ/पीएस वीके साउथ द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार, 28 मई को, पीएस वसंत कुंज साउथ में पुलिस अधिकारियों द्वारा मारपीट और जबरन वसूली के संबंध में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी।

शिकायतकर्ता सुख करण की शिकायत पर 28 मई को वसंत कुंज साउथ पुलिस स्टेशन में एफआईआर नंबर 282/24, धारा 384/323/34 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया।

दिल्ली के बाजारों में तैनात की जाए दमकल की गाड़ियां : सीटीआई

- संगठन की मदद से 100 बाजारों में फायर विभाग लोगों को देगा प्रशिक्षण

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रचंड गर्मी में बाजारों और इंडस्ट्रियल एरिया के फैक्ट्री मालिकों की चिंता बढ़ी हुई है। दिल्ली में आग लगने की बढ़ती घटनाओं और बिजली के ओवर लोड से तारों में स्पार्किंग की खबरें कई जगह से आ रही हैं।

ऐसे में दिल्ली में व्यापारियों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के प्रतिनिधिमंडल ने कनॉट प्लेस स्थित दिल्ली फायर सर्विस के चीफ वीरेंद्र सिंह और डिप्टी चीफ एसके दुआ से मुलाकात की। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल और उपाध्यक्ष राहुल अदलखा ने बताया कि मीटिंग में व्यापारियों ने फायर डिपार्टमेंट के अधिकारियों के समक्ष समस्याएं और सुझाव भी रखे हैं। पुरानी दिल्ली के बाजारों में फायर डिपार्टमेंट की गाड़ी पहुंचने में समय लगता है।

इससे जान और माल का जोखिम बढ़ जाता है। विभाग को सुझाव दिया है कि बाजारों में फायर टेंडर (दमकल) की तैनाती हो। इस पर अधिकारीयों ने कहा कि कई बाजारों में जगह की कमी है। बृजेश गोयल ने कहा कि जल्दी ही व्यापारी संगठनों से चर्चा करके फायर विभाग को लिस्ट मुहैया कराई जाएगी। मीटिंग में फायर एनओसी की जटिलताओं पर चर्चा हुई। बैठक में राहुल अदलखा, संदीप गुलाटी, नइम राजा, विनोद शर्मा और रिया जोन मौजूद रहे।

चांदनी चौक की तर्ज पर बनें अंडरग्राउंड वाटर टैंक

फायर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि चांदनी चौक की मैन सड़क पर अंडरग्राउंड वाटर टैंक और हाइड्रेंट इंस्टॉल हो गए हैं। इस पर बृजेश ने कहा कि इसी तरह की व्यवस्था दूसरे बाजारों में भी होनी चाहिए। हाइड्रेंट के लिए वाटर टैंक बनाने की जरूरत होती है। इसके लिए दिल्ली जल बोर्ड और पीडब्ल्यूडी से भी गुहार लगाएंगे।

रामफल चौक पर कई दिनों से बह रहा पानी

द्वारका इलाके में रामफल चोक पर पीने के पानी की पाइपलाइन कई दिन से टूटी पड़ी है जिससे सड़क की भी जर्जर हालत हो चुकी है और जल बोर्ड सुध नहीं ले रहा है। पालम 360 के प्रधान चौधरी सुरेन्द्र सोलंकी ने कहा, पिछले कई दिनों से पीने के पानी की पाइपलाइन टूटी हुई है जिससे सड़क के बीच जर्जर हालत हो चुकी है बार बार शिकायत करने के बावजूद भी अभी तक कोई अधिकारी नहीं आया यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

महिला से लूट और दुष्कर्म का आरोपी धरा

नई दिल्ली। महिला को नशीला पदार्थ खिलाकर, बलात्कार कर लूटने के आरोपी मोहम्मद उमर को पुलिस ने उत्तरी कोतवाली इलाके से गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) मनोज कुमार मीना ने बताया, 26 मई को कोटाली थाने में लूट के संबंध में पीसीआर कॉल आई थी। एक टीम को मौके पर भेजा गया। महिला घायल अवस्था में मिली और उसके शरीर से बहुत खून बह रहा था। उसका तीन साल का बेटा उसके पास बैठा था।

उन्होंने बताया कि बिहार की रहने वाली महिला को अस्पताल ले जाया गया और उसकी मेडिकल जांच कराई गई। डीसीपी ने बताया कि ई-रिक्शा से स्टेशन लौटते समय चालक ने कथित तौर पर उसे कोई पेय पदार्थ दिया, जिसके बाद वह बेहोश हो गई।

शशि थरूर का पूर्व सहयोगी तस्करी के आरोप में गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- बैंकाक से साथ आए एक यात्री संग 35 लाख रुपये के सोने के साथ धरा गया

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दिल्ली सीमा शुल्क अधिकारियों ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता और लोकसभा सांसद शशि थरूर के पूर्व सहयोगी को बुधवार को बैंकॉक से आए एक यात्री के साथ 35 लाख रुपये से अधिक मूल्य के सोने की तस्करी के आरोप में पकड़ा है।

सांसद के पूर्व कर्मचारी की पहचान शिव कुमार प्रसाद के रूप में हुई है और उसके पास एयरोड्रम एंट्री परमिट आईडी थी, जिसमें उसका नाम पर्सनल असिस्टेंट (पीए) लिखा था। संयुक्त सीमा शुल्क आयुक्त (आईजीआई हवाई अड्डे) वरुण कौंडिन्य ने कहा, एक सांसद के लिए प्रोटोकॉल टीम के हिस्से के रूप में एयरोड्रम एंट्री परमिट हासिल करने की परिस्थितियों की जांच की जा रही है। इस खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए थरूर ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, जब मैं चुनाव प्रचार के लिए धर्मशाला में था, तो मुझे अपने स्टाफ के एक पूर्व सदस्य से जुड़ी एक घटना के बारे में सुनकर झटका लगा, जो हवाई अड्डे की सुविधा सहायता के मामले में मुझे अंशकालिक सेवा प्रदान कर रहा था।

शादी में किराये पर ली 38 लाख की 58 मालाएं लेकर दो युवक हुए फरार

● पिछले दो साल से पीड़ित से मालाएं किराये पर लेते रहते थे आरोपी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

वैसे तो शादियों में लोग मालाएं खरीदकर ले जाते हैं, लेकिन यहां अपनी शानो-शौकत दिखाने के लिए दो युवकों ने लाखों रुपये की मालाएं बनवाई। उन्हें वे किराये पर लेकर गए और वापस ही नहीं लौटे। पुलिस ने पीड़ित दुकानदार की शिकायत पर केस दर्ज करके आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार एक दुकानदार ने शिकायत दर्ज कराई है कि नूंह शहर के गोंदा राम चौक पर रहने वाले निखिल गुप्ता की शहर के मुख्य बाजार में जूते-चप्पल की दुकान है। वह शादियों में नोटों की माला बनाकर किराए पर भी देता है। 23 मई को सालाहेड़ी के रहने वाले शोएब और नाजिम उसकी दुकान पर आए। उन्होंने 25 मई की सुबह शादी के लिए 500 रुपये के नोटों की 58 मालाएं बनाने की बात कही। उन्होंने ये मालाएं बनाकर उन्हें दे दी। हर माला में 65 हजार रुपये लगाए गए थे। इस तरह से कुल 37 लाख 70 हजार रुपये सभी मालाओं में लगाए गए थे। 24 मई दोपहर 2 बजे तक युवकों को मालाएं लौटाने के लिए आना था। वे मालाएं लेकर नहीं पहुंचे। उनसे मोबाइल से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया।

दुकानदार निखिल गुप्ता के अनुसार दोनों युवक पिछले दो साल से उनसे मालाएं किराये पर लेते रहते थे। उन दोनों के साथ उसकी सीधी कोई जानकारी नहीं थी। वे गांव सालाहेड़ी के एक व्यक्ति के माध्यम से दुकानदार से मिले थे। जब वे मालाएं लेकर नहीं पहुंचे तो वे अपने एक साथी के साथ उनके परिजनों से मिला।

परिजनों ने उनसे अभद्र व्यवहार किया। मालाएं लौटाने की बजाय उसे ही गलत केस में फंसाने की बात कहकर घर से भगा दिया। दुकानदार निखिल गुप्ता का आरोप है कि उसके परिजन भी उसके साथ की गई ठगी में शामिल हैं। उनका व्यवहार इस बात को साबित करता है। वे एक युवक को लापता बताकर उनके रुपयों को हड़पना चाहते हैं। पीड़ित दुकानदार की शिकायत पर नूंह शहर थाना पुलिस ने इस मामले में 7 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

सोसायटी में रखरखाव के नाम पर 26 लाख का गबन, अकांउटेंट गिरफ्तार

गुरुग्राम। यहां एक सोसायटी में रखरखाव के नाम पर 26 लाख रुपये गबन का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए अकाउंटेंट को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार एक दिसम्बर 2023 को एक व्यक्ति ने थाना सेक्टर-65 में शिकायत देकर कहा था कि उनकी कंपनी के अकाउंटेंट द्वारा मेंटेनेंस के नाम पर पार्क व्यू स्पा नेक्सट सेक्टर-67 में लोगों से मेंटेनेंस के नाम पर लगभग 26 लाख रुपए का गबन करने के संबंध में दी गई। इस शिकायत पर थाना सेक्टर-65 में केस दर्ज किया गया। अपराध शाखा सेक्टर-40 गुरुग्राम की पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए इस मामले में आरोपी को गुरुवार को काबू कर लिया। उसे आईपीएस ओरिया सोसायटी सेक्टर-88 फरीदाबाद से काबू किया गया है। आरोपी की पहचान विपिन कुमार निवासी गांव खेड़ा सुल्तानपुर गुरुग्राम के रूप में हुई है।

पॉलीथीन कैरी बैग उपयोगकर्ताओं पर अप्रैल-मई में लगा 4 लाख का जुर्माना

● प्रतिबंधित पॉलीथीन व सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर की जा रही हैं कार्रवाईः बांगड़

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

निगमायुक्त नरहरि सिंह बांगड़।

पॉलीथीन कैरी बैग तथा सिंगल यूज प्लास्टिक हमारे पर्यावरण व स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। सरकार द्वारा इनके उपयोग पर पाबंदी लगाई हुई है। नगर निगम गुरुग्राम क्षेत्र में इसका उपयोग, बिक्री व भंडारण करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

निगमायुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ ने बताया कि निगम टीमों द्वारा अप्रैल तथा मई माह में पॉलीथीन कैरी बैग व प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वाले दुकानदारों व स्ट्रीट वेंडर्स पर कार्रवाई की गई है। इसके तहत 643 उल्लंघनकर्ताओं पर 402500 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने कहा कि निगम टीमें मार्केट क्षेत्रों, सब्जी मंडियों तथा स्ट्रीट वैंडरों की लगातार जांच कर रही हैं तथा पॉलीथीन कैरी बैग या अन्य प्रतिबंधित प्लास्टिक आइटम पकड़े जाने पर उसका नियमानुसार चालान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। सरकार द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक से बनी 19 प्रकार की वस्तुओं को प्रतिबंधित किया हुआ है। इनका भंडारण, उपयोग, बिक्री, निर्माण व आयात करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि नियम के तहत प्लास्टिक स्टिक वाले ईयर बड्स, गुब्बारों के लिए प्लास्टिक स्टिक, प्लास्टिक के झंडे, कैंडी प्लास्टिक स्टिक, आइसक्रीम प्लास्टिक स्टिक, डेकोरेशन के लिए थर्माकॉल की वस्तुएं, प्लास्टिक प्लेट, कप, कांटे, चम्मच, चाकू, स्ट्रॉ, ट्रे, मिठाई के डिब्बों की रैपिंग एवं पैकिंग फिल्म, निमंत्रण कार्ड की पैकिंग, सिगरेट पैकिंग की पन्नी व प्लास्टिक कैरी बैग प्रतिबंधित हैं।

निगमायुक्त ने गुरुग्राम के नागरिकों से आह्वान किया कि वे प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक तथा पॉलीथीन कैरी बैग का उपयोग ना करें।

युवा पीढ़ी को जागृत करें: रणबीर सांगवान

● रोहतक मंडल के प्रचार अमले की कार्यशाला सम्पन्न

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा आयोजित रोहतक मंडल के अंतर्गत पड़ने वाले जिलों की भजन पार्टी, खंड प्रचार कार्यकर्ताओं तथा सूचीबद्ध पार्टियों की तीन दिवसीय कार्यशाला का वीरवार को समापन हो गया। सेक्टर-27 स्थित कम्युनिटी सेंटर में आयोजित इस तीन दिवस्य कार्यशाला में विभिन्न संगीत विशेषज्ञों से संगीत की बारीकियां सीखकर प्रचार अमले ने जनसरोकार की नीतियों व कार्यक्रमों पर नए गीत तैयार किए।

सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा आयोजित रोहतक मंडल की कार्यशाला के समापन अवसर पर बोलते विभाग के संयुक्त निदेशक रणबीर सिंह सांगवान।

गुरुवार को कार्यशाला के समापन अवसर पर विभाग के संयुक्त निदेशक रणबीर सिंह सांगवान ने कहा कि बदलते समय व दर्शकों की रुचि के अनुसार विभागीय पार्टियों को अपनी प्रस्तुति शैली को और धार देने की जरूरत है। इसी प्रकार विभाग के साथ सूचीबद्ध पार्टियों को भी विभाग की प्रचार शैली से अवगत होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आचार संहिता के हटते ही आपकी जिम्मेदारियां बढ़ने वाली है।

नौतपा का कहर जारी, पारा पहुंचा 47 डिग्री के पार

सड़कों और बाजारों में पसरा सन्नाटा, भीषण गर्मी से बचाव के लिए लोग ले रहे शीतल पेय का सहारा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नौतपा का कहर बरस रहा है। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम का पारा 47 डिग्री पार हो चुका है। लोगों में हाहाकार बचा है। लोग हाय-हाय करते हुए हांफ रहे हैं। बीते एक सप्ताह से भीषण गर्मी ने जीना मुहाल कर दिया है।

डॉक्टर भी गर्मी के सितम से बचने की सलाह दे रहे हैं। क्योंकि यह समय हर उम्र के व्यक्ति के लिए घातक है। भले ही दो जून तक नौपता के रहने की मौसम विभाग की भविष्यवाणी हो, लेकिन गर्मी अभी सताती रहेगी। हीट वेव चलती रहेंगी। ऐसे में जरूरी है कि हम सब अपने आपको इस मौसम के कहर से बचाएं। बचाव के लिए सीधे धूप से बचें। अपने घरों के खिड़की, दरवाजे बंद रखें। बच्चों, बुजुर्गों का खास ख्याल रखें। क्योंकि सुबह 7 बजते ही झुलसाती लू का अहसास शुरू होने लगता है। दोपहर 12 बजे तक सड? वीरान होने लगती है। ट्रैफिक की मूवमेंट बेहद कम हो जाती है तो बाजार सूने दिखाई देने लगते हैं।

गुरुग्राम के सिविल सर्जन डा. विरेंद्र यादव का कहना है कि इस सभी को अपना बचाव करना चाहिए। अस्पताल में बीमारों की संख्या बढ़ी है। स्वास्थ्य विभाग हर स्थिति से निपटने को तैयार है। फिर भी हम सबको अपना बचाव करना जरूरी है। गर्मी के मौसम में हवा के गर्म थपेड़ों और बढ़े हुए तापमान से लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। खासकर धूप में घूमने वालों, खिलाड़ियों, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को लू लगने का डर ज्यादा रहता है। लू लगने पर उसके इलाज से बेहतर है, हम लू से बचे रहें। यानी बचाव इलाज से बेहतर है। डीसी निशांत कुमार यादव के मुताबिक राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग हरियाणा द्वारा जनहित में लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी कर रखी है। जिसकी सभी को पालना करते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा बनाए रखनी है। डीसी ने आमजन से आह्वान किया कि वे सरकार की ओर से जारी की गई एडवाइजरी की पालना करें और लू से बचे रहें। बच्चों को वाहनों में छोड़कर न जाएं उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

मतगणना को लेकर दिया एक दिवसीय प्रशिक्षण

फरीदाबाद। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि बैलेट पेपर मतगणना का कार्य बहुत गम्भीरता से अधिकारी गण पूरा करना सुनिश्चित करें। जिला निर्वाचन अधिकारी वीरवार को सैक्टर-12 के कन्वेंशन हाल में बैलेट पेपर की मतगणना करवाने के लिए सम्बंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार जरुरी दिशा-निर्देश दे रहे थे। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि बैलेट मतों की गणना से जुड़े अधिकारियों को लोकसभा चुनाव के लिए मतगणना को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार सफल मतगणना करवाने के लिए दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैलट पेपर मतगणना का कार्य बहुत ही गम्भीरता से पूरा करना सुनिश्चित करें। इस कार्य में कोई भी डाउट हो तुरंत सम्बन्धित एआरओ और आब्जर्वर से पूछ कर दूर करें। उम्मीदवारों के काउंटिंग एजेन्टो की मौजूदगी में सारा काम निष्पक्ष रूप से पूरा करना सुनिश्चित करें।

जनहित सेवा समिति ने सिविल लाइन में लगाई छबील

सिविल लाइन इलाके में लगाई गई छबील पर पानी पीते राह से गुजरने वाले लोग।

गुरुग्राम। सामाजिक संस्था जनसेवा समिति ने गुरुवार को सिविल लाईंस स्थित अग्रवाल धर्मशाला के निकट मीठे शीतल जल की छबील लगाई। जिसमें राहगीरों ने शीतल जल का सेवन कर अपना गला तर किया। संस्था के पदाधिकारियों का कहना है कि संस्था प्रति माह मासिक भण्डारे का आयोजन पिछले 3 वर्षों से करती आ रही है। इस बार यह निर्णय लिया गया कि भोजन को प्रसाद के रुप में उपलब्ध कराने की बजाय मीठे शीतल जल की व्यवस्था प्रसाद के रुप में कराई जाए, ताकि आने-जाने वाले लोगों द्वारा शीतल जल का सेवन कर उन्हें भीषण गर्मी से राहत मिल सके। भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित गोयल भी अपने सहयोगियों के साथ इस पुण्य के कार्य में शामिल हुए और उन्होंने पेयजल का सेवन भी कराया। उनका कहना है कि धर्मशास्त्रों में उल्लेखित है कि विश्व में सबसे बड़ा दान यदि कोई है तो वह जल व अन्नादान है। किसी भूखे को भोजन व प्यासे को जल उपलब्ध करा दिया जाए तो सबसे बड़े पुण्य फल की प्राप्ति होती है। उन्होंने संस्था के प्रयासों की सराहना की। करते हुए कहा कि संस्था पुण्य का कार्य कर रही है। शहर के सामर्थ्यशील लोगों को भी संस्था का अनुसरण करते हुए इस प्रकार के जनहित के कार्य करने चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के राजीव गुलाटी, संजय मेहरा, गोल्डी, मंदीप ठाकुर, उमाशंकर आदि का सहयोग रहा।

स्ट्रांग रूम की 24 घंटे रखी जा रही है निगरानी: राजेंद्र

पलवल। दक्षिण मंडल रेवाड़ी के आईजीपी राजेंद्र कुमार ने वीरवार को डॉ भीमराव अंबेडकर कॉलेज पलवल में जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों पलवल, होडल एवं हथीन के लिए बनाए गए स्ट्रॉग रूम का निरीक्षण किया तथा आगामी 4 जून को लोकसभा चुनाव की मतगणना के दृष्टिगत अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान पलवल पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अंशु सिंगला, एसआई राजेश कुमार प्रबंधक थाना शहर पलवल, सुरक्षा शाखा प्रभारी उप निरीक्षक सचिन कुमार सहित चुनावी ड्यूटी पर तैनात अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। आईजीपी ने सबसे पहले स्ट्रॉग रूम में लगे सीसीटीवी कैमरों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि स्ट्रॉग रूम के सभी सीसीटीवी कैमरे सुचारू रूप से काम करने चाहिए। इस दौरान उन्होंने स्ट्रांग रूम में अधिकारियों की ड्यूटी, सीसीटीवी, सुरक्षा व्यवस्था, सफाई व्यवस्था आदि की बारीकी से जांच की और अधिकारियों को नियमों की सख्ती से पालना के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्ट्रॉग रूम पर सुरक्षा की व्यवस्था सुदृढ रहनी चाहिए। सुरक्षा में किसी प्रकार की कोई चूक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्ट्रॉग रूम की सुरक्षा व्यवस्था बहुत महत्वपूर्ण कार्य है।

भाषा किसी क्षेत्र विशेष की मोहताज नहीं: नेहरा

● मीडिया क्लब ने हिंदी पत्रकारिता दिवस की दी बधाई

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अमित नेहरा।

उत्तर भारत बेशक हिंदी भाषी क्षेत्र है, लेकिन हिंदी का पहला समाचार पत्र कोलकाता (कलकत्ता) यानी बंग भूमि में प्रकाशित हुआ था। इससे स्पष्ट है कि भाषा के प्रचार-प्रसार में भौगोलिक क्षेत्र कोई बाधा नहीं है। यह बात एनसीआर मीडिया क्लब के अध्यक्ष अमित नेहरा ने हिंदी पत्रकारिता दिवस पर कही।

उन्होंने कहा कि देश का पहला हिन्दी का अखबार उदन्त मार्तण्ड 30 मई 1826 को कलकत्ता से पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने प्रकाशित किया था। इस साप्ताहिक अखबार के सम्पादक व प्रकाशक वह खुद थे। इसके पहले अंक की 500 प्रतियां प्रकाशित हुई थीं। उदन्त मार्तण्ड देश का इतिहास बना। इसलिए इस दिन को हर साल हिन्दी पत्रकारिता दिवस के रूप में मनाया जाता है। अमित नेहरा ने एनसीआर मीडिया क्लब की तरफ से सभी पत्रकारों को हिंदी पत्रकारिता दिवस की बधाई दी है। उन्होंने सभी पत्रकारों को देश में चल रहे लोकसभा चुनाव में उनके योगदान की सराहना की।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस के मौके पर अमित नेहरा ने कहा कि गैर हिन्दी भाषी राज्य में हिन्दी का अखबार अपनी स्थिति मजबूत नहीं कर पाया। इसकी प्रमुख वजह हिंदी भाषी पाठकों की कमी प्रमुख रही। उस समय डाक व्यय बहुत ज्यादा पड़ता था। शुक्ल ने अंग्रेज सरकार से अनुरोध किया कि उन्हें अखबार डाक से भेजने के लिए रियायत दें लेकिन उनकी मांग नहीं सुनी गई। इसलिए यह अखबार एक वर्ष का भी कार्यकाल पूरा नहीं कर सका और 4 दिसम्बर 1826 को बंद हो गया। लेकिन गुलामी काल में पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने गैर हिंदी क्षेत्र में देश का पहला हिन्दी का अखबार निकालने का साहस किया।

देश की आवाज है हिंदी पत्रकारिता: गोयल

● पत्रकार को किसी एक का नहीं, सबका होना चाहिए

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नवीन गोयल।

व्यापार प्रकोष्ठ भाजपा, हरियाणा के प्रदेश संयोजक नवीन गोयल ने देश और समाज में व्याप्त रोगों को और सामने लाने का पत्रकारों का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि पत्रकार को किसी एक का नहीं, सबका होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता देश की आवाज है। जिसमें देश बोलता है। आज के दिन मनाए जाने वाले हिंदी पत्रकारिता की पत्रकारों के नाम प्रेषित शुभकामना में उन्होंने कहा कि दिन-ब-दिन बढ़ती हिंदी पत्रकारिता से दुनियाभर के लोकतंत्र को मजबूती मिल रही है। जिसमें आम आदमी अपनी बात को खुलकर कह रहा है। बता रहा है। लिख रहा है। जिससे सरकारों को उनकी समस्याएं देखने और जानने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि अच्छी पत्रकारिता के लिए अच्छे पत्रकारों को प्रोत्साहित कर उन्हें आगे बढ़ाने का अब समय आ गया है। इसके लिए लोगों को, समाज को उनकी चिंता करनी होगी कि वे किस हाल में रहकर पत्रकारिता कर रहे हैं। उनके सामने चुनौतियां क्या हैं, उनकी समस्याएं क्या हैं, उनकी पारिवारिक स्थिति क्या है, संघर्ष क्या हैं, पत्रकार किन अभावों और दबावों के बीच काम करते हैं?

आचार्य गौरी शंकर ने स्कूल को भेंट किया वॉटर कूलर

● दस बच्चों को एक साल के लिए गोद भी लिया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

वाटर कूलर सौंपते आचार्य गौरी शंकर।

कथा वाचक परम श्रद्धेय आचार्य गौरी शंकर गौतम ने अपने निजी कोष से स्लम बस्ती में चल रहे एससीएफ स्कूल सूर्य विहार को एक वाटर कूलर भेंट किया है। इस अवसर पर उन्होंने 10 बच्चों को 1 वर्ष के लिए गोद भी लिया है। इस मौके पर उनके साथ ब्राह्मण वेलफेयर एसोसिएशन अध्यक्ष अजय शर्मा, समाजसेवी शिवरतन वशिष्ठ, विकास स्वामी, डॉ विनोद दहिया व वरुण शर्मा आदि उपस्थित थे। आचार्य गौरी शंकर गौतम ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंद लोगों की सहायता करनी चाहिए। जेठ के महीने में पानी की टंकी, वाटर कूलर, पानी के मटके लगवाने चाहिए तथा पशुओं के लिए फरमा, पक्षियों के लिए छत पर मिट्टी के बर्तन से पानी की व्यवस्था करनी चाहिए।

पूंजीवाद के गुणों को फिर से अपनाने की जरूरतः अभिजीत वर्मा

गुरुग्राम। अविन्य इंडस्ट्रीयल एंड लॉजिस्टिक पार्क्स के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक अभिजित वर्मा ने कहा है कि पूंजीवाद को आमतौर पर स्वार्थ एवं आत्मसम्मान के तौर पर लिया जाता है। इसके प्रमुख गुणों में सत्यनिष्ठा और विश्वसनीयता शामिल है और बाजार में इसकी कीमत अदा की जाती है। इस प्रकार से यह बाजार की मांग है कि इन्हीं गुणों के बल पर व्यक्ति बाजार में टिक सकता है। पिछली सदी के प्रसिद्ध वस्तुवादी ऐन रैंड ने अपने निबंधों के संग्रह दि अननोन आइडियल में यह बात लिखी है। अभिजित वर्मा ने कहा कि पूंजीवाद पर दुनिया संदेह की नजर से देखती है।

धूम्रपान से हर साल 80 लाख की मौत

विश्व धूम्रपान दिवस पर विशेष

● तम्बाकू के धुएं में होते हैं 70 से ज्यादा कैंसर पैदा करने वाले तत्व

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

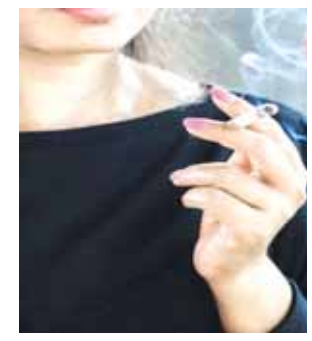

भारत में महिलाओं में तम्बाकू के उपयोग की बढ़ती प्रवृत्ति गंभीर चिंता का विषय है। तम्बाकू धूम्रपान महिलाओं को कई प्रकार से नुकसान पहुंचाता है। इससे उनमें कैंसर तो हो ही सकता है, साथ ही उनकी मां बनने की क्षमता भी प्रभावित कर सकता है। विश्व तंबाकू दिवस पर हम आपको बता दें कि तम्बाकू धूम्रपान दुनिया भर में मौत होने का एक प्रमुख कारण है। तम्बाकू के धूम्रपान से हर साल 80 लाख से ज्यादा लोगों की मौत होती है।

अकेले तम्बाकू के धुएं में 70 से ज़्यादा तरह के कार्सिनोजेन्स यानी कैंसर पैदा करने वाले पदार्थ होते हैं। इन पदार्थों में निकोटीन भी शामिल है। निकोटिन एक ऐसा नशीला तत्व है, जो धूम्रपान छोड़ना मुश्किल बना देता है। लोग इस बात को जानते हैं कि धूम्रपान से फेफड़ों का कैंसर होता है, लेकिन तम्बाकू धूम्रपान से महिलाओं में होने वाले कैंसर बारे में जागरुकता ज्यादा नहीं है। हमारे देश में तम्बाकू धूम्रपान इतना प्रचलित हो गया है कि धूम्रपान न करने वाले लोग भी अक्सर सेकेंड हैंड धुएं के संपर्क में आते हैं। दुर्भाग्य से इससे बचना लगभग असंभव हो सकता है। क्योंकि ऑफिस और सामाजिक समारोहों में धूम्रपान करना आम बात होती जा रही है। इसलिए धूम्रपान करने वालों और उनके प्रियजनों दोनों पर धूम्रपान के गंभीर प्रभाव को समझना धूम्रपान छोड़ने की दिशा में उठाया गया पहला अच्छा कदम है। धूम्रपान छोड़ना अक्सर चुनौतीपूर्ण होता है। लेकिन तम्बाकू छोड़ने में निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी काफी मददगार साबित हो सकती है। इस थेरेपी में तलब लगने के लक्षणों को कम करने के लिए निकोटीन की एक नियंत्रित डोज दी जाती है।

महिलाओं को धूम्रपान से ब्रेस्ट कैंसर का खतरा अधिकः पारस हेल्थ में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी की ग्रुप डायरेक्टर और हेड डॉ. इंदु बंसल अग्रवाल ने कहा कि तम्बाकू धूम्रपान महिलाओं को अलग-अलग तरह से प्रभावित करता है। धूम्रपान से ओरल कैंसर, लेरिंजियल कैंसर, मुंह और ग्रसनी कैंसर, भोजन नली कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, प्रीमेनोपॉजल ब्रेस्ट कैंसर, किडनी, मूत्राशय, मूत्र मार्ग, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, कोलोरेक्टल कैंसर और लिम्फोमा का खतरा बढ़ जाता है। यह ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को बढ़ाता है। खासकर प्रीमेनोपॉजल महिलाओं में तम्बाकू धूम्रपान से ब्रेस्ट कैंसर होने का खतरा ज्यादा होता है। धूम्रपान से महिलाओं की प्रजनन क्षमता भी कम होती है, जिससे गर्भधारण करना मुश्किल हो जाता है।

युवाओं में धूम्रपान की प्रवृत्ति चिंताजनक

युवाओं विशेष रूप से 25 वर्ष से कम आयु के लोगों में तम्बाकू के सेवन में चिंताजनक वृद्धि हुई है। यह आदत अक्सर दोस्तों के दबाव, सोशल मीडिया के प्रभाव और तनाव के कारण अपनाई जाती है, मनोरंजन और पॉप कल्चर में तम्बाकू का सेवन सामान्य हो गया है। दोस्तों का दबाव विशेष रूप से तम्बाकू के सेवन को उकसाता है। क्योंकि युवा लोग अपने साथियों के साथ घुलना मिलना चाहते हैं जिससे वे फ्रेंड सर्कल में फिट होने के तरीके के रूप में धूम्रपान करना शुरू करते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में धूम्रपान करने वाली महिलाएं अधिक

पारस हेल्थ के ग्रुप चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर डा. सैंटी साजन बताते हैं कि भारत में महिलाओं में तम्बाकू के उपयोग की बढ़ती प्रवृत्ति खास करके ग्रामीण और शहरी महिलाओं की आबादी के बीच असमानता काफी गंभीर चिंता का विषय है। ग्रामीण क्षेत्रों में 17.8 प्रतिशत महिलाओं ने वर्तमान में तम्बाकू के सेवन करने की बात कही है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 11.09 प्रतिशत है। इसका अर्थ है कि ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 60 प्रतिशत तम्बाकू का सेवन ज्यादा महिलाएं करती है। ऐसे कई अध्ययन हैं जिन्होंने महिलाओं में मुंह के कैंसर का जिम्मेदार बिना धूम्रपान वाले तम्बाकू के सेवन को ठहराया है। तम्बाकू उत्पादों को खरीदने पर अतिरिक्त खर्च के कारण परिवारों में आर्थिक बोझ ज्यादा पड़ता है। नीति निर्माताओं, सरकारी एजेंसियों, सरकारी और प्राइवेट हेल्थकेयर संस्थानों को युवा पीढ़ी को ज्यादा मजबूत संदेशों और संचार के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने के अपने प्रयासों को बढ़ाना चाहिए।

करंट से अंधा हुआ बंदर फिर से देख सकेगा

● लुवास पशु वैज्ञानिकों ने किया बंदर के मोतियाबिंद का ऑपरेशन

पायनियर समाचार सेवा। हिसार

सर्जरी करने वाली टीम के साथ बंदर तथा पशु प्रेमी।

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा महाविद्यालय के पशु शल्य चिकित्सा एवं रेडियोलॉजी विभाग की पशु नेत्र चिकित्सा इकाई में अंधे बंदर का मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन किया गया। हरियाणा में बंदर के मोतियाबिंद की पहली सर्जरी है।

विभागाध्यक्ष डॉ. आरएन चौधरी ने गुरुवार को बताया कि लुवास कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए टीम ने यह सफलता पाई। उन्होंने बताया कि इस बंदर को करंट लग गया था और मुनीष नामक व्यक्ति ने इसे बचाया था। शुरू में उसके शरीर पर जलने के कई घाव थे। कई दिनों के सेवा व उपचार के बाद जब बंदर चलने लगा तो उन्होंने पाया कि बंदर अंधा है। इसके बाद बंदर को उपचार के लिए लुवास के सर्जरी विभाग में लाया गया। जांच के उपरांत डॉ. प्रियंका दुग्गल ने पाया कि बंदर के दोनों आंखों में सफेद मोतिया हो गया है। एक आंख में विट्रस भी क्षतिग्रस्त हो चुका था। ऐसे में दूसरे आंख की सर्जरी की गई और सर्जरी के पश्चात बंदर देखने लगा। बंदर की लौटी रोशनी देखकर पशु प्रेमियों ने सर्जरी टीम का धन्यवाद किया। डॉ. प्रियंका व उनकी टीम भी सर्जरी की सफलता से काफी उत्साहित है। कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा, डीन डॉ. गुलशन नारंग व अनुसंधान निदेशक डॉ. नरेश जिंदल ने सर्जरी के लिए टीम सर्जरी को बधाई दी।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 31 मई, 2024

पंजाब व चंडीगढ़ में चुनाव प्रचार थमा

सभी दलों ने झोंकी ताकत, एक जून को होगा राज्य की 13 व चंडीगढ़ की एक सीट पर मतदान

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

पंजाब व चंडीगढ़ में चुनाव प्रचार गुरुवार की शाम बंद हो गया। पंजाब में इस बार कुल 328 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इनमें से 169 निर्दलीय हैं। राज्य की 13 लोकसभा सीटों में से लुधियाना में सबसे अधिक 43 और सबसे कम 14 प्रत्याशी फतेहगढ़ साहिब लोकसभा हलके से मैदान में हैं। अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने होशियारपुर में रैली को संबोधित किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी शहीद भगत सिंह जिला में रैली को संबोधित किया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अमृतसर तथा फरीदकोट में चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आनंदपुर साहिब व लुधियाना में प्रचार किया। शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने मानसा में चुनावी जनसभा की। चंडीगढ़ में भी आज शाम चुनाव प्रचार बंद हो गया। चंडीगढ़ सीट पर कुल 19 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। मुख्य मुकाबला कांग्रेस तथा भाजपा के बीच है।

भाजपा ने किसानों व जवानों को मजदूर बनायाः राहुल

चंडीगढ़। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को तीन कृषि कानूनों के मुद्दे पर कटघरे में खड़ा करते हुए कहा है कि भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान तीन कृषि कानून लाकर किसानों को मजदूर बनाने का प्रयास किया है लेकिन पंजाब के बहादुर किसानों ने भाजपा को मजबूर सरकार बना दिया। राहुल गांधी गुरुवार को चुनाव प्रचार के अंतिम दिन पंजाब के खटकड़ कलां में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अब अग्निवीर योजना लाकर इन्होंने जवानों को मजदूर बना दिया है। तीन साल तक काम करवाएंगे फिर जूता मार भगा देंगे।

राहुल ने कहा कि भाजपा आरक्षण की बात कर रही है। देश में 50 प्रतिशत पिछड़े वर्ग के लोग हैं, 15 प्रतिशत दलित, 8 प्रतिशत आदिवासी, 15 प्रतिशत अल्पसंख्यक, 5 प्रतिशत गरीब सामान्य श्रेणी के लोग हैं। भाजपा बोल रही है कि आरक्षण को खत्म कर दिया जाएगा। कांग्रेस के घोषणा पत्र में साफ है कि आज जो 50 प्रतिशत की सीमा है उसे बढ़ाया जाएगा। सरकार आने पर देशभर में सर्वे करवाया जाएगा। जिससे पता चलेगा कि कितनी भागीदारी किसके पास है, वे हम जनता के सामने रख देंगे।

पंजाब सरकार का रिमोट दिल्लीवालों के पासः नड्डा

अमृतसर। भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा कहा है कि पंजाब में पहले कांग्रेस की सरकार दिल्ली दरबार में जाकर मत्था टेकती थी और अब की भगवंत मान सरकार दिल्ली के शीशमहल में जाकर मत्था टेकती है। महिलाओं के सम्मान का वादा करने वाली आम आदमी पार्टी के मुखिया के घर में ही एक महिला सांसद के साथ मारपीट हुई और अब पंजाब सरकार के मंत्री का अश्लील वीडियो भी वायरल हो रहा है। इस पर आप चुप क्यों हैं। नड्डा गुरुवार को चुनाव प्रचार के अंतिम दिन पंजाब के अमृतसर व फरीदकोट में चुनावी जनसभाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पंजाब की पहचान को समाप्त कर दिया है। ये कागजी शेर पंजाब को राज्य के भीतर से नहीं, बल्कि दिल्ली से चला रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल अफगानिस्तान से प्रताड़ित होकर भारत आए सिख भाइयों को बलात्कारी और चोर कहकर उनका अपमान करते हैं, लेकिन मोदी सरकार ने सीएए लागू कर सिख भाइयों को भारत की नागरिकता दी। नड्डा ने कहा कि तिरंगे के तीनों रंग पंजाब में देखने को मिलते हैं। पंजाब में शहादत का लहू दिखता है।

भाजपा ने बुलाई पदाधिकारियों की बैठक

चंडीगढ़। चुनाव परिणाम आने से पहले ही एक्शन मोड में आए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने भाजपा के जिला अध्यक्षों को चुनाव रिपोर्ट के साथ तलब कर लिया है। शुक्रवार को चंडीगढ़ में होने वाली इस बैठक को लेकर गुरुवार को प्रदेश के सभी जिला अध्यक्षों को चंडीगढ़ पहुंचने के निर्देश जारी किए गए हैं। इस बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी मौजूद रहेंगे। सरकार और संगठन के पास ऐसी सूचनाएं हैं कि लोकसभा चुनाव में पार्टी के कई जिलाध्यक्षों ने अपेक्षा के अनुरूप काम नहीं किया है। कुछ जिलाध्यक्ष ऐसे भी चिन्हित किए गए हैं, जो लोकसभा संयोजकों, विस्तारकों और पार्टी उम्मीदवारों से बिल्कुल विपरीत चले और उनका फोकस धन का अर्जन करने पर रहा।

स्वतंत्रता आन्दोलन में हिन्दी पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका रहीः डॉ परमेश

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के शिक्षक नेता डॉ परमेश, प्राणी विभाग के प्रोफेसर डॉ आबिद अली, असिस्टेंट प्रोफेसर, जन संचार विभाग ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर सभी मीडिया प्रतिनिधियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हैं। डॉ परमेश ने कहा कि हम सबको एक-एक पेड़ लगाना चाहिए ताकि हमें वसुंधरा शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान कर सके। डॉ परमेश ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

पीएम की रैली से पहले शरारती तत्वों ने छोड़ा नहर का पानी

- प्रशासन ने जेसीबी की मदद से पानी को हेलीपेड की तरफ आने से रोका, जांच के आदेश

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे के दौरान गुरूवार को शरारती तत्वों ने रैली स्थल से महज तीन किलोमीटर की दूरी से निकल रही नहर के गेट खोलकर पानी छोड़ दिया। जिस कारण आसपास के इलाकों में पानी जमा हो गया। पंजाब के पूर्व मंत्री तीक्ष्ण सूद की सूचना पर हरकत में आए प्रशासन ने हेलीपेड की तरफ जाने वाले रास्तों पर जेसीबी से गड्ढे करके पानी का बहाव मोड़ा। जिला उपायुक्त कोमल मित्तल ने घटना की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। गुरुवार को प्रधानमंत्री फिर से पंजाब दौरे पर थे। रैली स्थल से तीन किलोमीटर दूर बस्सी गुलाम हुसैन कंडी कनाल नहर निकलती है। नहर के नजदीक ही हेलीपैड बनाया गया था। प्रधानमंत्री के आने से पहले किसी ने नहर का फाटक खोल दिया। जिस कारण नहर का पानी तेजी से निकलने लगा और आसपास के इलाकों में घुस गया। अधिकारियों ने आनन-फानन में पानी रोकने व बहाव मोड़ने के लिए जेसीबी से गड्ढे खुदवाए। जिससे पानी हैलीपेड तक नहीं जा सका।

2022 में किसानों ने रोक दिया था मोदी का काफिला

इससे पहले पंजाब में 5 जनवरी 2022 को प्रधानमंत्री मोदी जब फिरोजपुर में रैली के लिए आ रहे थे, तब उनका काफिला फिरोजपुर के प्यारेआणा गांव तक पहुंचा तो उससे पहले ही किसानों ने सड़क जाम कर दी। 15 मिनट तक पीएम का काफिला इसी फ्लाईओवर पर रुका रहा।

भीषण गर्मी में बिजली विभाग पसीना-पसीना

- मांग में इजाफा, ओवरलोड हुए बिजली घर
- ओवरलोड ट्रांसफार्मर के चलते लगाए जा रहे हैं बिजली कट

दयाराम वशिष्ठ। फरीदाबाद

गत वर्ष की तुलना में इस बार बिजली की मांग में भारी इजाफा हुआ है। इस सप्ताह बिजली आपूर्ति का भी रिकार्ड टूटा है। ट्रांसफार्मर समेत सभी उपकरण ओवरलोड हैं। गुरुवार को बिजली की मांग 1400 मैगावाट तक पहुंच गई। गत वर्ष जून में सर्वाधिक 180 लाख यूनिट बिजली आपूर्ति की गई, जबकि इस बार यह आपूर्ति 254 लाख यूनिट से अधिक पहुंच गई।

प्रतिदिन 3 से 4 हजार आ रही हैं शिकायतें: बिजली की मांग को देखते हुए कंट्रोल रूम से फीडर बंद करके बिजली व्यवस्था संभाली जा रही है। बिजली लाइनों में चल रहे भारी लोड के चलते कभी कहीं बिजली की तारें टूट रही हैं तो कभी ट्रांसफार्मर जलने की शिकायतें आ रही हैं। पिछले दो दिनों में 200 केवीए के 15 से 20 ट्रांसफार्मर जल गए। कर्मचारी फाल्ट ठीक करने में जुटे रहे। बल्लभगढ़ डिवीजन के कार्यकारी अभियंता संजय मंगला फाल्ट आने की सूचना पर कर्मचारियों का हौंसला बढाने के लिए चिलचिलाती धूप में फील्ड में जा पहुंचे और कर्मचारियों की पीठ थपथपाई। इसी तरह तिलपत सब डिवीजन इलाके में कहीं ट्रांसफार्मर केबल जली तो कहीं पर थिम्बल जल गए। यहां एसडीओ जवाहर सिंह की मौजूदगी में स्टाफ ने तुरंत फाल्ट दूर कर बिजली आपूर्ति बहाल कराई। उन्होंने कर्मचारियों का हौंसला अफजाई करते हुए सहायक लाइनमैन दीपक, सहायक लाइनमैन संजय कुमार, सहायक लाइनमैन सुन्दर सिंह, सहायक लाइनमैन कर्ष्णि कुमार को सराहनीय व बेहतरीन कार्य के लिये शाबाशी दी।

अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाए: डीएचबीवीएन के अधीक्षण अभियंता नरेश कक्कड़ ने बताया कि अधिक लोड के चलते 200 केवीए के ट्रांसफार्मर जलने की अधिक शिकायतें आ रही हैं। इस सप्ताह में 10 से 15 ट्रांसफार्मर जल गए, जिन्हें तुरंत बदलवाकर बिजली आपूर्ति बहाल की गई। इसके अलावा 10 अतिरिक्त ट्रांसफार्मर भी लगवाए गए हैं, ताकि उपभोक्ताओं को किसी तरह की कोई परेशानी न हो।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Rashi Sharma D/o Sh. Navneet Sharma & Smt. Preeti Sharma R/o 3897/13, Kanhiya Nagar, Tri Nagar, Delhi-110035, hereby delcare that Muskan and Rashi Sharma is one and the same person.

PD(466)C

PUBLIC NOTICE

To be Known to all that my client **SUSHILA D/W/O SH. MOHAN LAL R/o SFS FLAT NO.44-B, CAT 0II, FIRST FLOOR, MOTIA KHAN, NEW DELHI.** the **Original 5TH and Final Demand Letter/Allotment Cum Demand Letter, NOC of Water and Electricity, Handing Possession and Site Possession** of the said premises has been Lost/misplaced. An F.I.R to this effect has been lodged in the Police Station, Crime Branch Delhi Vide FIR/LR NO. 1773288/2024, Dated 29/05/2024. Any person(s) found in possession of original documents, **FILE NO.F63(55)82/SFS/MK/II,** may please contact at above address/ Mobile No. 9958365142 within 15 days from the date of publication of this notice. The person(s) claiming any right/interest can personally inform or write to **Dy. Director, SFS Housing Vikas Sadan, INA New Delhi-110023.**

LOST & FOUND

"Lost original documents like 5th & final demand letter No.F6(22)794/80SFSI dt. 11-03-1983, Possession Letter bearing No.F6(22)794/80/SFS-IIdt. 04-05-1983, NOC to obtain electric & water connection, Offer of possession and other documents issued by DDA of Flat No.28, Sidhartha Enclave, New Delhi-110014. If found, please return to Mr. Manish Jain (9818226232) at the above address"

जय श्री टी एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
टी-2363, फैज रोड प्रथम तल, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005

सूचना

मैसर्स जय श्री टी एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड, (पीएफ कोड संख्या डीएल/2819) के भूतपूर्व कर्मचारियों तथा बिरला इंडस्ट्रीज प्रोविडेंट फंड (बीआईपीएफ), 15, इंडिया एक्सचेंज प्लेस, कोलकाता-700001 के भविष्य निधि सदस्यों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिन्होंने अपनी नौकरी छोड़ने के पश्चात लंबे समय से अपनी भविष्य निधि संचय को नहीं निकाला है तथा जिसका निपटान अभी तक नहीं हुआ है। तदनुसार, उत्तफ कर्मचारियों से अनुरोध है कि वे अपने भविष्य निधि बकाया के निपटान के लिए अपने दावे को प्राथमिकता देने हेतु उचित पहचान प्रमाण (वोटर आईडी/पैन/ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट/आधार) तथा कंपनी से संबंधित कोई भी दस्तावेज जैसे नियुक्ति पत्र, वेतन पर्ची आदि तथा आईएफएस कोड सहित बैंक पास बुक/रद्द चेक के साथ प्रतिष्ठान के श्री शैलेंद्र तनेजा (मोबाइल 9797727212) से संपर्क करें। जिन सदस्यों का ई-केवाईसी उनके नियोक्ता द्वारा अनुमोदित हो चुका है, वे ऑनलाइन माध्यम से भविष्य निधि बकाया के पूर्ण और अंतिम निपटान के लिए आवेदन कर सकते हैं।

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **यशवीर सिंह और उपासना गौतम** को 28.11.2023 की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. HHLNOI00176690 की राशि **रू.11,06,741.93 /- (रुपए ग्यारह लाख छ हजार सात सौ इकतालीस और तिरानवे पैसे मात्र)** और 24.11.2023 के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप धारा (4) के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके 29.05.2024 को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतत्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.11,06,741.93 /- (रुपए ग्यारह लाख छ हजार सात सौ इकतालीस और तिरानवे पैसे मात्र)** 24.11.2023 के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

अपार्टमेंट नं.06, जिसका सुपर एरिया 686.41 स्के.फीट, बारहवीं मंजिल पर, टावर S3B, अंसल सुशांत एक्वापोलिस से पहचाने जानेवाले प्रोजेक्ट में, गाँव डूंडाहेड़ा, गाज़ियाबाद-201010, उत्तर प्रदेश

दिनांक:29.05.2024 सही/-
स्थान : गाज़ियाबाद प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **नीतू और कपिल देव जीनवाल** को 26.10.2021 की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. HHLNOD00472795 की राशि **रू.31,36,832.47 /- (रुपए इकतीस लाख छत्तीस हजार आठ सौ बत्तीस और सैंतालीस पैसे मात्र)** और 29.09.2021 के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप धारा (4) के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके 29.05.2024 को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतत्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.31,36,832.47 /- (रुपए इकतीस लाख छत्तीस हजार आठ सौ बत्तीस और सैंतालीस पैसे मात्र)** 29.09.2021 के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

फ्लैट नं.जी-1, (सामने बाईं ओर) तल मंजिल, प्लॉट नं.48, न्याय खंड -I, इंदिरापुरम, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश-200111

दिनांक:29.05.2024 सही/-
स्थान : गाज़ियाबाद प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **सिद्धार्थ सिंह और रितु नागर** को 17.09.2021 की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. HHLNOD00308844 की राशि **रू.4,86,194.98/- (रुपए चार लाख छियासी हजार एक सौ चौरानवे और अट्ठानवे पैसे मात्र)** और 28.06.2021 के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप धारा (4) के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके 29.05.2024 को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतत्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.4,86,194.98/- (रुपए चार लाख छियासी हजार एक सौ चौरानवे और अट्ठानवे पैसे मात्र)** 28.06.2021 के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

फ्लैट नं.बी1-804, आठवीं मंजिल, टॉवर -ई, क्लासिक रेसिडेन्सी, नूर नगर राज नगर एक्सटेंशन, एनएच-58, परगना, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश-201010।

दिनांक:29.05.2024 सही/-
स्थान : गाज़ियाबाद प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **सिद्धार्थ सिंह और रितु नागर** को 01.12.2021 की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. HHLNOD00239537 की राशि **रू.22,76,319.37 /- (रुपए बाईस लाख छिहत्तर हजार तीन सौ उन्नीस और सैंतीस पैसे मात्र)** और 27.11.2021 के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप धारा (4) के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके 29.05.2024 को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतत्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.22,76,319.37 /- (रुपए बाईस लाख छिहत्तर हजार तीन सौ उन्नीस और सैंतीस पैसे मात्र)** 27.11.2021 के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

फ्लैट नं.बी1/804, आठवीं मंजिल, ब्लॉक /टॉवर नं.-ई, जिसका सुपर एरिया मापित 920 स्के.फीट, क्लासिक रेसिडेन्सी से पहचाने जाने वाले प्रोजेक्ट में, गाँव नूर नगर में स्थित, परगना लोनी, एनएच-58, राज नगर एक्सटेंशन, गाज़ियाबाद-201002, उत्तर प्रदेश

दिनांक:29.05.2024 सही/-
स्थान : गाज़ियाबाद प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **पार्क एडोर थ्रु इट्स पार्टनर्स, राम मोहन पार्टनर पार्क एडोर और उमा मोहन** को 13.02.2020 की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. HHENOI00297175 की राशि **रू.39,34,145 /- (रुपए उनतालीस लाख चौंतीस हजार एक सौ पैंतालीस मात्र)** और 13.02.2020 के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप धारा (4) के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके 29.05.2024 को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतत्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.39,34,145 /- (रुपए उनतालीस लाख चौंतीस हजार एक सौ पैंतालीस मात्र)** 13.02.2020 के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

फ्लैट नं.57, जिसका प्लिन्थ एरिया 1586 स्के.फीट, दुसरी मंजिल पर, टाइप-IV, कार गैराज और सर्वेंट क्वार्टर के साथ, सेक्टर 28 में स्थित, न्यु ओखला इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एरिया (नोएडा), जिला गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश और जो निम्ननुंसार परिबद्ध है:
उत्तर-पूर्व: खुला **दक्षिण-पूर्व: खुला**
उत्तर-पश्चिम: सीढ़ी **दक्षिण-पश्चिम: खुला**

दिनांक:29.05.2024 सही/-
स्थान : नोएडा प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **पार्क एडोर थ्रु इट्स पार्टनर्स, राम मोहन पार्टनर पार्क एडोर और उमा मोहन** को 13.02.2020 की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. HHLNOI00290844 की राशि **रू.62,92,263 /- (रुपए बासठ लाख बानवे हजार दो सौ तिरेसठ मात्र)** और 13.02.2020 के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।
धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप धारा (4) के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके 29.05.2024 को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।
विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतत्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.62,92,263 /- (रुपए बासठ लाख बानवे हजार दो सौ तिरेसठ मात्र)** 13.02.2020 के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।
उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

फ्लैट नं.57, जिसका प्लिन्थ एरिया 1586 स्के.फीट, दुसरी मंजिल पर, टाइप-IV, कार गैराज और सर्वेंट क्वार्टर के साथ, सेक्टर 28 में स्थित, न्यु ओखला इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एरिया (नोएडा), जिला गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश और जो निम्ननुंसार परिबद्ध है:
उत्तर-पूर्व: खुला **दक्षिण-पूर्व: खुला**
उत्तर-पश्चिम: सीढ़ी **दक्षिण-पश्चिम: खुला**

दिनांक:29.05.2024 सही/-
स्थान : नोएडा प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

हिंदुस्तान ऑटो फाइनेंस लिमिटेड

सीआईएन:L65910DL1980PLC010617
ई-मेल: hindaf1980@gmail.com, वेबसाइट: www.hindaf.in
रजि. कार्या. केबिन नंबर डीए-8, 02वीं मंजिल, विकास मार्ग, शकरपुर, नई दिल्ली-110092

दिनांक 31.03.2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष हेतु लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के विवरण का सारांश

(लाख रूपये में)

SL. No.	Particulars	तिमाही समाप्ति 31.03.2024	वर्ष समाप्ति 31.03.2024	तिमाही समाप्ति 31.03.2023
		लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
1	संचालनों से कुल आय	3.41	13.63	-0.57
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पूर्व, आपवादिक और/या असाधारण मदे)	1.94	0.82	-11.60
3	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या असाधारण मद पश्चात्)	1.94	0.82	-11.60
4	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या असाधारण मद पश्चात्)	1.94	0.82	-11.60
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात्) और अन्य कुल व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल]	1.94	0.82	-11.60
6	इक्विटी शेयर पूंजी	35.03	35.03	35.03
7	रिजर्व (पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर) जैसा कि पूर्व वर्ष लेखापरीक्षित तुलन पत्र में दर्शाया है	-	-106.12	-
8	प्रति शेयर आय (प्रत्येक 10/- रुपये का) (जारी और बंद परिचालन हेतु)			
	1. मूलभूत	0.06	0.02	-0.33
	2. तरलीकृत	0.06	0.02	-0.33

टिप्पणियाँ:

(1) 31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए उपरोक्त लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों की लेखापरीक्षा समिति द्वारा समीक्षा की गई और उसके बाद 30 मई, 2024 को आयोजित निदेशक मंडल की बैठक में उन्हें अनुमोदित किया गया और रिकॉर्ड में लिया गया। कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षकों ने उपरोक्त वित्तीय परिणामों की लेखापरीक्षा की है और उन्होंने एक अयोग्य रिपोर्ट जारी की है।

(2) इंडस-108 ''ऑपरेटिंग सेगमेंट'' में दिए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों के आधार पर, कंपनी की व्यावसायिक गतिविधि एक एकल ऑपरेटिंग सेगमेंट के अंतर्गत आती है।

(3) उपरोक्त 31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और वित्तीय वर्ष के लिए विस्तृत तिमाही वित्तीय परिणामों का सारांश है, जो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंज में दाखिल किया गया है। 31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और वित्तीय वर्ष के पूर्ण वित्तीय परिणाम कंपनी की वेबसाइट www.hindaf.in और मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट (www.msei.in) पर उपलब्ध हैं।

कृते मैसर्स हिंदुस्तान ऑटो फाइनेंस लिमिटेड
हस्ता/-
सुभाष सपरा
प्रबंध निदेशक
डीआईएन: 00241940

दिनांक: 30.05.2024
स्थान: नई दिल्ली

एलिन इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड

कॉर्पोरेट एवं पंजीकृत कार्यालयः 4771, भरत राम रोड, 23, दरियागंज, नई दिल्ली – 110 002, भारत
कॉर्पोरेट पहचान संख्या (सीआईएन): L29304DL1982PLC428372
दूरभाषः 011-43000400 | ई-मेलः cs@elinindia.com | वेबसाइटः www.elinindia.com

31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही एवं वर्ष हेतु अंकेक्षित (एकल एवं समेकित) वित्तीय परिणामों का उद्धरण

(₹ मिलियन में, यदि अन्यथा दर्शित न हो)

क्र. सं.	विवरण	एकल					समेकित				
		31-03-2024	31-12-2023	31-03-2023	31-03-2024	31-03-2023	31-03-2024	31-12-2023	31-03-2023	31-03-2024	31-03-2023
		को समाप्त तिमाही			को समाप्त वर्ष		को समाप्त तिमाही			को समाप्त वर्ष	
		अंकेक्षित	अनअंकेक्षित	अंकेक्षित	अंकेक्षित	अंकेक्षित	अंकेक्षित	अनअंकेक्षित	अंकेक्षित	अंकेक्षित	अंकेक्षित
1.	संचालनों से कुल आय	2,181.12	1,909.31	2,077.96	8,352.00	8,670.64	2,778.31	2,367.13	2,687.23	10,417.17	10,754.28
2.	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, विशिष्ट एवं/अथवा असाधारण मदों तथा सहयोगियों के लाभ/(हानि) के भाग के पूर्व)	37.46	37.30	2.94	181.92	276.84	51.07	37.77	22.72	196.83	357.03
3.	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (विशिष्ट एवं/अथवा असाधारण मदों तथा सहयोगियों के लाभ/(हानि) के भाग के पश्चात्)	37.46	37.30	2.94	181.92	276.84	51.07	37.77	22.72	196.83	357.03
4.	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (विशिष्ट एवं/अथवा असाधारण मदों तथा सहयोगियों के लाभ/(हानि) के भाग के पश्चात्)	25.25	26.70	3.77	127.39	211.55	35.40	26.44	16.01	138.74	268.03
5.	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [(अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात्) एवं अन्य कुल व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल कर के)]	24.10	26.49	3.85	130.59	219.03	35.07	27.41	14.52	147.94	274.98
6.	प्रदत्त समता अंश पूँजी	248.30	248.30	248.30	248.30	248.30	239.63	239.63	239.63	239.63	239.63
7.	संचित (पुनः मूल्यांकन संचित के अतिरिक्त)	-	-	-	4,052.14	3,971.21	-	-	-	4,791.36	4,691.35
8.	प्रति अंश आय (₹ 5/– प्रत्येक) (वार्षिकृत नहीं)										
	मूलभूत (₹ में)	0.51	0.54	0.08	2.57	4.77	0.74	0.55	0.38	2.90	6.29
	तरल (₹ में)	0.51	0.54	0.08	2.57	4.77	0.74	0.55	0.38	2.90	6.29

टिप्पणी:

1. उपरोक्त सेबी (सूचीबद्धता (लिस्टिंग) बाध्यताएँ एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 के विनियम 33 के अन्तर्गत स्टॉक एक्सचेंजों के पास दाखिल किए गए तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का उद्धरण है। 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही एवं वर्ष हेतु वित्तीय परिणामों का संपूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंजों की वेबसाइटों (www.bseindia.com / www.nseindia.com) तथा कम्पनी की वेबसाइट (www.elinindia.com) पर उपलब्ध हैं।

कृते **एलिन इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड**
हस्ता/–
कमल सेठिया
प्रबंध निदेशक
डीआइएनः **00081116**

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : **30 मई, 2024**

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 31 मई, 2024

इज़राइल-फिलिस्तीन युद्ध

गंभीर संकट

इज़राइल-फिलिस्तीन युद्ध बहुत लंबा खिंचता जा रहा है जिसके भयानक मानवीय रूप से त्रासद परिणाम सामने आए हैं। उर्दू में 'राफ़ा' का अर्थ बेहतरी या समृद्धि है, पर इस शहर में बच्चों समेत कम से कम 45 लोगों की मौत हुई। ये एक शरणार्थी शिविर में थे जो गाजा में इज़राइली हवाई हमले का शिकार बन गया। स्वाभाविक रूप से इस कृत्य की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निन्दा हुई तथा इज़राइल फिलिस्तीन से युद्ध के मामले पर और अलग-थलग पड़ गया। कुछ ही दिन पहले अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने 'यहूदी राष्ट्र' को राफा में कार्रवाई बंद करने का आदेश दिया था। हालांकि, संयुक्त राष्ट्रसंघ की सर्वोच्च अदालत ने पिछले सप्ताह ही इज़राइली बलों को कार्रवाई बंद करने का आदेश दिया था, लेकिन उनके सीमावर्ती शहर पर हमले जारी रहे जो लंबे समय से देश में अंतिम शरणस्थली बना हुआ है। इस बीच इज़राइली हमलों के कारण फिलिस्तीनियों के प्रति बढ़ती एकजुटता का नतीजा 'आल आईज़ आन राफ़ा' नारे पर केन्द्रित हैं जो सोशल मीडिया में बहुत लोकप्रिय हो गया है। यह गाजा शहर में लगातार जारी नरसंहार की ओर संकेत करता है और बहुत से लोगों ने हैशटैग आल आईज़ आन राफा पर शोक संदेश भेजे हैं। इस नारे के प्रयोग से वर्तमान युद्ध के प्रति जागरूकता पैदा करने में सहायता मिली है। इस महीने के प्रारम्भ में सीमा पार गाजा में इज़राइल द्वारा सैनिक कार्रवाई तेज करने तथा क्रासिंग पर कब्जे के पहले राफा गाजा में मानवीय सहायता भेजने का प्रमुख बंदरगाह था। राफा में लड़ाई के कारण एक मिलियन से अधिक फिलिस्तीनी विस्थापित हुए हैं। इनमें से बहुसंख्य पहले ही इज़राइल और हमास के बीच संघर्ष के कारण विस्थापित हो चुके हैं। इस बीच व्हाइट हाउस के अनुसार, संभवतः अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन

इज़राइल के प्रति अपना दृष्टिकोण नहीं बदल रहे हैं क्योंकि इस घटना ने अभी वह 'लाल रेखा पार नहीं की है' जिससे अमेरिकी समर्थन में परिवर्तन पर विचार किया जा सके।

ऐसा इस तथ्य के बावजूद है कि पिछले साल 7 अक्टूबर को युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार इज़राइली टैंक मध्य राफा में पहुंचे हैं। इज़राइल को वैश्विक स्तर पर एक और धक्का लगा है जो संभवतः गाजा पट्टी में रक्तपात समाप्त करने का व्यापक संकेत है। हालांकि, किसी को केवल हमास आतंकियों के मारे जाने पर चिन्ता नहीं थी, पर अब स्पेन, नार्वे और आयरलैंड ने फिलिस्तीन की स्वतंत्रता को मान्यता दे दी है। इन तीन देशों ने किसी राज्य का अस्तित्व स्वीकार करने के बजाय केवल उसकी संभावना स्वीकारी है। इस परिवर्तन के परिणामस्वरूप फिलिस्तीनी अथारिटी तथा तीन देशों के बीच निकट राजनयिक संबंध स्थापित हो जाएंगे। सब ने घोषणा की है कि वे फिलिस्तीन को 1967-पूर्व की सीमाओं के आधार पर स्वीकार करते हैं जिसकी राजधानी पूर्वी येरूशलेम है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 193 सदस्यों में से 143 ने फिलिस्तीन को मान्यता दे दी है। नवीनतम स्वीकृति इस बात का प्रमाण है कि इस अवधारणा का आर्थिक व राजनयिक रूप से शक्तिशाली पश्चिमी देशों में समर्थन शायद बढ़ रहा है। इज़राइल ने पहले ही पश्चिमी किनारे पर कब्जा कर लिया है तथा गाजा पट्टी उसके घेरे में है। इज़राइल वहां एक युद्ध लड़ रहा है जिसमें 36,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। ऐसे में ऐतिहासिक रूप से प्राचीन फिलिस्तीन का कुछ बचा नहीं है। हालांकि, इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू को इस बात का श्रेय दिया जाना चाहिए कि उन्होंने राफा में मौतों को एक 'त्रासद भूल' कहा है।

आध्यात्मिक संस्थानों पर निशाना

पश्चिम बंगाल में आजकल आध्यात्मिक संस्थान तृणमूल कांग्रेस के निशाने पर हैं। रामकृष्ण मिशन पर हमलों ने राज्य के राजनीतिक परिदृश्य और उसके धार्मिक सद्भावना पर पड़ने वाले प्रभावों पर चिन्ता पैदा कर दी है।

प्रफुल्ल गोराडिया
(लेखक, पूर्व राज्यसभा सदस्य हैं)

पश्चिम बंगाल में आजकल आध्यात्मिक संस्थान तृणमूल कांग्रेस के निशाने पर हैं। रामकृष्ण मिशन पर हमलों ने राज्य के राजनीतिक परिदृश्य और उसके धार्मिक सद्भावना पर पड़ने वाले प्रभावों पर चिन्ता पैदा कर दी है। पश्चिम बंगाल आजकल फिर गलत खबरों के कारण सुर्खियों में है। जलपाईगुड़ी में सम्मानित रामकृष्ण मिशन के परिसरों पर हमले हुए और राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस-टीएससी के गुंडों ने वहां तोड़फोड़ की। दुःख की बात है कि यह पश्चिम बंगाल में धार्मिक या आध्यात्मिक केन्द्रों पर हुआ एकमात्र हमला नहीं है। राज्य में 'इस्कान' मंदिर परिसरों पर भी टीएमसी के गुंडों ने हमले किए हैं। इसका कारण राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा संगठन के भिक्षुओं पर यह संदेह प्रकट करना है कि वे भाजपा के हमदर्द हैं। धार्मिक व आध्यात्मिक संस्थानों पर हमले के इसी क्रम में भारत सेवाश्रम संघ-बीएसएस के मुर्शिदाबाद जिले में स्थित बेलडांगा परिसर पर हमला हुआ और उसे सत्तारूढ़ पार्टी के आक्रामक तत्वों का शिकार होना पड़ा। भारत सेवा समिति-बीएसएस क भिक्षु कार्तिक महाराज पर ममता बनर्जी ने यह आरोप लगा कर अपना गुस्सा उतारा ाा कि वे मतदाताओं को भाजपा के पक्ष में प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। ममता बनर्जी का विश्वास है कि इस्कान भी ऐसी ही भूमिका निभा रहा है। इस परिघटना ने राज्य में अनावश्यक एवं अतार्किक रूप से सम्मानित धार्मिक व आध्यात्कि संस्थानों की छवि खराब करने का प्रयास किया है जिसका प्रभाव राज्य में धार्मिक सद्भावना पर पड़ सकता है।

रामकृष्ण मिशन-आरकेएम का मुख्यालय कोलकाता के बेलूर मठ में है। इस संगठन की स्थापना महान आध्यात्मिक गुरु स्वामी रामकृष्ण परमहंस ने 1897 में की थी। इसे और अधिक लोकप्रिय बनाने में रामकृष्ण परमहंस के सर्वाधिक सम्मानित शिष्य स्वामी विवेकानंद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। स्वामी विवेकानंद वास्तव में आधुनिक हिंदूवाद के वैश्विक प्रतीक थे जिन्होंने सनातन धर्म का ध्वज पश्चिमी देशों में फहरा दिया था। स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में 1893 में आयोजित विश्व धर्म संसद में अपने ओजस्वी भाषण से अपनी वैश्विक आधात्मिक विजय का श्रीगणेश किया था। हालांकि, 'इंटरनेशनल सोसाइटी फार कृष्णा कांशसनेस'-इस्कान की स्थापना न्यूयार्क में हुई थी, पर उसके संस्थापक भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद य श्रीला प्रभुपाद का जन्म कोलकाता में हुआ था। वे 69 वर्ष की आयु में अमेरिका गए थे। उनका उद्देश्य अमेरिका समेत सारी दुनिया में भगवान कृष्ण का संदेश फैलाना था। रामकृष्ण मिशन व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित इस्कान जैसे सम्मानित संस्थानों पर हमला कर उनमें तोड़फोड़ करने के बारे में सोचा नहीं जा सकता और यह कृत्य अक्षम्य अपराध है।

उल्लेखनीय है कि इस्कान के दुनिया भर में 160 से अधिक मंदिर हैं और इनकी स्थापना उन देशों के नागरिकों ने की है जिनमें हिंदू प्रमुख हैं। पश्चिम बंगाल में इन सम्मानित धार्मिक व आध्यात्मिक केन्द्रों पर हुए हमलों के बारे में संदेह है कि शायद इनको उकसाने वाले हिंदू धर्म के बजाय अन्य धर्मों के अनुयाई हैं। इस प्रकार विधर्मियों द्वारा हिंदू मंदिरों व आध्यात्मिक स्थलों पर हमले से यह संदेश जाता है कि हालिया घटनायें हिंदुओं के खिलाफ गुंडागर्दी हैं। इस प्रकार हिंदुओं और उनके धर्मस्थलों पर भारत में होने वाले हमले धार्मिक रूप से आत्मघाती सिद्ध हो सकते हैं। सत्तारूढ़ दल द्वारा प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इनको उकसाना धार्मिक सद्भाव के लिए भी खतरनाक है। ये हमले दो कारणों से खासकर दुर्भाग्यपूर्ण हैं। रामकृष्ण मिशन विश्वविख्यात संस्था है क्योंकि स्वामी विवेकानंद ने अपने दम पर दुनिया को हिंदूवाद की शिक्षा दी थी। इस्कान ने अनेक देशों में हिंदू मंदिरो की स्थापना को संभव बनाया है। अपने शानदार मंदिरों के माध्यम से यह संगठन 'हरे रामा, हरे कृष्णा' की पूजा तथा हिंदू जीवनशैली का प्रचार कर रहा है।

यह तथ्य भी महत्वपूर्ण है कि शताब्दियों तक दमन के बाद कुछ ही सालों से हिंदू भारत की छवि चमकने लगी है। लेकिन अब हमारे सामने पश्चिम बंगाल के सभी स्थानों से अपने मंदिरों और आश्रमों पर गुंडों और अपराधियों द्वारा हमलों की घटनायें सामने आ रही हैं। केवल लगभग एक शताब्दी पहले कांग्रेस नेता गोपाल कृष्ण गोखले ने कहा था, 'बंगाल आज जो सोचता है, भारत कल सोचेगा।' इससे स्पष्ट होता है कि बंगाल प्रांत की भूमिका नेतृत्वकारी थी। वर्तमान घटनाओं से यह सवाल उठता है कि क्या बंगाल के नेताओं को ऐसे काम करने चाहिए जिनका उद्देश्य चार या पांच निर्वाचन क्षेत्रों में सीटें जीतना हो? वर्तमान प्रकरणों को देखते हुए हमें 'रिनॉसां' या पुनर्जागरण काल को देखना चाहिए जिसका नेतृत्व समग्र रूप से बंगाल ने किया था। लेकिन इसके साथ ही हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि चैतन्य महाप्रभु ने क्या किया था जिनको बहुत से लोग भगवान कृष्ण का अवतार मानते हैं। चैतन्य महाप्रभु ने बंगाल के कम से कम एक हिस्से को 'भारत' के लिए सुरक्षित रखा था। यदि ऐसा न होता ता इस पूरे प्रांत पर पाकिस्तान का कब्जा हो जाता और यह बरबाद हो जाता। उन्होंने गरीब बंगालियों के इस्लाम में धर्मांतरण का विरोध कर उनको बचाया और आज भी वे भगवान कृष्ण की पूजा करते हैं। रामकृष्ण परमहंस भी बंगाल को ईश्वरीय उपहार की तरह थे और वे स्वयं ईश्वरीय प्रतिभा की झलक देते थे। देश को बंगाल के योगदान के बारे में बहुत कुछ कहा जा सकता है। आधुनिक भारत के महानतम कवि गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर भी देश और दुनिया को बंगाल का उपहार थे। उनके द्वारा रचित गीत आज हमारा राष्ट्रगीत है।

इसी प्रकार हम बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय और उनके आत्मा को झंकृत करने वाले गीत 'वंदे मातरम' को नहीं भुला सकते हैं। वंदे मातरम भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और भारत का राष्ट्रगान बन गया। वंदे मातरम ने असंख्य क्रांतिकारियों को औपनिवेशिक राज के खिलाफ सशस्त्र क्रांति के लिए प्रेरित किया। वंदे मातरम गाते हुए असंख्य वीर फांसी के फंदे पर चढ़ कर अनन्त आध्यात्मिक यात्रा के लिए निकल गए। इस प्रकार व्यापक रूप से देखें तो बंगाल समग्र रूप से उन्नीसवीं व बीसवीं शताब्दी में भारत के महान लोगों की 'इन्साइक्लोपीडिया' बन गया। यह परिभाषित करने के लिए एक पूरे ग्रंथ की आवश्यकता होगी कि बंगाल की यह प्रतिभा कैसे कमजोर होने लगी। कला, संस्कृति, साहित्य और उद्योग की ऊंचाइयां छूने वाला बंगाल धीरे-धीरे ऐसी स्थिति में पहुंच गया जिसे अब कोई पसंद नहीं करता है।

अंग्रेजी भाषा द्वारा दुनिया को दिए सर्वोत्तम लेखकों में से एक स्वर्गीय नीरद चौधरी को यह कह कर अपना गुस्सा अभिव्यक्त करना पड़ा था कि उनके लोग 'निरर्थकता का सबसे अच्छा पुलिंदा' हैं। हालांकि, यह टिप्पणी पूरी तरह गलत नहीं थी, पर बंगाल में पले-बढ़े व अच्छी बांग्ला बोलने वाले इस लेखक का विचार है कि उनको ज्यादा सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए था। वैसे तो बंगाली होने का अर्थ पूर्णतः स्पष्ट है, पर एक समान भाषा द्वारा पैदा एकता धार्मिक दबाव का सामना करने में सफल नहीं हो सकती है। दुनिया के अनेक हिस्सों से यह महत्वपूर्ण ऐतिहासिक अनुभव हमारे सामने आता है। दुःख की बात है कि उन्नीसवीं शताब्दी में भारत को पुनर्जागरण लाने वाली स्थिति एक त्रासद कथा में बदल गई। लेकिन इस तथ्य को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है कि बंगाल हमेशा 'राष्ट्रवाद' के पक्ष में रहा है। जब भी ऐसा लगा कि प्रांत के रूप में पश्चिम बंगाल पीछे जा रहा है, राष्ट्रवाद की भावना ने उसे फिर से उभारने तथा आगे बढ़ाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। वर्तमान राजनीतिक स्थितियों में जहां चुनावी लाभ सत्तारूढ़ दल के कुछ लोगों को महान धार्मिक व आध्यात्मिक स्थलों पर हमले के लिए उकसाता है, राष्ट्रवाद एक बार फिर हमारे सामने प्रकाश रेखा की तरह है। उम्मीद है कि हमेशा की तरह बंगाल फिर वर्तमान अंधकारमय स्थितियों से बाहर निकलने में सफल होगा।

नवाचार और बुद्धिमत्ता पर एआई का प्रभाव

> आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक सॉफ्टवेयर प्रोग्राम है जो किसी प्रश्न का उत्तर देने के लिए पूरी तरह से पहले से दिए गए कंप्यूटर डेटा पर निर्भर करता है।

एम जे वारसी
(लेखक, एक प्रोफेसर हैं)

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक एक्स-नोवो कंप्यूटर तकनीक है जो अनिवार्य रूप से मानव व्यवहार की नकल करने में सक्षम मशीनों को विकसित करने से संबंधित है। एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका एआई को एक कंप्यूटर या रोबोट की क्षमता के रूप में परिभाषित करती है जो आमतौर पर बुद्धिमान प्राणियों से जुड़े कार्यों जैसे धारणा, आलोचनात्मक सोच और निर्णय लेने को निष्पादित करती है। जहां तक मानव मस्तिष्क का संबंध है, सबसे पहले, यह सूचना को संसाधित करता है, विभिन्न कोणों से संसाधित सूचना का विश्लेषण करता है और अंत में एक तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचता है। इसके विपरीत, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक सॉफ्टवेयर प्रोग्राम है जो किसी प्रश्न का उत्तर देने के लिए पूरी तरह से पहले से दिए गए कंप्यूटर डेटा पर निर्भर करता है। पूरी प्रक्रिया में, कंप्यूटर सिस्टम मानव मस्तिष्क की तरह व्यवहार करता है। एआई आज के समय की मांग है और निश्चित रूप से, संचार, रक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कृषि में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता रखता है। वास्तव में, हाल ही में, जिस कार्य को मशीन के लिए भी करना असंभव माना जाता था, अब एआई एक वास्तविकता बन गया है। एआई ने कंप्यूटर को मानव मस्तिष्क की नकल करने के बहुत करीब ला दिया है, जिससे मनुष्य और मशीन के बीच का अंतर कम हो गया है। आज एआई ने शिक्षा, वित्त, रक्षा, कृषि और स्वास्थ्य सेवा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपना अनुप्रयोग पाया है। प्रमुख चिकित्सा अनुसंधान संस्थान घातक बीमारियों के प्रयोग, निदान, उपचार और निगरानी के लिए,द्ध का उपयोग करते हैं।,द्ध उच्च गुणवत्ता वाले ऊतक नमूना विश्लेषण की सुविधा प्रदान करता है जो सटीक रोगनिदान का मार्ग प्रशस्त करता है। आज के समय में दवा कंपनियां दवा की खोज और रासायनिक विश्लेषण के लिए एआई का उपयोग कर रही हैं। एआई की मदद से डॉक्टर और स्वास्थ्य सेवा पेशेवर कैंसर और स्ट्रोक जैसी गंभीर चिकित्सा स्थितियों का सटीक निदान कर सकते हैं। शिक्षा क्षेत्र में भी, एआई एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एआई अध्ययन सामग्री, छात्र मूल्यांकन, ग्रेडिंग और निगरानी विकसित करने के लिए एक अत्यंत उपयोगी उपकरण साबित हुआ है। इस प्रकार, शिक्षक अपना कीमती समय बचाते हैं जिसका उपयोग वे उत्पादक शैक्षणिक गतिविधियों में कर सकते हैं और साथ ही छात्रों के साथ सार्थक चर्चा कर सकते हैं। एआई संचालित वर्चुअल एजुकेटर रोबोट शिक्षण और सीखने के परिणामों में काफी सुधार करते हैं।

अब आइए एआई के कुछ आसन्न खतरों को देखें। एआई के लिए तस्वीर उतनी गुलाबी नहीं है जितनी दिखती है। मानव गतिविधि के लगभग हर क्षेत्र में,द्ध का व्यापक रूप से उपयोग गोपनीयता, डेटा सुरक्षा और पारदर्शिता से संबंधित कुछ गंभीर चिंताओं को जन्म देता है। मनोवैज्ञानिक कल्याण और सामाजिक मुद्दे हमारे तत्काल ध्यान के हकदार हैं। कंपनियाँ कार्यस्थल पर विशिष्ट कार्यों को करने के लिए धीरे-धीरे मनुष्यों की जगह एआई संचालित रोबोट ले रही हैं। इससे कर्मचारियों में चिंता पैदा होती है और उनके मानसिक और भावनात्मक कल्याण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कार्यस्थल पर मनुष्यों के लिए कंप्यूटर की तकनीकी निपुणता भी एक बड़ी चुनौती है। हाल ही में एआई संचालित डीपफेक वीडियो और ऑनलाइन बॉट्स खतरनाक गति से फैल रहे हैं।

डीपफेक वीडियो और ऑनलाइन बॉट्स मनगढ़ंत आम सहमति बनाने और जनता की राय में हेरफेर करने में सक्षम हैं। फर्जी खबरें जंगल की आग की तरह फैलती हैं, जिससे शांति भंग होती है और सामाजिक अशांति पैदा होती है।,द्ध का एक और नुकसान यह है कि यह असली और नकली के बीच अंतर करना बेहद मुश्किल बना देता है।,द्ध द्वारा प्रेरित मानवाधिकार उल्लंघन को जल्द से जल्द रोका जाना चाहिए।,द्ध संचालित बदलती प्रौद्योगिकी परिदृश्य ने डेटा सुरक्षा, गोपनीयता, सम्मान, रोजगार, समानता, राजनीतिक अधिकार और गोपनीयता को खतरे में डाल दिया है। विशेषज्ञों और समाजशास्त्रियों ने स्वास्थ्य सेवा, कानून, विपणन, लेखा, शिक्षा, प्रबंधन, प्रौद्योगिकी और कार्यस्थलों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एआई और मानव रोबोट पर अत्यधिक निर्भरता के हानिकारक प्रभावों के बारे में संदेह व्यक्त किया है। एआई की तकनीकी परिश्रम, अविश्वसनीय विश्लेषण शक्ति और दोहराए जाने वाले कार्यों को करने की क्षमता बड़ी छंटनी का कारण बन सकती है। नतीजतन, यह अनुपातहीन रूप से उच्च बेरोजगारी दर को जन्म देता है। कर्मचारियों और मजदूरों को भेदभाव और असमानताओं का सामना करना पड़ सकता है और उनकी पेशेवर और सामाजिक सुरक्षा दांव पर लग सकती है। एआई के दुरुपयोग को रोकने के लिए एक अच्छी तरह से परिभाषित और व्यापक तकनीकी-श्रम नीति समय की मांग है। एआई-संचालित परिदृश्य में श्रमिकों को जीवित रहने में मदद करने वाले कुछ उपाय उचित प्रशिक्षण के माध्यम से कर्मचारी कौशल का नियमित उन्नयन, तकनीकी कौशल को निखारना और सॉफ्ट स्किल विकसित करना हैं।

आइए इस तथ्य को नज़रअंदाज़ न करें कि एआई पूरी तरह से मानवीय स्वभाव, समझ और रचनात्मकता से रहित है। मानव मस्तिष्क में अनंत रचनात्मक शक्ति और उच्च क्रम की सोच कौशल का आशीर्वाद है। ये सर्वोच्च गुण मनुष्य को एक ऊंचे स्तर पर ले जाते हैं और उन्हें मशीनों से भी ऊंचे स्थान पर रखते हैं। इसके विपरीत,एआई डेटा-चालित है और एक निर्धारित प्रक्षेपवक्र का अनुसरण करता है, इस प्रकार, मानवीय भावनाओं, धारणा और किसी दिए गए वातावरण के अनुकूल कार्य करने की क्षमता को पकड़ने में विफल रहता है।

चूंकि एआई अपने प्रारंभिक चरण में है, इसलिए यह मान लेना जल्दबाजी होगी कि एआई जल्द ही मनुष्यों पर हावी हो जाएगा क्योंकि मनुष्य मौलिकता और नवाचार के मूल में बने हुए हैं।

आप की बात

घटता परिवारवाद

मतदाता अब जागरूक हो गए हैं और वे पारिवारिक राजनीतिक दलों को सत्ता सौंपने में अपनी रूचि कम करते जा रहे हैं। कभी नेहरू-गांधी की कांग्रेस देश में एक छत्र राज करती थी। अब वह क्षेत्रीय दलों से अपना हाथ मिलाने को मजबूर हो रही है। अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी की दशा भी खराब है। यूपी में सालों सत्ता में रही सपा को अब सत्ता पाने के लाले लग गए हैं। ऐसी ही हालत मायावती की बहुजन समाज पार्टी की हो गई है। एनसीपी भी कमजोर हो रही है क्योंकि चाचा-भतीजे अलग हो गए हैं और ननद-भौजाई सुप्रिया सुले व सुनेत्रा पवार बारामती में आमने-सामने आ गई हैं। बाला साहेब ठाकरे की शिवसेना दो भागों में बंट कर कमजोर हो गई है। झारखण्ड में भी शिबू सोरेन की झामुमो कमजोर हो गई है। जहाँ परिवारवाद चला, वहां राजनीतिक पार्टियां टूटकर कमजोर हो रही हैं। इसके साथ ही घोटाले भी बढ़ते जा रहे हैं। ममता की तृणमूल कांग्रेस भी परिवारवाद के कारण आने वाले समय में कमजोर हो सकती है। भाजपा परिवारवाद से मुक्त है, इसलिए वह इसके खिलाफ खुलकर बोल रही है तथा राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत भी होती जा रही है। परिवारवाद कमजोर होने की परिघटना भारत में लोकतंत्र के विस्तार व मजबूती का रास्ता खोल रही है।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

भयानक गर्मी

राजधानी दिल्ली में बुधवार को गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। दिल्ली के मुंगेशपुर इलाके में अधिकतम तापमान 52.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह राष्ट्रीय राजधानी में अब तक दर्ज किया गया सर्वाधिक तापमान है। मुंगेशपुर में मंगलवार को अधिकतम 49.9 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया था। मौसम विभाग की वेबसाइट के अनुसार एक दिन बाद तापमान में और इजाफा हुआ और मौसम विज्ञान केंद्र ने शाम चार बजकर 14 मिनट पर अधिकतम तापमान 52.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। मौसम विभाग के महानिदेशक डा. एम महापात्रा के अनुसार, मौसम विभाग दिल्ली के मुंगेशपुर स्वचालित मौसम स्टेशन में लगे तापमान सेंसर की जांच कर रहा है कि वह ठीक से काम कर रहा है या नहीं। मौसम विभाग की यह सतर्कता ठीक हो सकती है, पर अब समय आ गया है कि भारत के जिम्मेदार अधिकारी सर्वोच्च स्तर पर ग्लोबल वार्मिंग की सबसे खतरनाक परिस्थितियों का आंकलन कर उसके अनुसार उपयुक्त रणनीति का रोडमैप तैयार करें। भारत सरकार को राज्य सरकारों ही नहीं स्थानीय निकायों से मिल कर जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहे संभावित प्रभावों और भावी जोखिमों का लेखाजोखा रखना चाहिए।

– **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

पाकिस्तानी धमकी

पाक सेना ने पहली बार ऐलान किया है कि उसके अणु बम हमले के लिए तैयार हैं ओर उसने पहले प्रयोग नहीं की रणनीति भी नहीं स्वीकार की है। इस प्रार उसने भारत को एक बार फिर धमकाया है। हाल ही में पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने कहा था कि पाकिस्तान ने भारत के साथ किये समझौते को तोड़ा था जो उचित नहीं था। इसके बाद पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी कह रहे हैं कि परमाणु बम के मामले में उनकी कोई नो फर्स्ट नीति नहीं है। इस धमकी को देखते हुए अब भारत को अपनी नो फर्स्ट नीति वापस लेने पर विचार करना चाहिए। वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय माहौल में न केवल पाकिस्तान बल्कि चीन भी अपने परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ा कर उनको तैनात कर रहा है। ऐसे में भारत को भी अपनी नाभिकीय आयुध व मिसाइल क्षमता का विस्तार कर उनको अद्यतन बनाने के प्रयास तेज करने चाहिए। भारत को अपना रक्षा खर्च भी बढ़ाना चाहिए जो चीन की तुलना में बहुत कम है। पाकिस्तान अब पूरी तरह चीन का मुहरा बन चुका है, इस प्रकार भारत को दो मोर्चों पर युद्ध की तैयारी करनी होगी। इस स्थिति में राहुल गांधी द्वारा सेना की अग्निवीर योजना की निरर्थक व अतार्किक आलोचना देश के लिए आत्मघाती सिद्ध हो सकती है।

सुभाष बुडावन वाला, रतलाम

जजों की छुट्टियां

भारत में न्यायाधीशों पर काम का बोझ बहुत अधिक है। ऐसे में उनकी छुट्टियों को लेकर उठाए गए सवालों का गहन विश्लेषण जरूरी है। भारतीय न्यायपालिका अधिकांश दिना सक्रिय रहती है, फिर भी लंबित मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसका मुख्य कारण न्यायाधीशों की कमी और बुनियादी ढांचे का अभाव है। कार्यदिवस के बाद भी जज अपना काम जारी रखते हैं, फाइलें पढ़ते हैं और फैसले लिखते हैं। स्पष्ट है कि न्यायाधीशों की छुट्टियां मानसिक और शारीरिक आराम के लिए आवश्यक होती हैं। लंबित मामलों की समस्या का समाधान जजों की छुट्टियां कम करने के बजाय न्यायपालिका को पर्याप्त संसाधन और बुनियादी ढांचे की जरूरत है। सरकार को न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि वर्तमान में प्रति 10 लाख जनसंख्या पर केवल 21 न्यायाधीश हैं, जबकि विधि आयोग ने 1987 में ही प्रति 10 लाख नागरिकों पर 50 जजों का सुझाव दिया था। इसके अलावा अदालतों में सुविधाओं का विस्तार और तकनीकी साधनों का उपयोग करके न्यायिक प्रक्रिया को तेज किया जा सकता है।

– **अवनीश गुप्ता,**आजमगढ़

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

कांग्रेस मुस्लिम लीग का नया संस्करणः योगी आदित्यनाथ

● मुख्यमंत्री ने कंगना रनौत के लिए कुल्लू में चुनावी जनसभा को किया संबोधित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ कुल्लू

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कांग्रेस मुस्लिम लीग का नया संस्करण है। उन्होंने कहा कि देश में विरासत टैक्स और पर्सनल लॉ लागू करके कांग्रेस देश में तालिबानी शासन लागू करना चाहती है। योगी आदित्यनाथ गुरुवार को डालपुर में मंडी लोकसभा सीट के लिए पार्टी प्रत्याशी कंगना रनौत के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हिमाचल की बेटी कंगना रनौत में मीरा बाई की भक्ति, महारानी पद्मिनी का तेज और विरोधियों से जूझने के लिए महारानी लक्ष्मी बाई की तरह शौर्य और वीरांगना का भाव है। कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की सरकार को इन्होंने मुम्बई में सड़कों पर लाकर पानी पिलाने को मजबूर कर दिया था।

योगी आदित्यनाथ ने बिजली महादेव और हिंडम्बा माता की धरा को नमन करते हुए कहा कि यहां का मौसब बहुत सुहावना है। मैदान में हम लोग झुलस रहे हैं। दिल्ली का तापमान 52 डिग्री और गोरखपुर में 48 डिग्री तापमान था। जब यहां आया तो बहुत राहत महसूस हुई, अहसास हुआ कि हिमाचल को देवभूमि क्यों कहा जाता है। मेरा जन्म भी पहाड़ों में ही हुआ है। ये प्रकृति और परमात्मा का संयोग है कि मुझे यूपी में सेवा का अवसर प्राप्त हुआ है। जब मुझे हिमाचल में प्रचार के लिए कहा गया तो मैंने कहा था कि कंगना जी के लिए जरूर जाउंगा।

उन्होंने कहा कि आज पूरे हिन्दुस्तान में एक ही नारा गूंज रहा है, वह है फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार। पूरा देश कह रहा है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे। पूरा चुनाव रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच आकर सिमट गया है। रामद्रोही वही हैं जो आतंकवाद और नक्सलवाद का समर्थन करते हैं, जो भारत की अस्मिता और अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़ा करते हैं, जिन्होंने विकास को बाधित किया और गरीबों के हक पर डकैती डाली। योगी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में बीजेपी ने पहली बार संकल्प लिया था कि रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे। अब 500 साल का इंतजार समाप्त हुआ है। पहली बार अयोध्या में रामलला ने अपने भव्य मंदिर में होली भी खेली और जन्मोत्सव भी मनाया। उन्होंने कहा कि काशी में भी भव्य काशी विश्वनाथ धाम बन चुका है और अब हम मथुरा जाने की तैयारी कर रहे हैं। हम भारत की अस्मिता के लिए जो भी आवश्यक होगा उसके लिए कोई भी कदम उठाने में नहीं हिचकेंगे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। पहले लगातार आतंकी घटनाएं घटित होती थीं। कांग्रेस ये कहकर घुटने टेक देती थी कि आतंकवाद तो सीमापार से है। अब तो तेज आवाज में पटाखा भी फट जाए तो पाकिस्तान सफाई देने लगता है। नये भारत में बड़े बड़े विकास के कार्य हम देख रहे हैं। आज हिमाचल प्रदेश में भी अपना एम्स है। एक तरफ भारत 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन दे रहा है तो वहीं पाकिस्तान की कुल 23 करोड़ की आबादी भूखों मर रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग यहां पर पाकिस्तान का राग अलापते हैं उन्हें पाकिस्तान जाकर भीख मांगना चाहिए। योगी ने इंडी गठबंधन को भनुमति का पिटारा बताया। कहा कि कांग्रेस का घोषणापत्र मुस्लिम लीग का घोषणापत्र है। जो काम मुस्लिम लीग ने 1940 के दशक में किया था आज कांग्रेस वही काम करने जा रही है। इनका घोषणापत्र कहता है कि पर्सनल लॉ लागू करेंगे। इसका मतलब तालिबानी शासन होगा, जिसमें बेटियां स्कूल नहीं जा पाएंगी, महिलाओं को बुर्का पहनकर घर में दुबककर रहना होगा। योगी ने कहा कि भारत बाबा साहब के संविधान से चलेगा, किसी शरिया कानून से नहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शहजादे एक झटके से गरीबी दूर करने की बात करते हैं। कहते हैं कि संपत्ति का सर्वे कराकर पैतृक संपत्तियों पर विरासत टेक्स लगाएंगे और उसमें से आधी संपत्ति पर घुसपैठियों को बसाएंगे। इनका ये विरासत टेक्स औरंगजेब का जजिया कर है। इनके अंदर औरंगजेब की आत्म घुस गई है। योगी ने कहा कि हमें औरंगजेब जैसे दुष्टों को जीवित नहीं होने देना है। यूपी में हम ऐसे तत्वों से बहुत सख्ती से निपटते हैं। यूपी में औरंगजेब को आदर्श मानने वाले बड़े बड़े माफिया को ठीक करने काम किया गया है। हमारा संकल्प था राममंदिर बनाएंगे वो पूरा हो चुका है। यूपी को माफिया मुक्त करने भी संकल्प लिया था, आज कोई माफिया नहीं बचा है। आज यूपी में कोई कर्फ्यू और कोई दंगा नहीं होता, बेटी और व्यापारी सुरक्षित हैं। जिन्हें औरंगजेब प्यारे हैं उन्हें कब्र में दफना दिया गया है। आज यूपी में सब चंगा है। योगी ने कहा कि कंगना रनौत के पास प्रतिभा है, कला है और कार्य करने की क्षमता है। विकास कार्य करने का जज्बा और सामर्थ्य है। पहाड़ से निकलकर अपने दम पर, अपने संघर्षों से फिल्म जगत में इन्होंने अपना मुकाम बनाया। इन्होंने जयललिता का शानदार रोल निभाया था। अब कुल्लू वासियों की जिम्मेदारी बनती है कि इन्हें अपना सांसद बनाकर संसद में भेजें। 400 पार के नारे में मंडी समेत हिमाचल प्रदेश की चारों सीट आनी चाहिए। चुनाव बाद आप सभी अयोध्या दर्शन के लिए आएं, वहां सारी व्यवस्था की जिम्मेदारी हमारी होगी।

कांग्रेस के समय रिमोट से सरकार चलती थी, 'आप' के समय जेल सेः मुख्यमंत्री

● मुख्यमंत्री ने पंजाब के आनंदपुर साहिब से भाजपा उम्मीदवार डॉ. सुभाष शर्मा के लिए की जनसभा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ मोहाली

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पंजाब के आनंदपुर साहिब लोकसभा सीट से उम्मीदवार डॉ. सुभाष शर्मा के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। सीएम ने गुरु गोविंद सिंह, गुरु तेगबहादुर, शहीद ए आजम भगत सिंह को नमन कर इस भूमि को प्रणाम किया। मुख्यमंत्री यहां आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पर खूब बरसे। बोले कि पंजाब में भाजपा सरकार बनवा दो, माफिया की कमर तोड़ दी जाएगी।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस और आप का गठबंधन पंजाब को अराजकता की तरफ ले जाने की साजिश का हिस्सा है। इसे खारिज कराने की अपील और पंजाब में सुभाष शर्मा को बुलडोजर की चाबी देने आया हूं। पंजाब में अगली सरकार भाजपा की बनाइए, जितना मागेंगे-यूपी से बुलडोजर भेज दूंगा। भाजपा सरकार बनते ही 48 घंटे के अंदर यहां सैंड, कैटल, ड्रग और भूमाफिया की कमर तोड़कर नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों की संपत्ति जब्त कराकर गरीबों के मकान बनाएंगे। आप पर बरसते हुए योगी ने कहा कि मैंने अपने जीवन में आम आदमी पार्टी जैसी झूठ बोलने वाली पार्टी देखी ही नहीं। यह डंके के चोट पर ईमानदारी की घोषणा करती थी, लेकिन इन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा और चार्जशीट दाखिल हुई। इसके एक दर्जन से अधिक नेता जेल और बेल पर हैं। कांग्रेस के समय रिमोट से सरकार चलती थी, आप के समय पंजाब में जेल से चल रही है। यह लोग पंजाब की भावना से खिलवाड़ कर रहे हैं। योगी ने कहा कि पंजाब ने देश को बहुत कुछ दिया। देश की सुरक्षा का ढाल बना। विपरीत परिस्थितियों में भारत को संबल प्रदान किया। 70 वर्ष में पंजाब ने जिन लोगों को कमान सौंपी, वे इस राज्य को कहां ले गए। एक ओर नए भारत, एक भारत-श्रेष्ठ भारत का दर्शन हो रहा है तो दूसरी तरफ पंजाब आज बेहाल है। अयोध्या में 500 वर्ष का इंतजार समाप्त हुआ। गुरुनानक देव, गुरु गोविंद सिंह महराज और निहंगों ने अग्रिम पंक्ति में खड़ी होकर लड़ाई लड़ी, उस अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो गया। राम के प्रति गुरु गोविंद सिंह की आस्था को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। योगी ने कहा कि एक तरफ मोदी के नेतृत्व में भारत का सम्मान दुनिया में बढ़ रहा। भारत की सुरक्षा बढ़ रही है। संकट आने पर दुनिया भारत और मोदी की तरफ देखती है, लेकिन कांग्रेस शासन के समय सीमाएं सुरक्षित नहीं थीं। दिल्ली, मुंबई, काशी, अयोध्या में विस्फोट होते थे। सीमापार के आतंकवादियों के सामने घुटना टेकने वाली कांग्रेस को जनता के सामने जाने का अधिकार नहीं है। अब भारत की ताकत से घबड़ाया पाकिस्तान यूएन में जाकर कहता है कि भारत पाकिस्तान के अंदर घुसकर मार रहा है। हमारी जान बचाओ। पाकिस्तान वैसे ही गिड़गिड़ा रहा है, जैसे यूपी के माफिया गिड़गिड़ाकर कहते हैं कि जान बख्श दो। वे गले में तख्ती लगाकर थाने जाते हैं और कहते हैं कि ठेला लगाकर पेट भर लूंगा, लेकिन किसी के साथ अन्याय नहीं करूंगा। सीएम योगी ने कहा कि देश में सुरक्षा, सम्मान, विरासत का सम्मान है। अयोध्या में भगवान राम मंदिर का भव्य निर्माण हो गया है तो करतापुर साहिब में कॉरिडोर भी बन गया। गुरु गोविंद सिंह के चार साहिबजादों ने सरहिंद के लिए खुद को बलिदान किया था। उनके नाम पर 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने का कार्यक्रम मोदी ने घोषित किया है। एक तरफ मोदी के नेतृत्व में नए भारत में सब कुछ हो रहा है तो दूसरी तरफ कांग्रेस और आप का गठबंधन कहीं पानी पीकर एक-दूसरे को गाली दे रहा है। पंजाब को बर्बाद करने के लिए दोनों ने गठजोड़ कर लिया है। कांग्रेस और आप का गठबंधन पंजाब को पुराने दौर में ले जाने की चेष्टा कर रहा है। यह लोग पंजाब को आतंकवाद की तरफ ढकेलने की साजिश कर रहे हैं। यहां सैंड, ड्रग, कैटल, भूमाफिया हावी हैं। 2017 के पहले यूपी में भी माफिया हावी थे। 2017 में मैं सीएम बना तो पीएम ने कहा कि बड़ी चुनौती है। वहां पहले सिखों के खिलाफ सहारनपुर समेत जगह-जगह दंगे होते थे। पंजाब के ट्रांसपोर्टर यूपी होते हुए जाते हैं, लेकिन अब यूपी में उनसे वसूली या लूटपाट नहीं होती। यूपी के माफिया मिट्टी में मिल गए। वहां माफिया नहीं, महोत्सव होता है। गुरु नानक देव का प्रकाशोत्सव, गुरु तेग बहादुर का बलिदानी दिवस, वीर बाल दिवस, जन्माष्टमी, शिवरात्रि, दीपोत्सव, देव दीपावली, रंगोत्सव यूपी की पहचान बन गई है। सीएम ने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र कहता है कि सभी की संपत्ति का सर्वे कराकर आधा हिस्सा वरासत टैक्स के रूप में लेकर घुसपैठी रोंहिग्याओं को दे देंगे।

अंतिम दिन के चुनाव प्रचार में निकलने से पहले सीएम योगी ने लिया गुरु का आशीर्वाद

● गोरखनाथ मंदिर में किया दर्शन-पूजन व गोसेवा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकसभा चुनाव के सातवें चरण के प्रचार के अंतिम दिन गुरुवार को हिमाचल प्रदेश और पंजाब रवाना होने से पूर्व मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा के समक्ष श्रद्धा से शीश नवाकर आशीर्वाद लिया। उन्होंने रोज की तरह गोसेवा में भी समय बिताया और मंदिर में आए कई श्रद्धालुओं के बच्चों को भी आशीर्वाद के साथ चाकलेट भी दिया। अंतिम चरण के लोकसभा चुनाव में प्रचार को लेकर सीएम योगी इधर कुछ दिनों से गोरखनाथ मंदिर में ही रात्रि प्रवास कर रहे थे। इस दौरान एक दिन में आधा दर्जन चुनावी कार्यक्रमों की व्यस्तता के बाद भी उनकी दिनचर्या में कोई बदलाव नहीं हुआ। बुधवार को उन्होंने गोरखपुर मंडल में चार चुनावी सभाओं को संबोधित किया तो शाम को करीब तीन घण्टे के रोड शो की अगुवाई की। रात्रि प्रवास के बाद गुरुवार सुबह उन्होंने सबसे पहले गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन किया। फिर अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर उन्हें नमन किया। मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए सीएम गोशाला पहुंचे और गोवंश को गुड़-रोटी खिलाकर उनकी सेवा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर परिसर में परिजनों के साथ आए बच्चों को प्यार दुलारकर उन्हें चॉकलेट गिफ्ट करते हुए आशीर्वाद दिया। इस दौरान उन्होंने कोलकाता से आए एक परिवार की दो माह की बच्ची को भी स्नेहाशीष प्रदान किया।

नमामि गंगे मिशन से वाराणसी में गंगा संरक्षण को मिली नई गति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ वाराणसी

नमामि गंगे मिशन के माध्यम से भारत सरकार गंगा नदी के संरक्षण की दिशा में समर्पित रूप से प्रयास कर रही है। जिसके परिणाम स्वरूप उत्तर प्रदेश में गंगा की अविरलता और निर्मलता में तेजी से सुधार आया है। राज्य में गंगा और और उसकी सहायक नदियों के जल की गुणवत्ता में सुधार के लिए लगातार सीवरेज के बुनियादी ढांचों समेत विभिन्न निर्माण पर जोर दिया जा रहा है। सरकार लगातार इन नदियों के उत्थान पर कार्य कर रही है। जिसके परिणाम स्वरुप गंगा का जल आचमन योग्य हुआ। नदी में जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली से गंगेटिक डॉल्फिन, ऊदबिलाव और कछुए समेत विभिन्न प्रजातियों की संख्या में सराहनीय वृद्धि हुई है। नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत वाराणसी में कुल 974 करोड़ रुपए की लागत से 12 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि 495 करोड़ रुपए की लागत से 5 परियोजनाओं पर काम जारी है। गंगा की धारा को निर्मल और अविरल बनाने के लिए वाराणसी में सीवरेज से संबंधित प्रभावी योजनाओं पर काम किया जा रहा है। इन परियोजनाओं में 140 एमएलडी क्षमता के दीनापुर एसटीपी , 50 एमएलडी क्षमता के रमना एसटीपी, रामनगर के 10 एमएलडी, 80 एमएलडी के दीनापुर ओल्ड एसटीपी और भगवानपुर के 9.8 एमएलडी क्षमता वाले एसटीपी का निर्माण किया जा चुका है, जोकि अब बेहतर तरीके से काम कर रहे हैं। जबकि समय की ज़रुरत को देखते हुए भगवानपुर में 55 एमएलडी के नए एसटीपी के निर्माण के लिए मंजूरी दी जा चुकी है। तब तक वहां से निकल रहे अपशिष्ट जल के शोधन के लिए नगवा में 30 एमएलडी क्षमता के एडवांस ऑक्सीडेशन प्रोसेस एसटीपी से काम लिया जा रहा है।

थमा चुनाव प्रचार, अंतिम चरण के मतदान के लिए आज रवाना होंगी पोलिंग पार्टियां

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को समय से पोलिंग पार्टियों को रवाना करने के निर्देश

उत्तर प्रदेश में लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के सातवें और अंतिम चरण की 13 लोकसभा सीटों तथा दुद्धी (अ.ज.जा.) विधानसभा उप निर्वाचन के लिए एक जून, 2024 को होने वाले मतदान को सकुशल, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए 31 मई, 2024 (शुक्रवार) को मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथों) के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी। इसके लिए सातवें चरण के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को समय से पोलिंग पार्टियों को रवाना करने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि सातवें चरण में प्रदेश के 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव (अ.जा.), घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर, राबर्ट्सगंज (अ.जा.) तथा विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र दुद्धी (अ.ज.जा.) में एक जून को मतदान संपन्न कराया जाएगा। यह सभी सीटें प्रदेश के 11 जनपदों (महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, मऊ, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर तथा सोनभद्र) में आते हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, नवदीप रिणवा ने बताया कि सातवें चरण के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदान केंद्रों एवं मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथ) पर मतदाताओं एवं मतदान कर्मिकों को जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए गए है। सभी मतदान केंद्रों पर शीतल और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की जाएगी, जबकि दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए व्हीलचेयर उपलब्ध होगी। भीषण गर्मी को देखते हुए सभी मतदान केंद्रों पर छाया की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया है। इसके अतिरिक्त पोलिंग पार्टियों के रवाना होने से पहले सभी मतदान कर्मिकों को हीट स्ट्रोक से बचने और स्वास्थ्य के दृष्टिगत मेडिकल किट उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे आवश्यकता पड़ने पर मतदान कार्मिक इसका उपयोग कर सकें व मतदाताओं को आवश्यकता पड़ने पर उन्हें उपलब्ध कराया जा सके।

चार जून के बाद दिल्ली से हटने जा रही भाजपा की सरकारः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ महराजगंज

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन आज महराजगंज लोकसभा क्षेत्र में इंडिया गठबंधन कांग्रेस के प्रत्याशी वीरेन्द्र चौधरी और मऊ लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी राजीव राय के समर्थन में चुनावी जनसभाएं की।

यादव ने भीषण गर्मी और तपती दोपहरी के बीच चुनावी जनसभाओ में उमड़े जनसमुदाय से इंडिया गठबंधन के समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशियों को ऐतिहासिक वोटों से जिताने की अपील करते हुए कहा कि चार जून के बाद दिल्ली से भाजपा की सरकार हटने जा रही है। इस बार इंडिया गठबंधन के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बहुत मेहनत किया है। सभी ने पसीना बहाया है। जनता भाजपा के खिलाफ है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से हर वर्ग परेशान है। भाजपा ने किसानों, नौजवानों, व्यापारियों, महिलाओं सभी को धोखा दिया है। यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री इस चुनाव में घबराये हुए हैं। उनकी जुबान लड़खड़ा रही है। यादव ने कहा कि भाजपा के धोखे, अन्याय, अत्याचार से परेशान जनता का गुस्सा सातवें चरण में सातवें आसमान पर है। पूर्वांचल में भाजपा प्रत्याशियों की जमानतें जब्त होने जा रही है। चार सौ का नारा देने वाले भाजपा के लोग अब नारा देना भूल गए हैं। वे डरे हुए है कि चार सौ सीटे हार जाएंगे। देश की 140 करोड़ जनता भाजपा को 140 सीटों के लिए तरसा देगी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की हर बात झूठी निकली। हर वादा झूठा निकला। किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था लेकिन आय दोगुनी नहीं हुई। खेती की लागत बढ़ने से किसान संकट में पहुंच गया। भाजपा ने बड़े-बड़े उद्योगपतियों का 25 लाख करोड़ का कर्ज माफ कर दिया लेकिन किसानों, गरीबों का न कर्ज माफ किया न कोई मदद की। महंगाई बढ़ाकर कम्पनियों का मुनाफा बढ़ाया। हर तरह से लूट की। लूट और झूठ भाजपा सरकार की पहचान बन गयी है। भाजपा सरकार ने दस साल तक सिर्फ उद्योगपतियों और अपने अमीर दोस्तों के लिए काम किया।

यादव ने किसानों को भरोसा दिलाया कि इंडिया गठबंधन की सरकार किसानों का कर्ज माफ करेगी। किसानों की हर तरह से मदद की जाएगी। किसानों को उनकी फसलों के लिए एमएसपी का कानूनी अधिकार दिया जाएगा। भाजपा सरकार ने तीन काले कानून लाकर किसानों की फसल और जमीन छीनने का षड्यंत्र किया था लेकिन हमारे किसानों ने आंदोलन करके भाजपा के षड्यंत्र को विफल किया। आंदोलन के दौरान एक हजार से ज्यादा किसान शहीद हुए लेकिन किसान तब तक पीछे नहीं हटे जब तक काले कानून वापस नहीं हो गए।

योगी ने तय रणनीति के तहत अपनी रैलियों में विपक्ष को बनाया निशाना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाने के साथ ही विपक्ष की कमजोरी पर भी किया प्रहार

हर कोई मानता है कि देश की सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर ही जाता है। यदि उत्तर प्रदेश जीत लिया तो केंद्र की सत्ता के शिखर पर पहुंचना मुश्किल नहीं। बीते दो बार से नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश में बेहतर प्रदर्शन के बल पर ही सरकार बनाने में सफल रहे हैं और लगातार तीसरी बार मोदी सरकार बनाने के लिए फिर एक बार उत्तर प्रदेश जीतना महत्वपूर्ण है। इसी तथ्य को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 80 में 80 सीटें जीतने का संकल्प लिया है और इस संकल्प की प्राप्ति के लिए रणनीति बनाकर उस पर अमल भी किया। सीएम योगी ने आदित्यनाथ प्रदेश और प्रदेश के बाहर अपनी रैलियों में केंद्र सरकार और राज्य सरकार की उपलब्धियों के बखान के साथ ही विपक्ष पर 5 प्रमुख मुद्दों को लेकर लगातार हमला किया। ये पांचो मुद्दे सीधे जनता की आस्था, संस्कृति और उसके विकास और भविष्य से जुड़े हैं जिसे लेकर सीएम योगी हर चरण में उन्हें जागरूक करते आए।

सीएम योगी अपनी रैलियों में राम मंदिर का भरपूर जिक्र कर रहे हैं। वो कहते हैं कि यह चुनाव राम भक्तों और राम द्रोहियों के बीच है। सीएम के इस वक्तव्य में वो राम भक्त उन्हें कहकर संबोधित करते हैं जिन्होंने खुद और उनके पूर्वजों ने वर्षों से अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का सपना देखा, जिन्होंने सपा सरकार के दौर में राम मंदिर आंदोलन में हिस्सा लिया और अपने सीने में गोली खाई। वहीं रामद्रोही वो जिन्होंने गोलियां चलाई, राम मंदिर के निर्माण में रोड़े अटकाए और सुप्रीम कोर्ट में फैसले में देरी के लिए तरह-तरह की दलील दी। प्रदेश ही नहीं, देश भर में राम मंदिर बहुसंख्यक समाज के लिए एक ऐसा मुद्दा रहा है, जो उसकी आस्था और संस्कृति से जुड़ा हुआ है और जब सीएम योगी इसका जिक्र करते हैं तो लोग सीधे इससे जुड़ाव महसूस करते हैं।

गौहत्या और गोमांस के सेवन को लेकर भी सीएम योगी विपक्ष पर हमला कर रहे हैं। इसके पीछे कांग्रेस का मैनिफेस्टो सबसे बड़ी वजह है, जिसमें कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों को उनके मन के खानपान की आजादी देने की बात कही है। सीएम योगी का आरोप है कि इसके माध्यम से कांग्रेस अल्पसंख्यकों को गौहत्या और गोमांस खाने की आजादी देने का वादा कर रही है जो बहुसंख्यक समाज की आस्था के खिलाफ है। बहुसंख्यक समाज में गाय की पूजा की जाती है। उसे कामधेनू का रूप माना जाता है। उसकी हत्या और गौमांस खाना निषेध है। बहुसंख्यक समाज की इसी आस्था को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने 2020 में गोकशी कानून को और सख्त बना दिया था, जिसके तहत 10 साल तक की जेल और दोबारा दोषी पाए जाने पर दोगुनी सजा का प्राविधान किया गया है। ऐसे में इस मुद्दे पर सीएम योगी के आरोपों को लोगों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी ने जब राहुल गांधी की प्रशंसा की तब सीएम योगी ने पहली बार चुनावों में पाकिस्तान को लेकर चर्चा शुरू की। उसके बाद कांग्रेसी नेताओं द्वारा एटम बम की बात की गई तब भी सीएम योगी ने कांग्रेस और विपक्ष को आड़े हाथ लिया। विपक्ष के पाकिस्तान प्रेम को लेकर सीएम योगी के वक्तव्य से विपक्ष बुरी तरह तिलमिला गया। वहीं जनता के बीच भी विपक्ष और पाकिस्तान के बीच का रिश्ता डिसक्लोज हो गया। पाकिस्तान की ओर से जिस तरह से लगातार भारत के खिलाफ आतंकी साजिश की जाती रही है, उसको देखते हुए पूरे देश में पाकिस्तान को लेकर जबर्दस्त रोष है। मोदी सरकार ने जब इन्हीं आतंकी हरकतों के जवाब में पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक की तो जनता का भरपूर समर्थन मिला। यही समर्थन योगी आदित्यनाथ के वक्तव्यों पर भी मिल रहा है।

एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण को लेकर भी सीएम योगी अपनी रैलियों में विपक्ष के एजेंडे का खुलासा कर रहे हैं। पीएम मोदी की तर्ज पर बेहद सरल भाषा में वो बता रहे हैं कि कांग्रेस किस तरह इन जातियों के आरक्षण में कटौती करके उसे एक धर्म के लोगों को देने का कुत्सित प्रयास कर रही है। इसके साथ ही सीएम योगी रैलियों में कांग्रेस द्वारा विरासत टैक्स लाने का आरोप लगा रहे हैं। अपने बयानों में सीएम योगी ने कांग्रेस और विपक्ष पर तुष्टीकरण का आरोप लगाते हुए उसे बहुसंख्यक विरोधी और एससी, एसटी और ओबीसी विरोधी करार दिया है। इसके साथ ही सीएम योगी ने विपक्ष पर पर्सनल लॉ लागू करने का वादा करने का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि देश संविधान से चलेगा न कि शरीयत से। इस आरोप ने विपक्षी दलों को बड़ा डेंट दिया है और वो इसका जवाब तक नहीं तलाश पा रहे हैं। सीएम योगी विपक्षी परिवारवादी पार्टियों पर हमला करने से भी नहीं चूक रहे। प्रदेश में जहां वो सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को परिवारवाद के मुद्दे पर घेरते हैं तो वहीं कांग्रेस के प्रमुख नेता राहुल गांधी और बिहार में तेजस्वी यादव पर भी परिवारवाद को लेकर हमला कर रहे हैं।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर पूरे जिले में ऐप्जा के बैनर तले आयोजित हुए कार्यक्रम

● बैठक में सहायक जिला सूचना अधिकारी की कार्यशैली की हुई निंदा

गोला गोकर्णनाथ.खीरी। शहर के लोक निर्माण विभाग के अतिथि गृह में हिंदी पत्रकारिता दिवस पर ऐप्जा (आल इंडियन प्रेस जर्नलिस्ट एसो.) के बैनर तले नगर, तहसील तथा जिला स्तर के तमाम पत्रकारों ने भाग लिया। पत्रकारों के साथ मारपीट व फर्जी मुकदमे में फंसाने व उनके बढ़ते उत्पीडन को लेकर चिंता व्यक्त की गई। वरिष्ठ पत्रकार रविसुत शुक्ला ने हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर विस्तार से प्रकाश डाला और जिला सूचना अधिकारी खीरी की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए उनको कानूनी नोटिस देकर लिखित रूप में साक्ष्यों सहित पूरी घटना से डीएम खीरी व सूचना निदेशक उप्र शासन लखनऊ को अवगत कराकर जांच व कार्रवाई की बात कही। वरिष्ठ पत्रकार होतीलाल रस्तोगी ने पत्रकारिता दिवस पर अपने विचार रखकर पत्रकारों के साथ बढ़ती मारपीट, ज्यादतियों तथा फर्जी मुकदमे दर्ज कराने के बाद उनका मानसिक रूप से उत्पीड़न कराने के प्रचलन पर कड़ी निंदा कर मौजूद पत्रकारों, लेखक, कलमकारों को हिंदी पत्रकारिता दिवश पर बधाई दी। सहा. जिला सूचना अधिकारी के भ्रष्टाचार व पक्षपात पूर्ण कार्रवाई पर उन्हें निलंबित करने व जारी फर्जी प्रेस पास की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। डीपी आर्या ने पत्रकारों से कहा कि आज एकजुट होकर संगठन शक्ति बढाने, सहा. सूचना अधिकारी खीरी के खिलाफमोर्चा खोलने तथा फर्जी तरीके से अवैध धन की उगाही कर प्रेस पास जारी करने के लिए सूचना निदेशक को पत्र लिखकर जांच पड़ताल कराने की मांग की। ऐप्जा के तहसील प्रभारी पंकज मिश्रा व तहसील अध्यक्ष राजेश वर्मा ने सभी पत्रकारों को भरोसा बताया कि सहायक सूचना निदेशक पर कड़ी कार्रवाई के लिए साक्ष्यों को इकट्ठा करने के चलते विलम्ब हुआ है।

असोथर में हीटस्ट्रोक से हुई चार मौतें

● प्रचंड गर्मी के चलते लोगों की अचानक बिगड़ रही तबियत

संवाददाता। असोथर (फतेहपुर)

असोथर थाना क्षेत्र में पिछले में तीन दिनों में चार लोगों की हीटस्ट्रोक के चलते मौतें हो चुकी है। बता दें कि जनपद में अब तक का सबसे अधिक पारा 48 डिग्री तक पहुंच चुका है। प्रचंड गर्मी, तीखी धूप के चलते बुजुर्ग हों या बच्चे उनकी अचानक से तबियत बिगड़ रही है। असोथर थाने के भूनीपुर मजरे रिठवा निवासी मुन्नू सिंह ने बताया कि उनकी मां जगरनिया (85) बुधवार की सुबह घर से खेत के लिए निकली थी। 10 बजे के करीब खेत में वृद्ध महिला के शव मिलने की जानकारी पर मौके पर पहुंचा। मौके पर देखा तो होश उड़ गए। लू और अनहोनी की आशंका में शव के पोस्टमॉर्टम के लिए पुलिस को तहरीर दी है। जिस पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

उन्होंने बताया कि उनकी मां रोज की भांति खेत गई हुई थी। रिठवां गांव निवासी बबलू पंडित के खेत में मृत अवस्था में शव मिला है। गर्मी के कारण उनके घुटने में छाले पड़ गए थे। उसी कारण उनकी मौत हुई है। उनकी मां जहां गिरी थी, वह साथ में पीने के लिए पानी नहीं ले गई थी। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने भी जगरनिया की मौत गर्मी के कारण होने की बात कही है। बता दें कि इसी तरह पिछले तीन दिन में विधातीपुर वार्ड में तीन अन्य बुजुर्ग महिलाओं समेत एक अन्य बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो चुकी है। इनमें चन्दी देवी (78) पत्नी रघुनंदन पासवान, रामदेईया (75) पत्नी फुन्नसाती पाल, राजरानी यादव (80) और सन्ना केवट (83) शामिल हैं। बताया जा रहा है कि सभी का अंतिम संस्कार उनके परिजनों ने बिना पुलिस को सूचना दिए कर दिया है।

डीएम व एसपी ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

● अक्रियाशील कैमरों को ठीक कराकर प्रत्येक समय मानीटरिंग करें: डीएम

जिला कारागार का निरीक्षण करते डीएम व एसपी।

गुरसहायगंज (कन्नौज)। डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ला व पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द द्वारा जिला कारागार का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कारागार के सभी अहातों की बैरकों में निरुद्ध बंदियो (पुरुष व महिला) से उनकी समस्याओं के संबंध में पूछताँछ की गयी। बैरकों की तलाशी करायी गयी। तलाशी के दौरान कोई निषिद्ध वस्तु नहीं पायी गयी। गुरूवार को जनपदीय अधिकारियों द्वारा बंदियों से उनकी समस्याओं के सम्बन्ध में, भोजन, पानी, रहने, शौचालय, गर्मी के मौसम को देखते हुये पंखों की क्रियाशीलता/अक्रियाशीलता, मिट्टी के घड़े, वाटर कूलरों से ठण्डे पानी की आपूर्ति के संबंध में एवं किसी के द्वारा उत्पीड़न आदि किये जाने, वकील न मिलने, मुलाकात तथा उपचार आदि से सम्बन्धित समस्याओं के सम्बन्ध में पूँछताँछ की गयी परन्तु किसी भी बंदी द्वारा कारागार से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की कोई समस्या नही बतायी गयी। जेल की सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े उपकरणों की क्रियाशीलता को देखा गया। अक्रियाशील कैमरों को तत्काल ठीक कराये जाने तथा कैमरों को प्रत्येक समय क्रियाशील रखे जाने व उनकी प्रत्येक समय मानीटरिंग करने के निर्देश दिये गये।

अस्पताल में निरीक्षण के दौरान चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि वह बीमार बंदियों के उपचार में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही न बरती जाये। कारागार में निरूद्ध वृद्ध व अशक्त बंदियों पर विशेष निगरानी रखे तथा उनका नियमित रूप से परीक्षण कर समुचित उपचार कराना सुनिश्चित करें। कारागार का कार्यालय भी व्यवस्थित पाया गया। निरीक्षण के समय कारागार में स्वच्छता व सौन्दर्यीकरण अच्छा पाया गया परन्तु फिर भी जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि वह भविष्य में इसी प्रकार विशेष रूचि के साथ कारागार में स्वच्छता व सौन्दर्यीकरण बनाये रखने हेतु विशेष ध्यान देना सुनिश्चित करें।

चुनाव डियूटी न करने पर तीन शिक्षक निलंबित

● तीन शिक्षा मित्रों की सेवाएं समाप्त, सफाई कर्मचारी निलंबित, नगर पंचायत के लिपिक की निलंबन की संस्तुति

हमीरपुर। मतदान दिवस के एक दिन पहले पोलिंग पार्टी के साथ न पहुचने पर जिलाधिकारी के आदेश पर तीन शिक्षकों व एक सफाई कर्मी को निलंबित कर तीन शिक्षा मित्रों की सेवाएं समाप्त कर दी है नगर पंचायत लिपिक को निलंबित करने की संस्तुति की गयी है। सीडीओ चंद्रशेखर शुक्ला ने गुरुवार को बताया कि लोकसभा चुनाव में सुमेरपुर मंडी समिति से 19 मई को पोलिंग पार्टियां रवाना होनी थी मगर कन्या जूनियर हाईस्कूल पौथिया की हेडमास्टर व मतदान अधिकारी पुष्पा सचान अनुपस्थित होने के कारण उनको निलंबित कर सुमेरपुर ब्लाक संसाधन केंद्र से संबद्ध कर दिया गया है इसी प्रकार अनुपस्थित महिपाल सिंह सहा अध्यापक प्राथमिक विद्यालय देवराई का डेरा सरीला को निलंबित कर ब्लाक संसाधन केंद्र सरीला से संबद्ध कर दिया गया है। अनुपस्थित प्रीति सहायक अध्यापक प्राथमिक विद्यालय सायर ब्लाक मौदहा को निलंबित कर उनको मौदहा ब्लाक संसाधन केंद्र से सम्बद्ध कर दिया गया है,इसी प्रकार अनुपस्थित शिक्षा मित्र उतरा देवी प्राथमिक विद्यालय दोहरी ब्लाक मुस्करा, शशिकला शिक्षा मित्र प्राथमिक विद्यालय कटेहरी ब्लाक सरीला पुष्पेंद्री शिक्षा मित्र प्राथमिक विद्यालय दादा का तालाब ब्लाक गोहांड को सेवा समाप्त कर ने के लिये ग्राम शिक्षा समिति से प्रस्ताव मागे गये है। इसी प्रकार सफाई कर्मचारी मनोज कुमार को निलम्बित कर दिया गया है। अनुपस्थित नगर पंचायत सुमेरपुर के लिपिक अखिलेश यादव को ईओ ने निलंबित करने की संस्तुति कर दी है।

शहीद आनन्द द्विवेदी, अन्नू टाइगर के पार्थिव शरीर को सलामी दे व मातमी धुन के बीच अन्तिम संस्कार हुआ

● शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पे मरने वालों का यही बाकी निशाँ होगा ● पंचतत्व में विलीन हुआ शहीद सीआरपीएफहेड कॉस्टेबिल का पार्थिव शरीर

कानपुर देहात। पं. जगदम्बा प्रसाद मिश्र की इस कविता शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशाँ होगा, कभी वो दिन भी आयेगा, जब अपना राज देखेंगे, जब अपनी ही जमीन होगी, जब अपना आसमाँ होगा, की पक्तियों की अमिट छवि के बीच सीआरपीएफ जवानों ने मातमी धुन के साथ खेरेश्वर घाट शिवराजपुर में शहीद सीआरपीएफकर्मी आनन्द द्विवेदी के पार्थिव शरीर को सलामी दी गयी। सलामी के बाद परिजनों ने शहीद के पार्थिव शरीर का अँतिम संस्कार किया। चैयरमैन, रामजी गुप्ता सहित भारी सॅख्या में लोग मौजूद रहे। भारत माता की जय, वन्दे मातरम, अन्नू द्विवेदी अमर रहें के उदघोष के बीच भारी सॅख्या में लोगों की उपस्थिति में गुरूवार की सुबह तिरॅगे में लिपटे शहीद आनन्द द्विवेदी अन्नू टाइगर का पार्थिव शरीर खेरेश्वर घाट शिवराजपुर की ओर रवाना हुआ, शिवराजपुर में लखनऊ से आयी सीआरपीएफबटालियन के जवानों ने मातमी धुन के बीच शहीद को सलामी दी। शहीद

शहीद आनन्द द्विवेदी के पार्थिव शरीर को मातमी धुन के साथ सलामी देते हुये सीआरपीएफजवान

के मासूम पुत्र की उपस्थिति को देखकर लोगों की ऑखे नम हो गयी। देश की सेवा के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद सीआरपीएफहेड कास्टेबिल आनन्द द्विवेदी अन्नू टाइगर की शव यात्रा व अँतिम संस्कार के दौरान भी लोगों ने मौजूद रहकर श्रद्धाँजलि अर्पित की तथा शहीद के साथ बिताये गये पलों की स्मृतियों को साझा किया, शहीद के सदव्यवहार, मृदुभाषिता व मिलनसार स्वभाव की चर्चा चारों तरफहुयी। चैयरमैन रामजी गुप्ता, सभासद आशुतोष मिश्रा, शिवेन्द्र शुक्ला, अनूप सिंह गौर, बल्ली सिंह, कुलदीप पाल, शहीद के पिता ओमप्रकाश द्विवेदी, शहीद के भाई अतुल, अमित, आशीष सहित भारी सॅख्या में लोग मौजूद रहे।

कार की टक्कर लगने से बाइक सवार की हुई मौत दो घायल

गुरसहायगंज (कन्नौज)। क्षेत्र के कस्बा समधन के निकट बीती रात कार एवं बाइक की भिडन्त हो गई जिससे बाइक सवार एवं कार सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें कोतवाली पुलिस द्वारा इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज दौरान बाइक सवार की मौत हो गई। बुधवार की देर शाम नगर के मोहल्ला रामगंज निवासी उत्तम चंद वर्मा उर्फपप्पू अपने पुत्र सौरभ वर्मा के साथ कार पर सवार होकर घर की ओर आ रहे थे। जैसे ही समधन स्थित लखनऊ सहयोग हॉस्पिटल के निकट पहुंचे तभी कमालगंज अपनी ससुराल जा रहा बाइक सवार राहुल पुत्र रामगिरी निवासी इंदिरा नगर थाना तिर्वा की बाइक अनियंत्रित होकर कार से टकरा गई। जिससे तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे समधन चौकी प्रभारी राजेश प्रताप सिंह ने सभी घायलों को इलाज के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां तीनों लोगों की हालत चिंताजनक होने के कारण तिर्वा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

क्विक न्यूज

हिस्ट्रीशीटर के पिता का शव नाली में मिला

कुरारा (हमीरपुर)। थाना क्षेत्र के पतारा गांव में संदिग्ध हालात में हिस्ट्रीशीटर के पिता शव नाली के किनारे बीती रात पड़ा मिला। गांव राम सागर यादव (52) का लहूलुहान हालत में बीती रात गांव के लाल दास बाबा मंदिर जाने वाले रास्ते में नाली के किनारे पड़ा मिला। ग्रामीणों ने वहां रास्ते से निकलने पर देखा तो पुलिस को सूचना दी। तब पुलिस ने मौके पर जाकर देखा तो वह मृत अवस्था में मिला। सीओ सदर राजेश कमल भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया है। आज उसका पोस्टमार्टम हुआ है। थाना प्रभारी योगेश तिवारी ने बताया कि सिर से अधिक खून बह जाने के कारण मौत हुई है। नाली में गिरने से चोट लगने से खून निकल जाने से मौत होना प्रतीत हो रहा है।ग्रामीणों ने बताया है कि मृतक शराब पीने का आदी था। इसके पुत्र दीपक के खिलाफकुरारा थाना में हिस्ट्री शीट खुली हुई है। हत्या, रंगदारी मांगने, हत्या के प्रयास आदि के एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। इस समय वह जेल में बंद चल रहा है।

पत्नी वियोग में युवक ने जहर खाकर जान दी

कुरारा (हमीरपुर)। थाना क्षेत्र के बेरी ग्राम पंचायत के मजरा इंद्रपुरी गांव निवासी युवक ने बीती रात पत्नी के मायके से न आने पर घर में जहरीला पदार्थ खाने से मृत्यु हो गयी। क्षेत्र के इंद्रपुरी गांव निवासी लोकेश कुमार(30) ने घर में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। सुबह हालत खराब होने पर परिजनो ने बेरी चौकी इंचार्ज संगम लाल प्रजापति को फोन कर घटना की जानकारी दी।जब तक पुलिस मौके पर पहुंची तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।मृतक के भाई लाल सिंह ने बताया कि मृतक की पत्नी एक वर्ष से इसके पास नही आ रही है। उसी के गम में रहता था।इसके एक सात माह की पुत्री भी है। पत्नी वियोग में उसने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया।

रेलवे ओवर ब्रिज से गिरा बाइक सवार, मौत

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के बहरामपुर रेलवे ओवर ब्रिज से बुधवार की रात तेज रफ्तार बाइक सवार नीचे गिर पड़ा। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार खागा कोतवाली क्षेत्र के सोहन ईंट गांव निवासी राकेश कुमार का पुत्र राहुल बाइक लेकर अपने रिश्तेदारी में गया था। बताते हैं कि देर रात वापस लौटते समय जब वह थरियांव रेलवे ओवर ब्रिज पर पहुंचा तभी अचानक बाइक से वह नियंत्रण खो बैठा और ओवर ब्रिज से नीचे गिर गया। गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जहां इलाज के कुछ ही देर बाद उसने दम तोड़ दिया।

जहर खाकर युवक ने दी जान

फतेहपुर। कल्यानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम लहंगी में बुधवार की शाम पारिवारिक कलह के चलते 35 वर्षीय युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया जिसे उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। लहंगी गांव निवासी बाल गोविंद के पुत्र हरगोविंद ने बुधवार की शाम घरेलू कलह के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। जब उसकी हालत बिगड़ने लगी तो परिजन उसे तत्काल सरकारी एंबुलेंस से उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई।

सड़क हादसे में एक की मौत, दूसरा घायल

फतेहपुर। हथगाम थाना क्षेत्र के छिवलहा व नवाबगंज के बीच बुधवार की शाम पिकअप की चपेट में आकर बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए सीएचसी लाया गया। जहां एक को डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। थाना क्षेत्र के पूरेलाल गांव निवासी शिव कुमार लोधी का 24 वर्षीय पुत्र सत्य प्रकाश उर्फमिथुन अपने साथी राजकुमार पुत्र मन्ना निवासी अलादातपुर के साथ बाइक से किसी काम से गया था। वापस लौटते समय जब यह लोग नवाबगंज के समीप पहुंचे तभी सामने से आ रही पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दिया जिससे दोनों घायल हो गए। उपचार के लिए सीएचसी लाया गया। जहां चिकित्सक ने सत्य प्रकाश उर्फमिथुन को मृत घोषित कर दिया।

वृद्ध को टक्कर मार पलटी कार, मौत

फतेहपुर। चांदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम हरिजनपुर मजरे मेंहदिया में गुरूवार की सुबह घर का कूड़ा फेंकने गए 66 वर्षीय वृद्ध को तेज रफ्तार चार पहिया वाहन टक्कर मारते हुए खंती में पलट गई। घटना में वृद्ध की मौके पर मौत हो गई। वहीं पुलिस ने वाहन व उसमें सवार चार लोगों को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार हरिजनपुर मजरे मेंहदिया गांव निवासी स्व. विश्वेश्वर प्रसाद वर्मा का पुत्र फूलचंद्र वर्मा आज सुबह घर का कूड़ा फेंकने रोड किनारे पहुंचा इसी बीच तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने उसे टक्कर मारकर अनियंत्रित होकर खंती में पलट गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जहां कार सवारों को हिरासत में ले लिया है।

आकाशीय बिजली गिरने से वृद्धा की मौत

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के ग्राम शिवपुर मजरे आदमपुर में बुधवार की शाम तेज आंधी व बूंदाबांदी के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से 58 वर्षीय वृद्ध महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शिवपुर मजरे आदमपुर गांव निवासी राम बहादुर सिंह की पत्नी रामश्री बुधवार की शाम खेत से घर वापस लौट रही थी तभी अचानक तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी होने लगी। जिससे वह बचने के लिए पेड़ के नीचे खड़ी हो गई। तभी आकाशीय बिजली गिर गई। जिसकी चपेट में आकर उसकी मौत हो गई।

ट्रेन में यात्री की अचानक मौत

फतेहपुर। दिल्ली से बिहार ट्रेन से जा रहे 35 वर्षीय युवक की अचानक तबियत खराब हो जाने से उसकी मौत हो गई। सूचना पर फतेहपुर जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। जानकारी के अनुसार बिहार प्रांत के जिला बेगूसरांय थाना गटपुरा के गांव अरकपुर निवासी सुरेश राय का पुत्र सुदामा दिल्ली में नौकरी करता था। बताते हैं कि छुट्टियों में वह कल ट्रेन से बिहार आ रहा था। तभी उसकी कानपुर निकलते ही तबियत बिगड़ गई जिस पर बोगी में बैठे यात्रियों ने इसकी जानकारी मौजूद टीटी को दी जिस पर टीटी ने कंट्रोल रूम फतेहपुर मे जानकारी दी और आज सुबह ट्रेन को स्टेशन में रोक कर जीआरपी ने बोगी से शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

किराएदार की अचानक हुई मौत

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के वर्मा चौराहा गढ़ीवा में गुरूवार की दोपहर किराए के मकान में रह रहे 45 वर्षीय युवक की अचानक तबियत बिगड़ जाने पर मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार वर्मा चौराहा गढ़ीवा निवासी बाबूराम का पुत्र राम कुमार उर्फबुद्दू गढ़ीवा में किराए के मकान में रहता था। आज दोपहर अचानक तबियत बिगड़ गई। जब तक लोग कुछ समझ पाते उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

पॉच के विरुद्ध दहेज एक्ट का मुकदमा दर्ज

गुरसहायगंज (कन्नौज)। अतिरिक्त दहेज न मिलनें पर ससुरालीजनों द्वारा विवाहिता के मारपीट करनें सहित धमकी दिये जाने का मामला प्रकाश में आया है। पीडिता नें कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम रुपपुर निवासी गीता पुत्री रामशरण द्वारा कोतवाली में दर्ज कराये गये मुकदमें में कहा गया है कि बीते विर्ष उसकी शादी पडोसी जनपद फर्रुखाबाद के थाना कमालगंज के ग्राम बहादुरपुर निवासी राहुल पुत्र सूरजपाल के साथ हुई थी।

पीएम मोदी के कार्यकाल में लोकतंत्र सबसे ज्यादा सुरक्षितः सांसद मुकेश राजपूत

फर्रुखाबाद। मोदीजी ने 400 पार का नारा दिया है वह पूरे देश में साकार होगा और मोदीजी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे।यह बात सांसद व भाजपा प्रत्याशी मुकेश राजपूत ने अपने आवास आई टी आई चौराहा पर प्रेस वार्ता में कही। भाजपा प्रदेश में 75 सीट जीतकर हैट्रिक बनाएगी। एनडीए सपा विकास रोकने के लिए चुनाव लड़ रही हैं। राजपूत ने कहा कि मोदीजी के कार्यकाल में लोकतंत्र सबसे ज्यादा सुरक्षित रहा है और मोदीजी ने हमेशा संविधान की रक्षा की है। संविधान बदलने का विपक्षी आरोप निराधार है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी कहते थे मैं एक रुपया भेजता हूं तो जनता को 15 पैसे मिलते हैं पर मोदीजी सभी पैसा जनता के बैंक खाते में सीधे भेजते हैं जिसमे एक भी रूपये की हेराफेरी नहीं होती है।उन्होंने कहा कि विपक्षी नेता मजार पर चादर चढ़ाने जाते है पर श्रीराम मन्दिर मुस्लिम वोटो के कारण नहीं जाते हैं।

बीज प्रतिष्ठानों पर संयुक्त टीम द्वारा कुल 49 छापे डालकर 30 बीज नमूने ग्रहीत किये

कानपुर देहात। अपर मुख्य सचिव कृषि उप्र शासन के रेडियोग्राम के निर्देश के अनुपालन में जिलाधिकारी महोदय के द्वारा बीजों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा कालाबाजारी रोकने तथा निर्धारित मूल्यों पर बीज को उपलब्ध कराने एवं कृषकों में वितरण कराने के लिए जनपद में पांच संयुक्त टीमें गठित कर उनकों तहसील आवंटित कर बीज प्रतिष्ठानों पर अचैक छापे डाले गये। जनपद में कुल 49 बीज प्रतिष्ठानों पर छापे डालकर 30 नमूने ग्रहित किये गये। जिला कृषि अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, कानपुर देहात के द्वारा तहसील सिकंदरा में छापे की कार्यवाही की गयी। 19 बीज प्रतिष्ठानों से कुल 10 नमूने ग्रहित किये गये। कटियार बीज भंडार रसधान, तिवारी बीज भंडार रसधान, अजय बीज भंडार सिकन्दरा, कटियार बीज भंडार सिकन्दरा, कुशवाहा बीज भंडार सिकंदरा से बीज नमूनें ग्रहित किया गया।

उप कृषि निदेशक कानपुर देहात एवं जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी के द्वारा तहसील अकबरपुर में 07 बीज प्रतिष्ठानों में छापा डालकर 05 नमूने ग्रहीत किए गये। उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी डेरापुर एवं सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता कानपुर देहात के द्वारा तहसील डेरापुर में 04 बीज प्रतिष्ठानों में छापा डालकर 02 नमूने ग्रहीत किए गये। उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी अकबरपुर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मत्स्य कानपुर देहात के द्वारा तहसील डेरापुर में 09 बीज प्रतिष्ठानों पर छापे डालकर 05 नमूने ग्रहीत किए गये। अपर जिला कृषि अधिकारी एवं जिला पिछडा कल्याण अधिकारी कानपुर देहात के द्वारा तहसील मैथा में 09 बीज प्रतिष्ठानों पर छापे डालकर 08 नमूने ग्रहीत किए गये।समस्त बीज विक्रेताओं को निर्देशित किया जाता है कि बीज का वितरण निर्धारित मूल्य पर बिक्री करें।

राजभाषा कार्यान्वयन को गति देना ही नराकास का उद्देश्यः केसी त्रिपाठी

● इंडियन बैंक की संयोजन, अगुवाई में

● नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का हुआ आयोजन

लखीमपुर खीरी। गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग भारत सरकार के निर्देश पर देश के प्रमुख राष्ट्रीयकृत बैंक इंडियन बैंक के संयोजन और अध्यक्षता में गुरुवार को होटल एलीट इन में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक हुए इसकी अध्यक्षता अंचल प्रमुखएइंडियन बैंक केसी त्रिपाठी ने की। बैठक का शुभारंभ वाणी की देवी मां सरस्वती की आराधना एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। समिति सदस्यों का स्वागत करते हुए मुख्य प्रबंधक अभिषेक पटेल ने कहा कि यह समिति लखीमपुर खीरी नगर स्थित कार्यालयों के मध्य के एक बेहतर और प्रेरणादाई वातावरण तैयार करने में सहायक सिद्ध होगी। समिति के सदस्यों के मध्य राजभाषा कार्यान्वन की स्थिति का विश्लेषण करते हुए सदस्य सचिव एवं वरिष्ठ प्रबंधक राजभाषा डॉ अंजनी कुमार पांडेय ने सदस्यों का आह्वान किया कि वह तिमाही प्रगति रिपोर्ट एवं छमाही प्रगति रिपोर्ट भरते समय अत्यंत सावधानी बरतें।

उपनिदेशक छबिल कुमार मेहर ने कहा कि हिंदी हमारे आत्म स्वाभिमान एवं गौरव की भाषा है। हिंदी संस्कार, संस्कृति एवं सामाजिक धरोहर की भाषा है, हमें हीनभावना से ऊपर उठकर हिंदी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देना चाहिए। हमें दैनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग में संकोच नहीं करना है बल्कि उसके प्रयोग में गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। समिति अध्यक्ष केसी त्रिपाठी ने कहा कि इंडियन बैंक को नराकास का संयोजक बनाया जाना। हमारे लिए गर्व की बात है। त्रिपाठी ने अंचल की की पत्रिका इंडगोकर्ण के प्रकाशन का निर्णय भी लिया।

लुटेरों के साथ पुलिस की मुठभेड़, तीन गिरफ्तार

● पुलिस ने सोने-चांदी के जेवरात, नगदी व चोरी का मोबाइल बरामद

खखरेरू (फतेहपुर)। खखरेरू पुलिस को बड़ी सफ्लता हाथ लग गई। एक माह पूर्व सराफा व्यवसाई के साथ हुई लूट की घटना में शामिल बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने घेराबंदी करके तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया और तलाशी के दौरान उनके पास से सोने-चांदी के आभूषण, अवैध तमंचा कारतूस व घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल सहित नगदी रुपए बरामद किए हैं। खखरेरू थाना क्षेत्र के अंतर्गत शिवपुरी से दामपुर जाने वाली रोड के कबरे तिराहे पर गुरूवार को खखरेरू थाना प्रभारी निरीक्षक अपने हमराही सिपाहियों के साथ सघन चेकिंग कर रहे थे तभी कबरे की ओर से एक मोटर साइकिल अपाचे पर तीन लोग आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने रोकने का इशारा किया तो अभियुक्तों ने भागने का प्रयास किया और अनियंत्रित होकर मोटर साइकिल से नीचे लड़खड़ाकर गिर गए। बाइक पर बैठे ब्यक्तियो ने चेकिंग टीम को लक्ष्यकर जान से मारने की नियत से फायर शुरू कर दिया। जवाबी कार्यवाही में आत्मरक्षार्थ पुलिस टीम ने भी गोली चलाई जिसमें सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के इजूरा बुजुर्ग गांव निवासी आसिफ पुत्र अशफाक व थाना खागा के अमाव गांव निवासी इशान पुत्र इब्राहिम के पैरों में गोली लग गई।

तीसरा व्यक्ति थाना सुल्तानपुर घोष के सोहदमऊ गांव निवासी तक्कीशीर पुत्र अंसार अहमद मौके से भागने का प्रयास कर रहा था, जिसे पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया। आनन-फानन में घायलों को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खखरेरू लें गये। अभियुक्तगणों के कब्जे से तलाशी के दौरान सोने की 4 नाक कील 4.650 मिली ग्राम, चांदी की ज्वैलरी 583 ग्राम, दो देशी तमंचा 315 बोर, दो खोखा कारतूस 315 बोर, चोरी की एक मोटरसाइकिल अपाचे व 13150 रुपए नगद बरामद किया। अभियुक्तगणों से पूछताछ की गयी तो उन्होने जुल्म कबूल करते हुए बताया कि 30 अपैल 2024 को बिछियावा गांव के पास जो लूट की घटना हुई थी उसे हम लोगों ने अन्य साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया था। बाइक के संबंध में बताया कि यह बाइक अग्रसेन स्मृति भवन थाना मूलगंज क्षेत्र जनपद कानपुर नगर से चोरी की थी।

एएसपी विजय शंकर मिश्र ने बताया कि 30 मई को प्रातः पांच बजे थाना खखरेरू क्षेत्र के दामपुर घाट पर बदमाशों व पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। जिसमें दो बदमाश पुलिस के आत्मरक्षार्थ गोलियां चलने पर घायल हुए हैं। इन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि इनके कब्जे से खखरेरू क्षेत्र से लूटे गए 585 ग्राम सोने चांदी के जेवरात व 13,150 रुपए नगद बरामद किए गए हैं। साथ ही चोरी में प्रयुक्त चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद की गयी है। जो 24 अप्रैल 2024 को कानपुर नगर से चोरी की गई है।

गर्मी के पारे ने पिछले वर्षों के रिकार्ड तोड़ दिए

फर्रुखाबाद। गर्मी का पारा 44 डिग्री सेल्सियस पार कर रहा है। लोग गर्मी से व्याकुल हो रहे हैं। हालात यहां तक हो गए हैं कि राहगीर हाथों में पंखा लेकर चलने को मजबूर हैं। बावजूद इसके, बिजली कटौती व लो-वोल्टेज की समस्या पहले से ही बरकरार है।ग्रामीण बुजुर्गों का कहना है कि जितनी गर्मी इस साल पड़ रही है, पहले कभी नहीं पड़ी। फिलहाल गर्मी जनित बीमारियां फैलने लगी हैं। अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ रही है। गर्मी के चलते पानी, कोल्ड ड्रिंक, ककड़ी, खीरा, तरबूज, खरबूज, नींबू, संतरा आदि फलों की मांग भी बढ़ गई है। दो पहिया वाहन पर सफर करने वाले लोग मुंह पर रूमाल लगाकर सफर कर रहे हैं। गर्मी के कारण नगर के पार्कों व बाजारों से भी रौनक गायब हो गई है। शाम के समय ही बाजारों में ग्राहक खरीदारी को आ रहे हैं। लोगों ने बताया कि मौसम में आए बदलाव के कारणजन-जीवन प्रभावित हो रहा है। दोपहर के समय तो घरों से निकलना तक मुश्किल हो रहा है। चिलचिलाती धूप और गर्मी से जनजीवन अस्त व्यस्त नजर आ रहा है। कड़ी धूप के बीच दोपहर होते ही सड़कों पर सन्नाटा पसर जा रहा है। गर्म हवा के थपेड़े और कड़ी धूप काया को झुलसा रहे हैं। भीषण गर्मी में इस समय यात्री भी बेहाल हैं। बस अड्डा व रेलवे स्टेशन पर दोपहर के समय सुनसान नजर आ रहे हैं।

यात्रियों का कहना है कि इस बार भीषण गर्मी के कारण सफर करने में भी दिक्कतें आ रही हैं। बस में सफर करते वक्त खिड़की खोलते हैं तो गर्म हवा सताती है। अगर बंद करते हैं तो पसीना और उमस दिक्कत बढ़ा दे देती है। दोपहर के समय तो कई बार आलम यह होता है कि गर्मी के कारण ऑटो तक नहीं मिलते। उन्हें काफी देर तक वाहन का इंतजार करना पड़ता है। गर्मी के कारण छतों पर रखी टंकियों में पानी उबल रहा है। दोपहर के बाद अगर टंकी के पानी से कोई हाथ धोता है तो पानी इतना गर्म होता है कि काफी देर तक उसे नल खुला छोड़ना पड़ता है। उसके बाद भी पानी इस लायक नहीं होता कि उसे नहाय जाए या फिर अन्य कामों में लाया जाए।

डीएम की सख्ती के बाद साहब को दिखने लगा खनन, दो ट्रैक्टर पकड़े, एक पलटा

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी की कड़ी फटकार के बाद अब खनन विभाग के अधिकारियों को अबैध खनन होता नजर आनें लगा है। लिहाजा अब खुद पर कार्यवाही से बचने के लिए खनन कारोबारियों पर हंटर चल रहा है। गुरुवार को भी खनन विभाग व जिला प्रशासन के अधिकारियों नें अबैध खनन में ट्रैक्टर-ट्राली पकड़कर पुलिस को सौंपी। मजे की बात यह है कि खनन क्षेत्र में लगातार होता रहता है लेकिन कार्यवाही के नाम पर केबल कागजों का पेट ही भरा जाता है। गुरुवार को थाना अमृतपुर क्षेत्र के ग्राम हुसैनपुर में अवैध मिट्टी खनन कर लिए जा रहे ट्रैक्टर ट्राली को पड़कर नायब तहसीलदार अतुल कुमार ने थाना पुलिस को सौंप दिया। नायब तहसीलदार का कहना है कि जिलाधिकारी के निर्देश पर खनन करनें वालों पर शिकंजा कसा जा रहा है। अब सबाल यह उठता है कि यदि जिलाधिकारी निर्देश न देते तो शिकंजा कसने की जगह ढीला रखा जाता।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 31 मई, 2024

राहुल ने अपने परदादा, दादी-पिता की सरकारों को बताया पिछड़ा और गरीब विरोधी : राजनाथ

भाषा। कुशीनगर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर अपनी ही दादी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पिता राजीव गांधी की सरकारों को पिछड़ा-विरोधी करार देने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि कोई भी समझदार व्यक्ति ऐसी कांग्रेस को ठोकर मार देगा। रक्षा मंत्री ने कुशीनगर में आयोजित एक चुनावी रैली में इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दलों- कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधा।

उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था, हमारे परिवार में कई प्रधानमंत्री रहे- परदादा (जवाहर लाल नेहरू), दादी (इंदिरा गांधी) और पिताजी (राजीव गांधी), इसलिए मैंने सिस्टम को बहुत नजदीक से देखा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऐसा कहकर उन्होंने बहुत कुछ स्वीकार कर लिया है। सिंह ने कहा, राहुल गांधी (खुद) कहते हैं कि तब का सिस्टम पिछड़ा-विरोधी और गरीब-विरोधी था। यानी (राहुल) अपने परदादा, दादी और पिताजी की सरकार को कह रहे हैं कि उस समय का सिस्टम पिछड़ा और गरीब विरोधी था। ए बातें खुद राहुल गांधी कर रहे हैं, यानी वह स्वीकार कर रहे हैं कि उनकी सरकार दलित, गरीब और पिछड़े वर्ग की विरोधी थी। बताइए क्या ऐसा नेता आपने कहीं देखा है? अजीबोगरीब नेता हैं। सिंह ने बगल में बैठे पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए आरपीएन सिंह से मुखातिब होते हुए कहा, कोई समझदार व्यक्ति होगा तो ऐसी कांग्रेस को ठोकर मार देगा। रक्षा मंत्री ने दावा किया, हम हिंदू-मुसलमान की राजनीति नहीं करते। हम सबको भारत का नागरिक मानते हैं। चाहे हिंदू हो, मुसलमान हो, ईसाई हो... हम कभी भेदभाव नहीं करते और न ही हमारे प्रधानमंत्री कभी ऐसा करते हैं। हमारी पार्टी के विचारधारा भी ऐसी नहीं है। विपक्ष हमारे बारे में गलतफहमी पैदा करता है। उन्होंने कहा, हम धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होने देंगे। मुस्लिम समाज में भी जो लोग गरीब हैं उनके लिए तो आरक्षण की व्यवस्था पहले से ही चली आ रही है। आप (विपक्ष) कहते हैं कि धर्म के आधार पर आरक्षण देंगे। यह पूरी तरह से असंवैधानिक है। सपा और कांग्रेस के लोग सिर्फ सरकार बनाने की चिंता करते हैं... देश बनाने की नहीं। सिंह ने एक देश, एक चुनाव की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि बार-बार चुनाव होना उचित नहीं है और पूरे देश में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होने चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस बार सत्ता में आने के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की पूरी कोशिश होगी कि देश में एक देश, एक चुनाव की व्यवस्था लागू हो। रक्षा मंत्री ने कहा कि 2027 तक भारत, अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं अगर भाजपा की सरकार ऐसे ही चलती रही तो देश 2047 तक विकसित बनने के बाद 2070 तक दुनिया का सबसे धनवान मुल्क बन जाएगा। सिंह ने सपा और कांग्रेस पर झूठ बोलकर जनता का समर्थन हासिल करने की कोशिश का आरोप लगाया और दावा किया कि भाजपा हिंदुस्तान की एक ऐसी राजनीतिक पार्टी है जो जनता की आंखों में धूल झोंककर राजनीति करने के बजाय जनता की आंखों में आंख डालकर राजनीति करती है। उन्होंने यह भी कहा, मैं तो अपने प्रेस के दोस्तों से भी कहता हूं कि अगर हमारी कोई बात गलत हो तो अपने अखबारों में लिख देना। हमारी गलती होगी तो मैं स्वीकार कर लूंगा, क्योंकि जनता को गुमराह करके और उसे धोखा देकर मैं कभी भी समर्थन हासिल नहीं करना चाहूंगा। हो सकता है हमारे यहां कोई व्यक्ति या कार्यकर्ता जो कहे वह न हो, लेकिन पार्टी सोच समझकर जो फैसला करेगी, जो बोलेगी, वह होकर रहेगा।

मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद में सुनवाई जारी, आज भी होगी बहस

प्रयागराज। मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह मस्जिद विवाद को लेकर विचाराधीन सिविल वादों की सुनवाई जारी है। गुरुवार को मस्जिद पक्ष की ओर से कई केसों में लिखित बहस दाखिल की गई और कहा गया कि यह मुकदमा वक्फ अधिनियम के साथ पूजा स्थल अधिनियम के प्रावधानों से वर्जित है। शाही ईदगाह मस्जिद ढांचे को हटाने के बाद कब्जे के साथ मंदिर की बहाली और स्थायी निषेधाज्ञा के लिए दाखिल मुकदमों में प्रार्थना से पता चलता है कि मस्जिद वहां है और इंतजामिया कमेटी का उस पर कब्जा है। इस तरह वक्फसंपत्ति पर विवाद उठाया गया है और इसमें वक्फअधिनियम के प्रावधान लागू होंगे। ऐसे में इस विवाद पर सुनवाई का क्षेत्राधिकार वक्फ न्यायाधिकरण को है न कि सिविल कोर्ट को। कहा गया कि पक्षकारों ने 12 अक्टूबर 1968 को समझौता कर लिया था और कहा कि 1974 में तय किए गए दीवानी मुकदमे में समझौते की पुष्टि की गई थी। इस प्रकार इतने लंबे समय के बाद कोई मुकदमा दायर नहीं किया जा सकता। क्योंकि समझौते को चुनौती देने की सीमा तीन साल तय है और मुकदमा 2020 में किया गया है। इस प्रकार यह सिविल वाद मियाद अधिनियम से वर्जित है। मस्जिद पक्ष की बहस के बाद मंदिर पक्ष की ओर से कहा गया कि प्रतिवादी संख्या 1 व 2 ने सीपीसी के आदेश सात नियम 11 के प्रार्थना पत्र पर पूजा स्थल अधिनियम व मियाद अधिनियम की ही लिखित बहस की थी अब उससे हटकर बहस की गई है जिसे रिकॉर्ड पर न जोड़ा जाए।

मौलवी ने विक्षिप्त नाबालिग का जबरन कराया धर्म परिवर्तन, हाईकोर्ट ने जमानत देने से किया इंकार

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मस्जिद के मौलवी को जमानत देने से इनकार कर दिया। मौलवी पर मानसिक रूप से विक्षिप्त नाबालिग लड़के को बहला फुसलाकर उसका धर्म परिवर्तन कराने के बाद उसे जबरन मदरसे में रखने का आरोप लगाया गया है। न्यायमूर्ति समीर जैन की पीठ ने मौलवी को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि आरोपी के खिलाफ गंभीर आरोप हैं। कथित पीड़ित ने भी सीआरपीसी की धारा 161 के तहत दर्ज अपने बयान में उसके खिलाफ आरोप लगाए हैं। आरोपी याची मौलवी सैयद शाद उर्फ मो शाद को इसी साल 18 फरवरी को आईपीसी की धारा 504 और 506 और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 की धारा 3ध्5 ;1द्ध के तहत गिरफ्तार किया गया था। मामले में जमानत की मांग करते हुए आरोपी ने अदालत का रुख किया था। याची मौलवी के खिलाफ मुकदमा थाना नौबस्ता कानपुर नगर में दर्ज कराया गया है। याची के वकील ने तर्क दिया कि उसे झूठे आरोप के आधार पर वर्तमान मामले में आरोपी बनाया गया है। यह भी तर्क दिया गया कि कथित पीड़ित मानसिक रूप से विक्षिप्त था और उसने न तो अपना धर्म बदला और न ही उसे धर्म बदलने के लिए मजबूर किया गया। दूसरी ओर सरकारी वकील ने जमानत प्रार्थना का विरोध किया और प्रस्तुत किया कि आवेदक मस्जिद में मौलवी है। जिसने न केवल सूचनाकर्ता के मानसिक रूप से विक्षिप्त नाबालिग बेटे को अपना धर्म बदलने के लिए बहलाया बल्कि उसे बहलाने के बाद उसे मदरसे में रखा और उसके बाद जबरन उसका धर्म बदल दिया। इस पृष्ठभूमि में यह देखते हुए कि याची मस्जिद में मौलवी है और उस पर मानसिक रूप से विक्षिप्त नाबालिग का जबरन धर्म परिवर्तन करने का आरोप लगाया गया है। न्यायालय ने आरोपों की गंभीरता और प्रस्तुत साक्ष्य को देखते हुए उसे जमानत देने से इंकार कर दिया।

मां के साथ रह रहे बच्चे की अभिरक्षा अवैध नहीं

बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पोषणीय न मानते हुए खारिज कोर्ट ने कहा,पिता उचित फोरम में कर सकता है मांग

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि यदि बच्चे की अभिरक्षा विधि विरुद्ध नहीं है तो बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल नहीं की जा सकती। कोर्ट ने कहा बच्चा मां के साथ है तो पिता द्वारा दाखिल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पोषणीय नहीं है। वह अपने विजिटर अधिकार की मांग उचित फोरम में कर सकता है।मां के साथ रह रहे बच्चे की अभिरक्षा पिता को सौंपी नहीं जा सकती क्योंकि मां बच्चे की नैसर्गिक संरक्षक होती है।इसे अवैध अभिरक्षा नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा केवल बच्चे की अवैध अभिरक्षा की दशा में हस्तक्षेप कर बच्चे के हित में अभिरक्षा में बदलाव किया जा सकता है। कोर्ट ने पिता द्वारा मां के साथ जन्म से रह रहे बच्चे की अभिरक्षा को अवैध बताते हुए दाखिल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति डा वाई के श्रीवास्तव ने मास्टर शिव सिंह और अन्य की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर दिया है। याचिका पर अधिवक्ता अक्षय रघुवंशी ने बहस की। इनका कहना था कि 13 मई 18 को शादी हुई और गर्भवती पत्नी 10 अगस्त 18 को मायके चली गई। वहीं बच्चे का 11 जनवरी 19 को जन्म हुआ। याची संख्या दो पति के ससुर ने उसे बच्चे से मिलने नहीं दिया। जिस पर यह याचिका दायर की गई थी।

मकान खाली कराने का मामला

सपा नेता आजम खां को दस साल की कैद, 14 लाख रुपये का जुर्माना

भाषा। रामपुर

रामपुर जिले की एक विशेष अदालत ने एक व्यक्ति का घर जबरन खाली कराकर उसे ध्वस्त करवाने के आठ साल पुराने एक मामले में समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खां को बृहस्पतिवार को 10 साल की कैद और 14 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। इस मामले में खां तथा एक अन्य अभियुक्त ठेकेदार बरकत अली को बुधवार को दोषी करार दिया गया था। उन्हें आज सजा सुनाई गई। वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी शिव प्रकाश पांडेय ने बताया कि डूंगरपुर बस्ती के निवासी अबरार ने छह दिसम्बर 2016 को गंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया था जिसमें आजम खां, सेवानिवृत्त पुलिस क्षेत्राधिकारी आले हसन और ठेकेदार बरकत अली पर घर में घुसकर लूटपाट और मारपीट करने का आरोप लगाया गया था। यह भी इल्जाम था कि जबरन घर खाली करवाकर उसे ध्वस्त करा दिया गया था। पांडेय ने बताया कि इस मामले में विशेष एमपीएमएलए अदालत (सत्र न्यायालय) के न्यायाधीश डॉक्टर विजय कुमार ने खां तथा एक अन्य अभियुक्त ठेकेदार बरकत अली को बुधवार को दोषी करार दिया था। अदालत ने आज आजम खां को 10 साल की कैद और 14 लाख रुपए जुर्माने की सजा और ठेकेदार बरकत अली को सात साल की कैद और छह लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई।

उन्होंने बताया कि इस मामले में पूर्व पुलिस अफसर आले हसन भी अभियुक्त था लेकिन उसके खिलाफ सुनवाई पर उच्च न्यायालय के स्थगन आदेश की वजह से उसकी पत्रावली अलग कर दी गई थी।

आंबेडकर के चित्र वाले पोस्टर फाड़ने पर आव्हाड के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

मुंबई (भाषा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र के कई हिस्सों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा-शरदचंद्र पवार) के विधायक जितेंद्र आव्हाड के खिलाफ प्रदर्शन किया और उन पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया। राज्य के पूर्व मंत्री आव्हाड ने बुधवार को मनुस्मृति की निंदा करने वाले पोस्टर फाड़ने के लिए माफी मांगी, जिन पर आंबेडकर की भी तस्वीर थी। आव्हाड ने मनुस्मृति के कुछ श्लोकों को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की राज्य सरकार की कथित योजना के खिलाफ रायगढ़ जिले के महाड में एक विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। उन्होंने पहले कहा था कि प्राचीन ग्रंथ जाति व्यवस्था का समर्थन और महिलाओं का अपमान करता है। उन्होंने लोगों से इस फैसले का विरोध करने को कहा था। उस विरोध प्रदर्शन का वीडियो सोशल मीडिया मंचों पर प्रसारित होने के बाद विवाद खड़ा हो गया था जिसमें आव्हाड पोस्टरों को फाड़ते हुए दिखाई दे रहे थे जिन पर आंबेडकर की तस्वीर भी थी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को मुंबई, नागपुर, ठाणे और नासिक सहित राज्य के विभिन्न शहरों में प्रमुख स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया और आव्हाड के कृत्य की निंदा की। भाजपा के एक पदाधिकारी की शिकायत पर पुणे के बंडगार्डन पुलिस थाने में आव्हाड के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। राकांपा-एसपी की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख जयंत पाटिल ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जितेंद्र आव्हाड डॉ. आंबेडकर की शिक्षाओं को बचाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। कोई भी डॉ. आंबेडकर के प्रति उनकी ईमानदारी और समर्पण पर संदेह नहीं कर सकता। विरोध के दौरान अनजाने में जो कुछ हुआ उसके लिए उन्होंने पहले ही माफी मांग ली है। मुझे विश्वास है कि आंबेडकर के अनुयाई विपक्ष के झूठे अभियान का शिकार नहीं होंगे। आव्हाड ने अपने एक्स हैंडल पर पाटिल की टिप्पणी को पुन: पोस्ट करते हुए कहा कि वह अब अकेला महसूस नहीं कर रहे हैं। इस मामले को लेकर महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं ने बृहस्पतिवार को अलग-अलग मत व्यक्त किया।

राज्य के मंत्री और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने कहा, आव्हाड का महाड जाने का इरादा सही था।

प्रज्वल का राजनयिक पासपोर्ट रद करने पर विदेश मंत्रालय ने कहा : जवाब के बाद होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। कई महिलाओं के यौन उत्पीड़न के आरोपी सांसद प्रज्वल रेवन्ना को विदेश मंत्रालय द्वारा उनके राजनयिक पासपोर्ट को रद्द करने के संबंध में भेजे गए कारण बताओ नोटिस पर जवाब के लिए दो जून तक का समय दिया गया है। जनता दल (सेक्युलर) सांसद रेवन्ना के संभावित रूप से 31 मई को जर्मनी से भारत लौटने के पहले विदेश मंत्रालय ने यह बात बृहस्पतिवार को कही। विदेश मंत्रालय ने रेवन्ना को 23 मई को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा था कि उनके खिलाफ यौन शोषण के आरोपों के मद्देनजर कर्नाटक सरकार की मांग के अनुसार उनका राजनयिक पासपोर्ट क्यों न रद्द कर दिया जाए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमें कर्नाटक सरकार से 21 मई को एक अनुरोध मिला। भारतीय पासपोर्ट कानून के अनुसार हमने 23 मई को प्रज्वल रेवन्ना का (राजनयिक) पासपोर्ट रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की। उन्होंने कहा, तेईस मई को हमने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया। उन्हें 10 दिन में नोटिस का जवाब देना है। हम उनके जवाब का इंतजार कर रहे हैं। दस दिन बीतने के बाद हम इसके अनुसार कार्वाई करेंगे। जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में एक सवाल पर यह टिप्पणी की। विदेश मंत्रालय ने कर्नाटक सरकार से एक पत्र मिलने के बाद प्रज्वल रेवन्ना का पासपोर्ट रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की थी। पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना यौन शोषण मामलों के केंद्र में हैं और हासन के सांसद अपने निर्वाचन क्षेत्र में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान के एक दिन बाद 27 अप्रैल को विदेश चले गए।

गैंगस्टर छोटा राजन को होटल व्यवसायी की हत्या के जुर्म में आजीवन जेल की सजा

मुंबई। मुंबई की एक विशेष अदालत ने 2001 में होटल व्यवसाई जय शेट्टी की हत्या के जुर्म में गैंगस्टर छोटा राजन को बृहस्पतिवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत मामलों के विशेष न्यायाधीश एएम पाटिल ने राजन को हत्या के जुर्म में भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया। जय शेट्टी मध्य मुंबई के गामदेवी में गोल्डन क्राउन होटल का मालिक था।छोटा राजन गिरोह की ओर से जबरन वसूली की धमकियों का सामना कर रहे जय शेट्टी को गिरोह के दो कथित सदस्यों ने चार मई 2001 को होटल की पहली मंजिल पर गोली मार दी थी। अदालत का विस्तृत आदेश अभी उपलब्ध नहीं है।पुलिस ने होटल प्रबंधक की शिकायत के आधार पर हत्या का मामला दर्ज किया था। मामले की जांच से पता चला कि शेट्टी को छोटा राजन गिरोह के सदस्य हेमंत पुजारी से रंगदारी के लिए फोन आया था और पैसे न देने पर उसकी हत्या कर दी गई।राजन के खिलाफ जबरन वसूली और संबंधित अपराधों के लिए कई मामले दर्ज किए गए हैं, इसलिए होटल व्यवसाई की हत्या के मामले में उसके और अन्य आरोपियों के खिलाफ मकोका के तहत भी आरोप जोड़े गए।

साइन सिटी कम्पनी फ्रॉड मामला

लचर विवेचना पर हाईकोर्ट ने जताई सख्त नाराजगी

ईडी के सहायक निदेशक, ईडब्ल्यूओ के महानिदेशक और सचिव गृह को किया, तलब कोर्ट ने मांगी सफाई

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 237 करोड़ से अधिक के साइन सिटी कंपनी फ्रॉड मामले में दर्ज 284 एफआईआर की ईडी और अन्य एजेंसियों द्वारा की जा रही विवेचना को संतोषजनक नहीं माना। कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट के हस्तक्षेप पर विवेचना शुरू हुई किन्तु पिछले 16 माह में करोड़ों के इस घोटाला में कोई प्रगति नहीं हुई। कोर्ट ने विवेचना अधिकारी ई डी के सहायक निदेशक को रिकॉर्ड सहित तलब किया है। साथ ही प्रदेश की आर्थिक अपराध शाखा के महानिदेशक और प्रदेश के गृह सचिव को लचर विवेचना की सफाई के साथ 31 मई को दस बजे सुबह कोर्ट में हाजिर होने का आदेश दिया है। कोर्ट ने जानना चाहा है कि विगत 16 महीने में करोड़ों के गंभीर फ्रॉड की विवेचना में कोई प्रगति क्यों नहीं की गई।यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ तथा न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने श्रीराम राम की आपराधिक याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याचिका की अगली सुनवाई 31 मई को सुबह दस बजे होगी। मालूम हो कि अभियुक्तों ने अवैध रूप से एक वेब कंपनी बनाई और कई स्कीमें लांच की। निवेशकों के साथ धोखा होने पर एफआईआर दर्ज की गई मगर इसकी विवेचना लचर रही। हाईकोर्ट के हस्तक्षेप पर कुछ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। मुख्य अभियुक्त राशिद नसीम नेपाल में गिरफ्तारी के बाद छूटते ही दुबई भाग गया और वहीं से अपराध का संचालन कर रहा है। रेड कार्नर नोटिस के बाद भी पकड़ कर लाया नहीं जा सका। कोर्ट ने सीरियस फ्रॉड इंवेस्टीगेशन आफिस एस एफआईओ व ईडी को विवेचना सौंपी। प्रदेश की आर्थिक अपराध विंग भी विवेचना में जुटी है। सारे फ्रॉड 2018 से 2021 तक हुए हैं। नवम्बर 22 में एस एफआई ओ ने तीन माह व ई डी ने 40 दिन का समय मांगा किंतु कोई ठोस नतीजा नहीं आया। मुख्य अभियुक्त दुबई में बैठा है। राशिद नसीम राहत फाउंडेशन और भाव्या ब्राडकासिंटग कंपनी का ट्रस्टी है। इन कंपनियों की कोई जांच नहीं की गई। आर्थिक अपराध विंग ने नसीम की पत्नियों को नोटिस जारी कर शांत हो गई। कोर्ट ने 21 दिसम्बर 22 को इस बात पर नाराजगी जताई थी कि अधिकारियों को अपराध का पता होने के बावजूद नसीम को दुबई में पासपोर्ट जारी कर दिया गया।

पेज 1 का शेष

देश को...

उन्होंने कुछ झूठे बयानों के लिए भी मुझे जिम्मेदार ठहराया है। मोदी ने सिंह पर आरोप लगाया था कि उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। सिंह ने कहा कि भारत के लोग यह सब देख रहे हैं। सिंह ने पत्र में कहा, अमानवीयकरण की यह कहानी अब अपने चरम पर पहुंच गई है। अब यह हमारा कर्तव्य है कि हम अपने प्यारे देश को इन कलहकारी ताकतों से बचाएं। लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के चुनाव प्रचार के आखिरी मौके पर एआईसीसी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा कि लोगों ने उनके विचार का समर्थन किया है कि अगर मौजूदा सरकार को एक और मौका मिलता है तो यह लोकतंत्र का अंत होगा। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी ने पिछले 15 दिनों में अपने भाषणों में 232 बार कांग्रेस का और 758 बार अपना नाम लिया। खड़गे ने दावा किया, उन्होंने एक बार भी बेरोजगारी के बारे में बात नहीं की। खड़गे ने एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री की उस टिप्पणी पर भी कटाक्ष किया कि महात्मा गांधी के बारे में वैश्विक जागरूकता रिचर्ड एटनबरो की फिल्म के बाद आई। उन्होंने कहा कि उन्होंने गांधी के बारे में अध्ययन नहीं किया होगा लेकिन महात्मा को दुनिया भर में जाना जाता है। उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन्हें महात्मा गांधी के बारे में फिल्म गांधी देखने के बाद पता चला। यह हास्यास्पद है, शायद नरेंद्र मोदी ने गांधीजी के बारे में कभी नहीं पढ़ा।

अंतिम चरण...

आलोचकों ने खारिज कर दिया और भाजपा के उत्साही समर्थकों ने इसे हाथों-हाथ लिया। प्रधानमंत्री ने चुनाव शुरू होने के बाद से प्रतिदिन औसतन एक से अधिक, कुल 80 मीडिया साक्षात्कार दिए। प्रचार अभियान में मोदी के नेतृत्व में भाजपा नेताओं ने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर भ्रष्ट, हिंदू विरोधी और लूट, तुष्टिकरण और वंशवादी राजनीति में शामिल होने का आरोप लगाया।

दिल्ली में...

स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी) के अनुसार, बृहस्पतिवार को बिजली की अधिकतम मांग 8,000 मेगावाट के आंकड़े को पार करते हुए 8,091 मेगावाट थी। हरियाणा की दिल्ली सरकार द्वारा अपने हिस्से का पानी नहीं देने के कथित दावों को लेकर भाजपा नीत हरियाणा सरकार और आप नीत दिल्ली सरकार के बीच खींचतान जारी है। दिल्ली सरकार ने संकट पर एक आपात बैठक की और यह भी कहा कि स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए कई उपायों की घोषणा करते हुए वे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने वजीराबाद यमुना जलाशय का स्थलीय निरीक्षण भी किया और कहा कि वह इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को पत्र लिखेंगी। उन्होंने कहा कि जल संकट भीषण गर्मी और हरियाणा द्वारा पानी न छोड़े जाने का नतीजा है। इस बीच, शहर में आग से संबंधित दुर्घटनाओं में तेजी से वृद्धि हुई है और बुधवार को कॉल बढ़कर 180 हो गई, जिसमें दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) द्वारा प्राप्त एक-दिवसीय कॉल की तुलना में लगभग तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई। राष्ट्रीय राजधानी में लू की स्थिति बनी हुई है। डीएफएस प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा है कि यह संख्या बहुत बड़ी और चिंताजनक है क्योंकि इन आग ने कई लोगों की जान ले ली है, जिनमें शनिवार को लगी आग के कारण 10 लोगों की जान चली गई है, जिसमें एक निजी नवजात अस्पताल में छह नवजात शिशु भी शामिल हैं। सेवाओं को 220 कॉल प्राप्त हुईं, जिनमें 183 आग से संबंधित कॉलें शामिल हैं, जो इस वर्ष अब तक की सबसे अधिक हैं। शेष कॉलें पक्षी एवं पशु बचाव से संबंधित थीं। उन्होंने कहा, यह इस साल अब तक दर्ज की गई सबसे अधिक एकल-दिवसीय कॉल थी। आमतौर पर, हमें पूरे गर्मी के मौसम में लगभग 150 कॉल प्राप्त होती हैं - 60 आग से संबंधित होती हैं और शेष जानवरों के बचाव से संबंधित होती हैं। लेकिन इस बार तीन गुना वृद्धि हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अब तक राष्ट्रीय राजधानी में आग से जुड़ी घटनाओं में 55 लोगों की मौत हो चुकी है और 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। जनवरी में आग से संबंधित घटनाओं में सोलह लोग मारे गए, फरवरी में 16, मार्च में 12, अप्रैल में चार और 26 मई तक सात लोग मारे गए। गर्ग ने कहा, जनवरी में हमें 1,204 कॉल, फरवरी में 1,032 आग से संबंधित कॉल, मार्च में 1,328 कॉल, अप्रैल में हमें 2,357 कॉल और 26 मई की मध्यरात्रि तक 2,991 कॉल प्राप्त हुईं। 29 मई को, हमें आग से संबंधित सबसे अधिक कॉल प्राप्त हुईं। बृहस्पतिवार को भी दिल्ली और नोएडा के आसपास के कई हिस्सों में आग लग गई, जिसमें मिलेनियम पार्क में एक छोटी घटना और उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर 100 में एक ऊंची इमारत में भीषण आग लग गई। इस बीच, दिल्ली सरकार हरियाणा द्वारा राष्ट्रीय राजधानी के हिस्से का पानी कथित तौर पर न जारी करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी, जिससे संकट की स्थिति पैदा हो गई है, जबकि स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए कई उपायों की घोषणा की जाएगी। दिल्ली के जल मंत्री ने वजीराबाद यमुना जलाशय का क्षेत्रीय निरीक्षण भी किया और कहा कि वह इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को पत्र लिखेंगी। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'आज मैं केंद्र सरकार को भी पत्र लिखूंगी। यह सुनिश्चित करना उनकी भी जिम्मेदारी है कि दिल्ली को उसके हिस्से का पानी मिले। हरियाणा को दिल्ली का पानी रोकने का कोई अधिकार नहीं है।

केरल और.....

यह देश में चार महीने के वर्षा ऋतु की शुरुआत का प्रतीक है। केरल के लिए सामान्य मानसून की शुरुआत की तारीख 1 जून है और अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, नागालैंड, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर और असम के लिए यह 5 जून है।

अरविंद केजरीवाल...

सात दिन की अंतरिम जमानत के लिए अर्जी दायर की है। उन्होंने अपने स्वास्थ्य जांच के लिए जमानत की अवधि बढ़ाने की मांग की, क्योंकि ईडी की हिरासत के दौरान उनका वजन 6-7 किलो कम हो गया था। उन्होंने कहा, इस तरह अचानक और बिना वजह वजन कम होना कई गंभीर बीमारियों का संकेत है। उनका कीटोन स्तर गंभीर स्तर पर पहुंच गया है। आतिशी ने दावा किया कि केजरीवाल के डॉक्टरों ने उन्हें कैंसर, किडनी की बीमारियों और हृदय संबंधी समस्याओं के लिए परीक्षण कराने की सलाह दी है। आतिशी ने कहा, ईडी उनकी अंतरिम जमानत याचिका का विरोध क्यों कर रही है, भाजपा इसका विरोध क्यों कर रही है। मैं भाजपा और ईडी से पूछना चाहती हूं, आप केजरीवाल के परीक्षणों का विरोध क्यों कर रहे हैं, मैं उनसे पूछना चाहती हूं, आपने केजरीवाल के साथ ऐसा क्या किया कि उनका वजन बिना वजह कम हो गया। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार ने हाल ही में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में उनकी अंतरिम जमानत को एक सप्ताह के लिए बढ़ाने की मांग वाली अर्जी खारिज कर दी थी (अरविंद केजरीवाल बनाम प्रवर्तन निदेशालय)।

जम्मू में....

के टुंगी मोड़ पर हुई। जम्मू पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी अनुसार, यूपी 81सीटी-4058 नंबर की बस कुरुक्षेत्र से रियासी जिले में शिव खोड़ी मंदिर श्रद्धालुओं को लेकर जा रही थी तभी गुरुवार को दोपहर करीब 12.35 बजे यह दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें 22 यात्रियों की मौत हो गई और 54 अन्य घायल हो गए।पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शवों को अखनूर में उप जिला अस्पताल में भिजवा दिया है। उन्होंने बताया कि घायल यात्रियों में से सात को अखनूर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है और 40 को जम्मू में राजकीय मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि शुरुआत में मरीजों को अखनूर अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

अग्निबाण....

अग्निकुल 2025 के वित्तीय वर्ष के अंत में एक कक्षीय मिशन उड़ाने पर विचार कर रहा है। हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस नवंबर 2022 में अपना सब-ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-एस लॉन्च करने वाली पहली निजी भारतीय इकाई थी। अंतरिक्ष नियामक भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र के अध्यक्ष पवन गोयनका ने कहा कि अग्निबाण का सफल प्रक्षेपण भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। गोयनका ने कहा, अग्निबाण का सफल प्रक्षेपण न केवल अग्निकुल कॉसमॉस के लिए एक मील का पत्थर है, बल्कि निजी खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है जो भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र को बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं। 22 मार्च के बाद अग्निकुल द्वारा अग्निबाण को लॉन्च करने का यह पांचवां प्रयास था।

मोदी को समझने में गलती ना करें, नहीं तो सात पीढ़ियों के पाप खोलकर रख दूंगा: प्रधानमंत्री

होशियारपुर (पंजाब)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को विपक्षी गठबंधन इंडिया पर सेना को राजनीति का हथियार बनाने का आरोप लगाया और उसे चुनौती देते हुए कहा कि वह उन्हें समझने में कोई गलती ना करे क्योंकि अगर उन्होंने मुंह खोल दिया तो उसकी सात पीढ़ियों के पाप सार्वजनिक हो जाएंगे। लोकसभा चुनाव के सातवें चरण का प्रचार थमने से पहले वह अपनी आखिरी चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। इस चुनाव में मोदी के तीखे प्रहार उनके चुनाव प्रचार अभियान का मुख्य आकर्षण रहे हैं। इनकी जहां आलोचना भी हुई वहीं उन्होंने इसके जरिए भाजपा समर्थकों का उत्साह बढ़ाने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। चुनाव 2024 का प्रचार बृहस्पतिवार को समाप्त हो गया। पंजाब में। जून को अंतिम चरण में मतदान होगा। सेना को सबसे सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपनी सरकार के प्रयासों को रेखांकित करते हुए मोदी ने कहा, सेना बनती है तो हमें हर चीज का ध्यान रखना होता है। मुकाबला किससे करना है, लड़ाई होगी तो किसके साथ होगी, युद्ध होगा तो किससे होगा, उसकी ताकत क्या है, उसके हिसाब से सेना को तैयार करना होता है। सिर्फ 26 जनवरी को परेड के लिए सेनाएं तैयार नहीं होती है। उन्होंने कहा कि सेनाएं लड़ाई के लिए, दुश्मन के दांत खट्टे करने और मां भारती की रक्षा के लिए बनाई जाती हैं।

मोदी ने विपक्षी इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा, लेकिन इन्होंने सेना को भी राजनीति का हथियार बना दिया है। इससे बड़ा पाप कोई नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा, मैं इंडी अलायंस वालों को कह रहा हूं। मैं चुप बैठा हूं इसका मतलब ए.... गलती मत करिए मोदी को समझने में...अगर मोदी जिस दिन मुंह खोलेगा, तुम्हारी सात पीढ़ी के पाप निकाल कर रख देगा। उनका यह हमला कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के सदस्यों द्वारा अग्निपथ योजना को लेकर केंद्र सरकार को निशाना बनाने की पृष्ठभूमि में आया है। विशेष रूप से, कांग्रेस ने कहा है कि अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आता है तो वह अग्निपथ योजना को रद्द कर देगा। मोदी ने अपने हमले में हालांकि इस योजना का जिक्र नहीं किया। प्रधानमंत्री इंडिया गठबंधन को अक्सर इंडी अलायंस कहकर संबोधित करते हैं। उन्होंने कहा, आप जितना चाहें मोदी को गाली दे दें लेकिन मोदी देश के सशस्त्र बलों का यह अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन ने सेना को कमजोर करने में कभी कोई कसर नहीं छोड़ी।

कांग्रेस को निशाना बनाते हुए मोदी ने जीप घोटाले, बोफोर्स, पनडुब्बी और सेना के ट्रक घोटाले का जिक्र किया और कहा कि उन्होंने सेना की जरूरतों की कभी परवाह नहीं की। मोदी ने आरोप लगाया, उन्होंने भ्रष्टाचार में लिप्त होकर केवल सरकारी खजाने को लूटने और खाली करने की योजना बनाई। उन्होंने कांग्रेस पर तेजस लड़ाकू विमान परियोजना को ठंडे बस्ते में डालने का भी आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने कहा, उन्होंने सीडीएस (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ) के मुद्दे को कई वर्षों तक लटकाए रखा। ए वे लोग हैं जिन्होंने सेना के आधुनिकीकरण के लिए कई वर्षों तक महत्वपूर्ण सुधार नहीं होने दिए। मोदी ने एक बार फिर वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) के मुद्दे को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि उसने इस मुद्दे पर 40 साल तक पूर्व सैनिकों से झूठ बोला। प्रधानमंत्री ने कहा, वे सैनिकों की आंखों में धूल झोंकते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने ही ओआरओपी लागू किया था।

मोदी ने इस लोकसभा चुनाव में 206 जनसभाएं और रोड शो किए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को पंजाब के होशियारपुर में एक रैली के साथ अपने चुनावी अभियान का समापन किया। इसके साथ ही उन्होंने निर्वाचन आयोग द्वारा 16 मार्च को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा किए जाने के बाद से कुल 206 जनसभाएं और रोड शो किए। प्रधानमंत्री ने इससे पहले 2019 के चुनावों के दौरान लगभग 145 सार्वजनिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था। इस बार उन्होंने इससे ज्यादा चुनाव प्रचार किया और जनसभाओं को संबोधित किया। इस बार चुनाव प्रचार का समय 76 दिनों का था, जबकि पांच साल पहले चुनाव में 68 दिन थे।

निर्वाचन आयोग ने जब चुनावों की घोषणा की थी तो मोदी दक्षिण भारत के राजनीतिक दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने 15 मार्च से 17 मार्च के बीच तीन दिनों में दक्षिण भारत के सभी पांच राज्यों को कवर किया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की इस चुनाव में कोशिश तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश में अपनी स्थिति मजबूत करने की है। इन तीनों राज्यों में 2019 के चुनाव में भाजपा एक भी सीट जीत नहीं सकी थी। पार्टी के लिए इस चुनाव में कर्नाटक में अपनी ताकत बनाए रखने और तेलंगाना में अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश भी रही है। साल 2019 में भाजपा ने कर्नाटक की 28 में से 25 सीट जीती थी जबकि तेलंगाना में उसने चार सीट पर सफलता दर्ज की थी।

प्रधानमंत्री मोदी के इस धुआंधार चुनाव प्रचार का जनता पर कितना असर रहा, इसका पता तो 4 जून को ही लगेगा जब चुनाव परिणाम घोषित होंगे। करीब 73 साल की उम्र में मोदी ने जितनी सभाएं की और जो दूरी तय की, इस मामले में उनके नजदीक भी कोई नेता नहीं टिकता। वह अपनी पार्टी के लिए मतदाताओं को आकर्षित वाला सबसे बड़ा आकर्षण रहे। इस दौरान दिए गए भाषणों के लिए आलोचकों ने उनकी आलोचना भी की तो भाजपा के उत्साही समर्थकों का जोश भी बढ़ा। प्रधानमंत्री ने इस दौरान कुल 80 मीडिया साक्षात्कार भी दिए। मतदान शुरू होने के बाद से औसतन उन्होंने प्रतिदिन एक से अधिक साक्षात्कार दिए हैं। मोदी बृहस्पतिवार शाम से एक जून तक ध्यान लगाने के लिए कन्याकुमारी में रहेंगे। इस दौरान वह स्वामी विवेकानंद से जुड़े स्थल पर ध्यान करेंगे।

पीएम मोदी ने कन्याकुमारी विवेकनंद रॉक मेमोरियल में ध्यान साधना शुरू की

भाषा। कन्याकुमारी (तमिलनाडु)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार की शाम यहां प्रसिद्ध विवेकानंद रॉक मेमोरियल में 45 घंटे तक चलने वाली अपनी ध्यान साधना शुरू की। निकटवर्ती तिरुवनंतपुरम से हेलीकॉप्टर द्वारा यहां पहुंचने के बाद मोदी ने भगवती अम्मन मंदिर में पूजा की और नौका सेवा के जरिए रॉक मेमोरियल पहुंचे तथा ध्यान लगाना शुरू किया। प्रधानमंत्री की ध्यान साधना एक जून तक चलेगी। धोती और सफेद शॉल ओढ़े मोदी ने मंदिर में पूजा-अर्चना की और गर्भगृह की परिक्रमा की। पुजारियों ने एक विशेष आरती की और उन्हें मंदिर का प्रसाद दिया गया जिसमें एक शॉल और मंदिर के देवता की फ्रेमयुक्त तस्वीर शामिल थी।

बाद में, वह राज्य सरकार के जहाजरानी निगम द्वारा संचालित नौका सेवा के जरिए रॉक मेमोरियल पहुंचे और ध्यान मंडपम में ध्यान लगाना शुरू किया। ध्यान लगाना शुरू करने से पहले, मोदी कुछ देर के लिए मंडप की ओर जाने वाली सीढ़ियों पर खड़े रहे। प्रधानमंत्री एक जून को अपनी रवानगी से पहले स्मारक के पास तमिल कवि तिरुवल्लुवर की प्रतिमा को देखने के लिए भी जा सकते हैं। जहां एक ओर थानथई पेरियार द्रविड़ कषगम सहित अन्य संगठनों ने मदुरै में मोदी के विरोध में काले झंडे दिखाए तो वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया मंच एक्स पर भी कई लोगों ने गो बैक मोदी लिखा। एक जून को लोकसभा चुनाव के सातवें एवं अंतिम चरण के मतदान के मद्देनजर उनके ध्यान कार्यक्रम के प्रसारण का राजनीतिक विरोध किया जा रहा है। मोदी के इस कार्यक्रम के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा सहित सभी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं। प्रख्यात हिंदू संत (विवेकानंद) के नाम पर बना यह स्मारक समुद्र के मध्य में स्थित है। यह पहली बार है जब प्रधानमंत्री इस स्मारक पर ठहरेंगे। यह स्मारक स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि स्वरूप बनाया गया है। प्रधानमंत्री ने 2019 के लोकसभा चुनाव में प्रचार समाप्त होने के बाद केदारनाथ गुफा में भी इसी तरह ध्यान लगाया था। मोदी की यात्रा से पहले सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उनके प्रवास के दौरान दो हजार पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। इसके साथ ही भारतीय तटरक्षक बल और भारतीय नौसेना भी कड़ी निगरानी रखेगी।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of **Mr. Guru Prashad** is the owner of Property no. RZ-D-20A, area measuring 200 sq. yds., comprised in Khasra no. 83/14, situated at Village Palam known as Mahavir Enclave, New Delhi-110045; having acquired the same from his mother Mrs. Syamo Devi vide Gift Deed dated 03.02.2020, registered as Document No.831, at SRO-IX, New Delhi; and intend to mortgage against the financial assistance from **Cholamandalam Investment and Finance Company Limited.** That,originals **1)**Sale Deed dated 30.01.1974(vide Doc. No.1574), **2)**WILL executed by Mr. Vijay Kumar Gulati in favour of Mrs. Mohini Kaur, **3)**General Power of Attorney, **4)** Agreement to sell, **5)** executed by Mr. Vijay Kumar Gulati in favour of Mr. R.K.Kashyap, **6)**WILL executed by Mr. R.K. Kashyap in favour of Mr. O.P. Sodha, **7)**notarized General Power of Attorney dated 21.11.1985, **8)**WILL executed by Mrs. Mohini Kaur in favour of Mr. O.P. Sodha, **9)**WILL executed by Mrs. Shyamo Devi in favour of Mr. O.P. Sodha & **10)**Mutation Letter from the concerned Municipal in favour of Guru Prashad; are Lost/Misplaced/Not available. To comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim /right/title/interest/ creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within **7 days** from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc. **Lucem Legal LLP**
Plot No.136, (Basement) Uday Park, New Delhi-110049,Contact # 011-40046316

Public Notice

This is to inform the general public that **Sh. Anuj Bansal and Sh. Anup Kumar Bansal**are the sole owners ofBuilt-up property no. 67 area measuring 200 Sq. Yds. in Block-B-3, situated at Ashok Vihar, Phase-II, Delhi.Initially the owner Mr. Ram Dhari Bansal acquired this property through Conveyance Deed dated 09.02.2000 vide doc. no. 1456. Unfortunately, Ram Dhari Bansal died on 23.01.2006 left behind his Legal heirs are Mrs. Anita Gupta, Mrs. Archana Gupta, Mr. Anuj Bansal, Mrs. Saroj Bansal and Mr. Anup Kumar Bansal.This ownership was legally acquired through two Relinquishment Deeds are Relinquishment Deed dated 11.03.2016 doc. No. 3220 executed by Smt. Anita Gupta & Smt. Archana Gupta in favour of Sh. Anuj Bansal in respect of theirs 40% share (20% each) of plot no. 67 and Relinquishment Deed dated 06.07.2023 doc.no. 11037 executed by Smt. Saroj Bansal in favour of Sh. Anup Kumar Bansal in respect of her 20% share in plot no. 67.
Sh. Anuj Bansal and Sh. Anup Kumar Bansalare now the process of mortgaging the aforementioned property with **HDFC Bank Ltd.**Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07-days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this07-days period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.
If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-day period by contacting **Law Veritas:North (Advocates & Legal Consultants)at Office No. 11, 1st Floor, Building No.A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s):+910120-3101683; e-mail: accounts@lvnorth.in**

कांग्रेस ने इस चुनाव में विमर्श खड़ा किया, पीएम बैकफुट पर चले गए: रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस लोकसभा चुनाव के दौरान उनकी पार्टी ने किसी अगर-मगर या किन्तु-परंतु के बिना विमर्श खड़ा किया और प्रधानमंत्री मोदी बैकफुट पर चले गए। लोकसभा चुनाव के सातवें चरण के मतदान से पहले चुनाव प्रचार के आखिरी दिन रमेश ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में यह भी कहा कि इस चुनाव में इंडिया गठबंधन को स्पष्ट एवं निर्णायक जनादेश मिलेगा। पहले दो चरणों के बाद यह मेरे लिए स्पष्ट हो गया था कि परिवर्तन की बयार बह रही है। उनका कहना था कि दक्षिण में भाजपा साफ और उत्तर, पूर्व एवं पश्चिम भारत में हाफ है। रमेश ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के अभियान को राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा ने एक मजबूत आधार प्रदान किया क्योंकि इस यात्रा के दौरान ही कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने पांच न्याय और 25 गारंटी की घोषणा की। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस 2014 और 2019 के चुनावों की तुलना में अधिक सफलतापूर्वक लोगों तक पहुंचने में सक्षम रही, उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा परिवर्तनकारी थी और इसने राहुल गांधी के लिए संपर्क और संगठन के लिए सामूहिकता प्रदान की। करीब दो साल पहले कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी की जिम्मेदारी संभालने वाले रमेश ने कहा, शुरुआत में ही मैंने कहा था कि जहां तक संचार का सवाल है हमारी नीति एसीटी होनी चाहिए।

भाजपा तीसरी बार केंद्र की सत्ता में नहीं लौटेगी: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में नहीं लौटेगी। यादवपुर और दक्षिण कोलकाता लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 12 किलोमीटर लंबे रोड शो के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा, यदि मतगणना प्रक्रिया सही ढंग से हुई तो ऐसी संभावना है कि भाजपा इस बार सत्ता में वापसी नहीं कर पाएगी। प्रधानमंत्री के पद का एक खास महत्व है और इसकी संवैधानिक जिम्मेदारियां हैं, उन्हें (भाजपा) इसकी परवाह नहीं है। हर बार मतगणना से पहले वह 48 घंटे तक प्रचार पाने के लिए कहीं न कहीं बैठ जाते हैं। वे ध्यान लगा सकते हैं, लेकिन कैमरों की मौजूदगी में ही ऐसा क्यों? तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख बनर्जी प्रधानमंत्री मोदी के बृहस्पतिवार को लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान के समापन के बाद कन्याकुमारी में रॉक मेमोरियल में निर्धारित ध्यान कार्यक्रम का जिक्र कर रही थीं।

गोल्डएज एस्टेट एंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: सी-115, भूतल, मानसोरवर गार्डन, नई दिल्ली-110015
सीआईएन: L70101DL1992PLC047541

31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए समेकित वित्तीय परिणामों का सारांश

प्रति शेयर डेटा को छोड़कर लाख रुपये में

क्र. सं.	विवरण	समेकित				
		तिमाही समाप्ति			वर्ष समाप्ति	वर्ष समाप्ति
		31-03-2024	31-Dec-23	31-03-2023	31-Mar-24	31-Mar-23
		लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
1	संचालनों से कुल आय(सकल)	7.47	7.37	6.80	28.72	25.87
2	संचालनों से कुल आय(निवल)	7.47	7.37	6.80	28.72	25.87
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ (कर पूर्व, आपवादिक मदे)	4.19	3.33	2.41	12.20	10.99
4	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ (आपवादिक मद पश्चात्)	4.19	3.33	2.41	12.20	10.99
5	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ (आपवादिक मद पश्चात्)	3.26	2.51	5.62	9.47	4.85
6	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु लाभ (कर पश्चात्) और अन्य कुल व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल]	3.26	2.57	6.17	10.86	6.00
7	इक्विटी शेयर पूंजी	512.24	512.24	512.24	512.24	512.24
8	अन्य इक्विटी	-	-	-	88.24	78.76
9	प्रति शेयर आय (प्रत्येक 10/- रुपये का)					
	मूलभूत	0.06	0.05	0.12	0.21	0.12
	तरलीकृत	0.06	0.05	0.12	0.21	0.12

31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों का सारांश

प्रति शेयर डेटा को छोड़कर लाख रुपये में

क्र. सं.	विवरण	स्टैंडअलोन				
		तिमाही समाप्ति			वर्ष समाप्ति	वर्ष समाप्ति
		31-03-2024	31-Dec-23	31-03-2023	31-Mar-24	31-Mar-23
		लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
1	संचालनों से कुल आय(सकल)	7.47	7.37	6.80	28.72	25.87
2	संचालनों से कुल आय(निवल)	7.47	7.37	6.80	28.72	25.87
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ (कर पूर्व, आपवादिक मदे)	3.70	3.27	1.86	10.82	9.83
4	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ (आपवादिक मद पश्चात्)	3.70	3.27	1.86	10.82	9.83
5	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ (आपवादिक मद पश्चात्)	2.77	2.45	1.40	8.09	3.69
6	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु लाभ (कर पश्चात्) और अन्य कुल व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल]	2.77	2.45	1.40	8.09	3.69
7	इक्विटी शेयर पूंजी	512.24	512.24	512.24	512.24	512.24
8	अन्य इक्विटी	-	-	-	78.96	70.87
9	प्रति शेयर आय (प्रत्येक 10/- रुपये का)					
	मूलभूत	0.05	0.05	0.03	0.16	0.07
	तरलीकृत	0.05	0.05	0.03	0.16	0.07

टिप्पणियाँ: उपरोक्त सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और अन्य प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम 2015 के विनियम 33 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंज में दाखिल तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक अंश है। तिमाही परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट अर्थात www.msel.In और कंपनी की वेबसाइट www.goldedgeestate.In पर उपलब्ध है।

बोर्ड और उसकी ओर से
गोल्डएज एस्टेट एंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड हेतु
हस्ता/-
जगदीश चंद अग्रवाल
अध्यक्ष
डीआईएन: 01898337

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 30.05.2024

इंडिया गठबंधन सरकार कृषि ऋण माफ करेगी, अग्निवीर योजना खत्म करेगी: राहुल गांधी

बालासोर (ओडिशा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अग्निवीर योजना के जरिए "जवानों को" मजदूर" बना दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हाल ही में ओडिशा के लोगों का अपमान किया, जब उसके एक नेता ने कहा कि भगवान जगन्नाथ मोदी के भक्त हैं। भद्रक लोकसभा सीट के सिमुलिया में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने संविधान और लोकतंत्र को बचाने का संकल्प लिया। गांधी ने घोषणा की कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर खाद्यान्न पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी जामा पहनाया जाएगा, कृषि ऋण को माफ किया जाएगा और अग्निवीर योजना को खत्म कर दिया जाएगा।

गांधी ने यहां जनसभा से इतर संवाददाताओं से कहा, "हम अग्निवीर योजना को खत्म करने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने जवानों को मजदूर बना दिया है। हम जवानों को फिर से सैनिक बना देंगे। उन्होंने कहा कि सभी जवानों को पेंशन, कैंटीन सुविधाएं मिलेंगी और उनकी मृत्यु की स्थिति में शहीद का दर्जा दिया जाएगा। उन्होंने बीजू जनता दल (बीजद) पर भाजपा के साथ साझेदारी में काम करने का आरोप लगाया। गांधी ने कहा कि वह भाजपा के खिलाफ लड़ रहे हैं, जिसकी वजह से केंद्र सरकार ने उनके खिलाफ मानहानि के 24 और आपराधिक मामले दायर किए हैं। ईडी ने मुझसे 50 घंटे पूछताछ की, भाजपा ने मेरी लोकसभा सदस्यता छीन ली और यहां तक कि मेरा आधिकारिक आवास भी ले लिया। अगर नवीन बाबू वाकई भाजपा के खिलाफ लड़ रहे हैं, तो उनके खिलाफ इस तरह का कोई मामला क्यों नहीं है।

भाजपा और बीजद पर अरबपतियों के लिए, न कि गरीबों के लिए काम करने का आरोप लगाया। गांधी ने कहा, यहां सरकार पटनायक के करीबी सहयोगी वी के पांडियन चला रहे हैं, न कि मुख्यमंत्री। ओडिशा की संपत्ति को बीजद और भाजपा दोनों लूट रहे हैं। उन्होंने कहा, तेलंगाना में बीआरएस और भाजपा के बीच गठबंधन था। कांग्रेस ने दोनों दलों के खिलाफ चुनाव लड़ा और उनकी रीढ़ तोड़ दी।

गांधी ने कहा कि आज दक्षिणी राज्य में जनता की सरकार काम कर रही है। गरीब लोगों को करोड़ों रुपए प्रदान किए जा रहे हैं और महिलाएं मुफ्त में बस में यात्रा कर रही हैं। हम इसे ओडिशा में दोहराने जा रहे हैं। हम बीजद-भाजपा की साझेदारी को खत्म करना चाहते हैं। भाजपा सरकार ने अरबपतियों का 16 लाख करोड़ रुपए माफ किया है और कांग्रेस किसानों का कर्ज माफ करेगी। इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर वह महालक्ष्मी योजना लागू करेगी और किसानों, बेरोजगार युवाओं तथा अन्य के लिए दूसरी योजनाएं शुरू करेगी। हम किसानों को अनाज पर एमएसपी देने के लिए कानूनी प्रावधान करने जा रहे हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा पर ओडिशा के लोगों का अपमान करने का आरोप लगाया, क्योंकि उसके एक नेता ने हाल ही में दावा किया था कि भगवान जगन्नाथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भक्त हैं। पुरी लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार संबित पात्रा ने हाल ही में यह टिप्पणी की थी।

पात्रा भगवान जगन्नाथ पर अपनी जुबान फिसलनै के कारण विवाद में घिर गए थे। इसके बाद उन्होंने माफी मांगी और घोषणा की कि वह तीन दिनों तक उपवास रखकर प्रायश्चित करेंगे। भद्रक लोकसभा क्षेत्र के सिमुलिया में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने भारत के संविधान और देश में लोकतंत्र को बचाने का भी संकल्प लिया। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा और उसके सहयोगी देश के लोकतंत्र और संविधान को नष्ट करने के लिए एकजुट हुए हैं। गांधी ने कहा, दुनिया की कोई भी ताकत हमारे संविधान को नष्ट नहीं कर सकती। आप (भाजपा) अपनी पूरी ताकत लगाकर भी संविधान को छू नहीं सकते।

राहुल ने 107 जनसभाओं और अन्य चुनावी कार्यक्रमों में भाग लिया

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इस लोकसभा चुनाव में प्रचार के दौरान कुल 107 जनसभाओं और अन्य चुनावी कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। सूत्रों का कहना है कि पार्टी के प्रमुख नेता के रूप में राहुल गांधी ने विभिन्न राज्यों में पार्टी के पक्ष में जनसभाएं की तथा रोड शो, संवाद कार्यक्रमों तथा न्याय सम्मेलन और न्याय मंच जैसे कई प्रमुख कार्यक्रमों में भाग लिया। राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के सातवे चरण के मतदान से पहले चुनाव प्रचार के आखिरी दिन पंजाब में कांग्रेस के पक्ष में प्रचार किया। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव और बिहार में राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव के साथ कुछ जनसभाएं संबोधित कर इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे। राहुल गांधी ने इस बार केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ा है।

कोस्को (इंडिया) लिमिटेड
सीआईएन: L25199DL1980PLC010173
रजि. कार्यालय: 2/8, रूप नगर, दिल्ली-110007
वेबसाइट: www.cosco.in ईमेल: mail@cosco.in
टेलीफोन: 91-11-23843000, फैक्स: 91-11-23846000

दिनांक 31.03.2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष हेतु स्टैंडअलोन लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का सारांश

(रु. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्ति			वर्ष समाप्ति	
		31.03.2024	31.12.2023	31.03.2023	31.03.2024	31.03.2023
		लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
1	संचालनों से कुल आय	4,947.14	4,066.23	4,147.68	17,749.68	15,318.31
2	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ	113.47	110.18	11.94	469.06	90.50
3	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ	85.36	115.27	0.68	320.79	68.05
4	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु लाभ (कर पश्चात्) और अन्य कुल व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल]	87.46	116.02	3.67	325.14	71.04
5	इक्विटी शेयर पूंजी	**416.10**	**416.10**	**416.10**	**416.10**	**416.10**
6	अन्य इक्विटी				4,564.57	4,239.43
7	प्रति शेयर आय (प्रत्येक 10 रु. का)					
	(क) मूलभूत (रु.)	2.05	2.77	0.02	7.71	1.64
	(ख) तरलीकृत (रु.)	2.05	2.77	0.02	7.71	1.64

टिप्पणियाँ:
1 उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग और अन्य प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज में दायर किए गए त्रैमासिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। त्रैमासिक/वार्षिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइटों (www.bseindia.com/corporates) और कंपनी की वेबसाइट www.cosco.in पर उपलब्ध है।
2 उपरोक्त परिणामों की समीक्षा ऑडिट समिति द्वारा की गई है और कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा 30 मई, 2024 को आयोजित उनकी संबंधित बैठक में अनुमोदित किया गया है।

बोर्ड के आदेश द्वारा
कोस्को (इंडिया) लिमिटेड
देविन्दर कुमार जैन
प्रबंध निदेशक और सीईओ
डीआईएन: 00191539

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 30.05.2024

अवैध धन हस्तांतरण मामले में यूबीआई के छह अधिकारियों पर मामला दर्ज

बेंगलुरु। कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लि. के खाते से लगभग 94.73 करोड़ रुपए कथित रूप से अन्य बैंक खातों में भेजकर धोखाधड़ी करने के आरोप में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के छह अधिकारियों के खिलाफ बृहस्पतिवार को मामला दर्ज किया गया है। यह कार्वाई निगम के एक अधिकारी द्वारा रविवार को आत्महत्या करने के बाद की गई है। मृतक ने एक नोट छोड़ा है जिसमें उसने प्रबंध निदेशक जे जी पद्मनाभ, लेखा अधिकारी परशुराम जी दुरुगन्नवर और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य प्रबंधक सुचिस्मिता रावल का नाम लिखा था। निगम के महाप्रबंधक ए. राजशेखर ने 28 मई को दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया है कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एमजी रोड शाखा के शीर्ष प्रबंधन और अन्य तृतीय पक्षों की संलिप्तता वाली गंभीर धोखाधड़ी की गतिविधियों ने संगठन की प्रतिष्ठा और वित्तीय व्यवस्था को हानि पहुंचाई है। निगम ने 19 फरवरी को अपना खाता राष्ट्रीय बैंक के वसंतनगर शाखा से एम.जी रोड शाखा में स्थानांतरित किया था।

उन्होंने कहा, विभिन्न बैंकों और स्टेट हुजुर ट्रेजरी खजाने-दो से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एमजी रोड शाखा में हमारे बचत बैंक खाते में कुल 187.33 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए। आदर्श आचार संहिता का हवाला देते हुए निगम ने बैंक के साथ संवाद नहीं किया, नतीजतन, बैंक हमारे पंजीकृत पते पर नई पासबुक और चेकबुक भेजने में विफल रहा। जब अधिकारियों ने 21 मई को दस्तावेजों को इकट्ठा करने के लिए शाखा का दौरा किया तो शाखा अधिकारी ने उन्हें अस्वीकार कर दिया। शाखा अधिकारी बाद में 22 मई को निगम कार्यालय गए और दावा किया कि दस्तावेज पहले ही जारी किए जा चुके थे, जो असत्य पाए गए।

सुपीरियर फिनलीज लिमिटेड
सीआईएन नं. L74899DL1994PLC061995
रजि. कार्यालय: 92, खसरा नं. 33/21, राणाजी एन्क्लेव, नजफगढ़, अर्जुन पार्क बस स्टैंड के पास नई दिल्ली-110043
ईमेल आईडी: superiorfinlease@gmail.com; वेबसाइट: www.superiorfinlease.com
31 मार्च, 2024 को समाप्ति तिमाही और वर्ष हेतु लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का सारांश (लाख रुपये में)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्ति			वर्ष समाप्ति	
		31-03-24 लेखापरीक्षित	31-12-23 अलेखापरीक्षित	31-03-23 लेखापरीक्षित	31-03-24 लेखापरीक्षित	31-03-23 लेखापरीक्षित
1	संचालनों से कुल आय	26.94	31.34	85.59	123.89	223.81
2	असाधारण मदों और कर से पहले लाभ/(हानि) (III-IV)	-1.04	11.22	7.42	8.57	45.08
3	कर से पहले लाभ/(हानि) (V-VI)	-1.04	11.22	7.42	8.57	45.08
4	निरंतर परिचालन से अवधि के लिए लाभ/(हानि) (VII-VIII)	-1.04	11.22	7.42	6.11	33.36
5	अवधि के लिए कुल व्यापक आय (XIII + XV)	-1.04	11.22	7.42	6.11	33.36
6	भुगतान की गई इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रु. 1/- प्रति शेयर)	300.10	300.10	300.10	300.10	300.10
7	पिछले लेखा वर्ष की बैलेंस शीट के अनुसार पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर रिजर्व	377.68	377.68	377.68	377.68	377.68
8	प्रति इक्विटी शेयर आय					
	1. मूलभूत (रु. में)	-0.00	0.04	0.02	0.02	0.11
	2. तरलीकृत (रु. में)	-0.00	0.04	0.02	0.02	0.11

टिप्पणियाँ :- उपरोक्त सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकता) विनियम, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज में दाखिल तिमाही और वर्ष समाप्त वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। तिमाही और वर्ष समाप्त वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट अर्थात www.msei.in और www.bseindia.com और कंपनी की वेबसाइट अर्थात www.superiorfinlease.com पर उपलब्ध है।

कृते सुपीरियर फिनलीज लिमिटेड
हस्ता/-
रजनीश कुमार
निदेशक
डीआईएन: 02463693

दिनांक: 29.05.2024
स्थान: नई दिल्ली

पाकिस्तान में एक निष्पक्ष दृष्टिकोण उभर रहा है : भारत

● पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की टिप्पणी के बाद दी प्रतिक्रिया

भाषा। नई दिल्ली

पाकिस्तान के लाहौर समझौते का उल्लंघन करने संबंधी पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की टिप्पणी के कुछ दिनों बाद भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि पड़ोसी देश में इस मुद्दे पर एक निष्पक्ष दृष्टिकोण उभर रहा है। शरीफ ने मंगलवार को कहा था कि पाकिस्तान ने उनके और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के बीच 1999 में भारत के साथ हुए समझौते का उल्लंघन किया है। उनका इशारा जनरल परवेज मुशर्फ द्वारा करगिल पर किए गए हमले की ओर था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, आप इस मुद्दे पर हमारी स्थिति से अवगत हैं। मुझे इसे दोहराने की आवश्यकता नहीं है। हम देखते हैं कि इस मामले पर पाकिस्तान में भी एक निष्पक्ष दृष्टिकोण उभर रहा है। वह अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में इस मामले पर पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। लाहौर में ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन के बाद, भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेई और शरीफ ने 21 फरवरी, 1999 को लाहौर घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए थे। दोनों पड़ोसी देशों के बीच शांति और स्थिरता के दृष्टिकोण पर बात करने वाला यह समझौता एक सफलता का संकेत है। कुछ महीने बाद, हालांकि जम्मू कश्मीर के करगिल जिले में पाकिस्तानी घुसपैठ के कारण भीषण संघर्ष हुआ। शरीफ ने पीएमएल-एन की आम परिषद की बैठक में कहा, 28 मई 1998 को पाकिस्तान ने पांच परमाणु परीक्षण किए। उसके बाद वाजपेई साहब यहां आए और हमारे साथ समझौता किया। लेकिन हमने उस समझौते का उल्लंघन किया... यह हमारी गलती थी। इस आम परिषद की बैठक में उन्हें पाकिस्तान में सत्तारूढ़ पार्टी का अध्यक्ष चुना गया है।

पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने पत्र लिखकर ब्रिटेन से पिछली गलतियां सुधारने का आग्रह किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने ब्रिटिश उच्चायुक्त जेन मैरियट को पत्र लिखकर ब्रिटेन से अपनी पिछली गलतियों को सुधारने का आग्रह किया है। बुधवार को एक मीडिया रिपोर्ट में यह बात कही गई। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के मुताबिक, यह पत्र प्रधान न्यायाधीश काजी फैज ईसा के निर्देश पर उच्चतम न्यायालय के रजिस्ट्रार द्वारा भेजा गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि उच्चायुक्त मैरियट ने हाल ही में लाहौर में आयोजित अस्मा जहांगीर सम्मेलन में लोकतंत्र और खुले समाजों के बारे में बात की थी, जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया था कि ब्रिटेन को पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय से सीख लेनी चाहिए जिसने अपनी गलतियों को सुधारा है। पत्र में कहा गया है,पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने अपनी गलतियों को सुधारा है और यह जरूरी है कि ब्रिटेन भी अपनी गलतियों को स्वीकार करे और सुधारे। पत्र में कहा गया है कि ईरान में 1953 का तख्तापलट और बाल्फोर घोषणा के माध्यम से इजराइल की स्थापना ऐतिहासिक गलतियां थीं। हमें ईमानदार होना चाहिए और खुलेपन की भावना के साथ पिछली गलतियों को स्वीकार करना चाहिए।

अवैध तरीके से पाकिस्तान में घुसी भारतीय महिला, उसके नाबालिग बेटे को बीएसएफ को सौंपा

लाहौर। मानव तस्करी की शिकार हुई भारतीय महिला और उसके नाबालिग बेटे को अवैध रूप से पाकिस्तान में प्रवेश करने के लिए एक साल से अधिक की सजा काटने के बाद वाघा सीमा पर भारतीय सुरक्षा बलों को सौंप दिया गया। पाकिस्तान के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक साल से अधिक की सजा पूरी करने के बाद वहीदा बेगम और उनके नाबालिग बेटे फैज खान को बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा की जेल से रिहा कर दिया गया और बुधवार को वाघा सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंप दिया गया। संघीय सरकार के अधिकारियों के अनुसार असम के नगांव जिले की निवासी वहीदा को पिछले वर्ष उनके बेटे के साथ अफगानिस्तान से चमन सीमा के रास्ते पाकिस्तान में अवैध रूप से प्रवेश करते समय गिरफ्तार किया गया था। वहीदा ने यहां अधिकारियों को बताया कि उसे एक भारतीय ट्रैवल एजेंट ने धोखा दिया था जिसके कारण वह पाकिस्तान पहुंच गई। उसने पाकिस्तान में पुलिस को दिए बयान में कहा, वर्ष 2022 में मेरे पति की मौत के बाद, मैंने अपने बेटे को कनाडा ले जाने का फैसला किया। इसके लिए अपनी संपत्ति बेच दी और एक भारतीय एजेंट को मोटी रकम भी दी। उसने बताया कि एजेंट पिछले साल उन्हें अपने साथ दुबई ले गया और वहां से फिर अफगानिस्तान ले आया। उसने दोनों को अफगानिस्तान से कनाडा ले जाने का वादा किया। महिला ने कहा, हालांकि, अफगानिस्तान में उसने मुझसे सारी धनराशि तथा हमारे पासपोर्ट ले लिए और वहां से फरार हो गया। वहीदा ने बताया कि अपने वतन (भारत) जाने के लिए वह और उनका बेटा चमन सीमा के रास्ते पाकिस्तान पहुंचे, जहां उन्हें पाकिस्तानी अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा, बाद में हमें राजनयिक पहुंच प्रदान की गई और हमारी नागरिकता सत्यापित करने की प्रक्रिया में कई महीने लग गए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में उनके वकील ने भारत में उनकी मां को इस बारे में सूचना दी। इसके बाद, वहीदा के परिवार ने नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग और इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से संपर्क कर उनकी सुरक्षित वापसी के लिए मदद मांगी। भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों ने कथित तौर पर इस्लामाबाद में आंतरिक मंत्रालय के समक्ष उनका मसला रखा। आखिरकार बुधवार को वहीदा और उनके बेटे को सजा पूरी होने पर रिहा कर दिया गया तथा वाघा सीमा पर बीएसएफ को सौंप दिया गया। इनके अलावा, दो अन्य भारतीय नागरिक शब्बीर अहमद और सूरज पाल को भी बुधवार को बीएसएफ को सौंपा गया। अहमद को कराची की मलेर जेल से रिहा किया गया, जबकि पाल को लाहौर की कोट लखपत जेल से उनकी सजा पूरी होने के बाद रिहा किया गया।

पाक अदालत ने नौ मई, 2023 के दंगों से जुड़े दो मामलों में इमरान को बरी किया

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान की एक अदालत ने नौ मई, 2023 की हिंसा से संबंधित दो मामलों में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को उनके खिलाफ अपर्याप्त सबूत का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को बरी कर दिया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक खान के समर्थकों ने पिछले साल नौ मई को कथित भ्रष्टाचार मामले में उनकी गिरफ्तारी के बाद संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठानों सहित सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया था। पीटीआई संस्थापक के खिलाफ शहजाद टाउन पुलिस स्टेशन में दर्ज दो मामलों को चुनौती देने वाली याचिका को इस्लामाबाद के जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायिक मजिस्ट्रेट उमर शब्बीर ने मंजूरी दे दी। अदालत ने खान (71) को बरी करने का आदेश देते हुए अपने फैसले में कहा, चूंकि अभियोजन द्वारा पर्याप्त साक्ष्य पेश नहीं किए गए हैं, इसलिए पीटीआई संस्थापक को बरी किया जाता है। खान को 15 मई को दो मामलों में बरी कर दिया गया था।

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंज़िल, प्लॉट नंबर- 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005

जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।
कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	आर. गणेशन/ राधा/ LBFDB00005173977	अपार्टमेंट नंबर ए3-805, फ्लोर 8, हैबिटेट 78 में स्थित, सेक्टर 78, फरीदाबाद- 121001 (1 टू व्हीलर पार्किंग के साथ/ मई 29, 2024	अक्टूबर 18, 2023 रु. 19,14,336/-	दिल्ली/ नोएडा/ फरीदाबाद

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : मई 31, 2024
स्थान : दिल्ली, नोएडा एवं फरीदाबाद

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

मोदी के पुनर्निर्वाचन से भारत को फिर स्थिरता मिलेगी: मल्होत्रा

भाषा। वाशिंगटन

भारतीय मूल के एक प्रभावशाली अमेरिकी लेखक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने 10 साल के शासन के दौरान विकास पर ध्यान केंद्रित किया है और तीसरी बार उनके निर्वाचन से भारत को अगले पांच साल तक फिर स्थिरता मिलेगी। साथ ही उन्हें देश के समक्ष मौजूद कुछ प्रमुख चुनौतियों से निपटने का अवसर भी मिलेगा। प्रिंसटन निवासी भारतीय-अमेरिकी लेखक राजीव मल्होत्रा ने कहा, भारत इन सभी चुनौतियों (देश के बाहर से मिलने वाली चुनौतियों) का डटकर मुकाबला कर सकता है। भारत, मोदी सरकार के कारण इन सभी चुनौतियों का मुकाबला कर सकता है। लोगों के तमाम दावों, तर्कों और आलोचनाओं के बावजूद हकीकत यही है कि उन्होंने विकास किया है लेकिन और अधिक विकास की आवश्यकता है। मल्होत्रा ने पिछले कुछ दशक में भारतीय संस्कृति और समाज के पश्चिमी अकादमिक अध्ययन के विरोध में कई किताबें लिखी हैं। स्नेक इन द गंगा: ब्रेकिंग इंडिया 2.0 उनकी नवीनतम पुस्तक है। उन्होंने भारतीय मीडिया की खबरों का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसा लग रहा है कि मोदी तीसरी बार सत्ता में आ रहे हैं, अपने दो कार्यकाल के दौरान मोदी सरकार ने विकास किया है जिससे समाज के सभी वर्गों को लाभ मिला है। आप आंकड़ों के आधार पर देख सकते हैं कि गरीबों से लेकर अल्पसंख्यकों तक समाज के हर वर्ग को लाभ मिला है। आप संख्यात्मक रूप से दिखा सकते हैं कि अब उनके पास सड़कें, साफ पानी, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, भोजन और शिक्षा है। तो लोगों को कहना होगा कि इस सरकार ने काम किया है जबकि पिछली सरकार गरीबी से लड़ने आदि के नारे लगा रही थी लेकिन काम नहीं कर रही थी। मल्होत्रा अमेरिका में इनफिनिटी फाउंडेशन के प्रमुख है। उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के हालिया बयान से सहमति जताई कि बाहरी ताकतों ने भारतीय चुनाव के परिणामों को प्रभावित करने की कोशिश की है। सबसे पहले मैं यह कहना चाहता हूं कि मुझे जयशंकर की योग्यता, उनकी निर्भीकता और उनकी हाजिर जवाबी पसंद है। यह सब अच्छा है।

ईरानी सेना की गोलीबारी में चार पाकिस्तानियों की मौत : पाकिस्तानी अधिकारी

क्वेटा (पाकिस्तान)। ईरान के सैनिकों ने दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र के एक सुदूर इलाके में पाकिस्तानियों के एक समूह को ले जा रहे एक वाहन पर गोलीबारी की जिसमें चार लोगों की मौत हो गई तथा दो अन्य घायल हो गए। पाकिस्तान के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। स्थानीय पुलिस ने बताया कि यह घटना बुधवार को बलूचिस्तान प्रांत के सीमावर्ती गांव मश्केल के पास हुई। सरकारी प्रशासक साहिबजादा असफंद ने कहा कि यह स्पष्ट नही है कि ईरानी सेना ने गोलीबारी क्यों की। स्थानीय पुलिस का कहना है कि चारों लोगों के शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए है।

डेट्रायट, वेनिस और वाराणसी सस्टेनेबल सिटीज चैलेंज के लिए चयनित

वेनिस। टोयोटा मोबिलिटी फाउंडेशन (टीएमएफ) ने यह घोषणा की कि टोयोटा मोबिलिटी फाउंडेशन के सस्टेनेबल सिटीज चैलेंज के भाग के रूप में इनोवेशन चैलेंज की मेजबानी के लिए दो वैश्विक शहरों, डेट्रायट और वेनिस के साथ वाराणसी का चयन किया गया है। 9 मिलियन डॉलर की वैश्विक पहल का लक्ष्य शहरों को सस्टेनेबल मोबिलिटी की ओर तेज़ी से बढ़ने में मदद करना, स्वस्थ और सुरक्षित शहरी वातावरण को बढ़ावा देना और साथ ही लोगों के आवागमन, काम करने, अध्ययन करने और सेवाओं तक पहुँचने की क्षमता को बढ़ाना है। जून 2023 में शहरों के लिए कॉल पहली बार लॉन्च किए जाने के बाद 46 देशों के 150 से अधिक शहरों ने सस्टेनेबल सिटीज़ चैलेंज में भाग लिया। नवंबर 2023 में शॉर्टलिस्ट किए गए 10 शहरों की घोषणा की गई, जिनमें से शीर्ष 3 को फाइनलिस्ट के रूप में चुना गया। अब, चुने गए तीन शहर अपने शहरों के सिटी चैलेंज शुरू करेंगे और वैश्विक नवोन्मेषकों को उनके साथ काम करने के लिए आमंत्रित करेंगे। वाराणसी में 27 जून 2024 को सिटी चैलेंज शुरू होगा। 2024 के अंत में, शहरों की ज़रूरतों को सबसे अच्छी तरह से पूरा करने वाले समाधानों का चयन किया जाएगा। मोबिलिटी फाउंडेशन के कार्यकारी कार्यक्रम निदेशक प्रस गणेश ने कहा, टोयोटा मोबिलिटी फाउंडेशन के रूप में, हम गतिशीलता की स्वतंत्रता और व्यक्तियों तथा समुदायों के लिए ऐसी गतिशीलता के जरिये खोले जा सकने वाले अवसरों के प्रति गंभीर हैं।

कैंब्रिज ने परीक्षा परिणामों की घोषणा की

कैंब्रिज। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस एंड एसेसमेंट में इंटरनेशनल एजुकेशन ग्रुप ने भारत में अपने मार्च 2024 के परीक्षा परिणामों की घोषणा कर दी है। देश में 400 स्कूलों से 15,000 से ज्यादा विद्यार्थियों को कैंब्रिज आईजीसीएसई और इंटरनेशनल एएस एवं ए लेवल परिणाम प्राप्त हो चुके हैं। यह भारत में कैंब्रिज द्वारा आयोजित अब तक की सबसे बड़ी मार्च की परीक्षाएं थीं। इस साल मार्च की परीक्षाओं के लिए 76,000 से ज्यादा प्रविष्टियाँ आई थीं, जो पिछले साल के मुकाबले 17 प्रतिशत ज्यादा थीं। कैंब्रिज आईजीसीएसई के लिए 56,000 से ज्यादा प्रविष्टियाँ मिली थीं, जो पिछले साल के मुकाबले 17 प्रतिशत ज्यादा थीं। कैंब्रिज इंटरनेशनल एएस एवं ए लेवल के लिए 18,400 से ज्यादा प्रविष्टियाँ मिली थीं।

रईसी की मौत के बाद ईरान ने जून में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए पंजीकरण शुरू किया

दुबई। ईरान ने 28 जून को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में भाग लेने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए बृहस्पतिवार को पांच दिवसीय पंजीकरण अभियान की शुरूआत की, ताकि दिवंगत इब्राहिम रईसी के उत्तराधिकारी का चुनाव किया जा सके। गौरतलब है कि ईरान के राष्टपति रईसी इस महीने की शुरुआत में सात अन्य लोगों के साथ एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए थे। यह चुनाव ऐसे समय में हो रहा है जब ईरान 19 मई की दुर्घटना के बाद के हालात से जूझ रहा है और तेहरान एवं अमेरिका के बीच तनाव बढ़ गया है। इसके साथ ही देश में 2022 में महसा अमिनी की मौत के विरोध में प्रदर्शन भी हो रहे हैं। राष्ट्र के सभी मामलों पर सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई (85) अंतिम निर्णय करते हैं, हालांकि अतीत में अनेक राष्ट्रपतियों ने इस्लामी गणतंत्र ईरान को पश्चिम के साथ अधिकाधिक संपर्क या शत्रुता बढ़ाने की ओर प्रेरित किया है।

ताइवान की स्वतंत्रता का मतलब युद्ध : चीन की सेना

बीजिंग। चीन की सेना ने ताइवान की स्वतंत्रता का मतलब युद्ध बताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि वह इस द्वीप में अलगाववादी गतिविधियों के समर्थन में विदेशी हस्तक्षेप को विफल करने के लिए दृढ़ कार्रवाई करने के लिए तैयार है। चीनी सैन्य प्रवक्ता सीनियर कर्नल वू कियान ने यहां मीडिया को बताया कि चीन का एकीकरण इतिहास की एक अपरिवर्तनीय प्रवृत्ति है और पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ताइवान की किसी भी स्वतंत्रता का जवाब देने के लिए दृढ़ कार्वाई करने के लिए तैयार है। वू, ताइवान के नए नेता लाई चिंग-ते द्वारा 20 मई को द्वीप के नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण के दौरान दिए गए स्वतंत्रता समर्थक भाषण पर पूछे गए प्रश्न पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। लाई (64) को विलियम लाई के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने इस वर्ष जनवरी में हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीतने के बाद स्वतंत्रता समर्थक डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) के अपने सहयोगी साई इंग-वेन का स्थान लिया। लाई ने सोमवार को ताइपे में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। चीन ताइवान को एक विद्रोही प्रांत मानता है और कहता है कि इसे मुख्य भूमि के साथ पुन: एकीकृत किया जाना चाहिए, भले ही इसके लिए बल का इस्तेमाल क्यों न करना पड़े। लाई की डीपीपी पार्टी चीन से स्वतंत्रता नहीं चाहती है, बल्कि उसका मानना है कि ताइवान पहले से ही एक संप्रभु राष्ट्र है। कर्नल वू ने कहा कि लाई का भाषण बलपूर्वक और बाहरी ताकतों पर निर्भर होकर ताइवान की स्वतंत्रता प्राप्त करने के उनके प्रयासों की स्वीकारोक्ति है। उन्होंने कहा कि पीएलए इसका दृढ़ता से विरोध करती है और उसने कड़े जवाबी कदम उठाए हैं। ताइवान की स्वतंत्रता की मांग करने वाली अलगाववादी गतिविधियां ताइवान जलडमरूमध्य में शांति के लिए सबसे बड़ा वास्तविक खतरा हैं। वू ने कहा कि पीएलए राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के मिशन पर काम कर रही है।

सरकार ने राष्ट्रपति चुनाव को स्थगित करने पर कभी चर्चा ही नहीं की: प्रधानमंत्री गुणावर्धने

कोलंबो। श्रीलंका के प्रधानमंत्री दिनेश गुणावर्धने ने कहा कि सरकार ने कभी भी राष्ट्रपति चुनाव को स्थगित करने पर चर्चा नहीं की और चुनाव इस वर्ष निर्धारित समय पर ही होंगे। दिनेश गुणावर्धने ने राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की पार्टी द्वारा राष्ट्रपति चुनाव और आम चुनाव को टालने के विवादास्पद प्रस्ताव को गैर-जिम्मेदाराना करार देते हुए खारिज कर दिया। श्रीलंका के निर्वाचन आयोग ने इस माह की शुरुआत में कहा था कि राष्ट्रपति चुनाव 17 सितंबर से 16 अक्टूबर के बीच होंगे। विक्रमसिंघे की यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) के महासचिव पालिथा रेंज बंडारा ने राष्ट्रपति चुनाव और आम चुनाव दोनों को दो साल के लिए स्थगित करने का प्रस्ताव पेश किया और इस बात पर जोर दिया कि अगर परिस्थितियां अनुकूल हों तो इस प्रस्ताव को औपचारिक रूप से संसद में पेश किया जा सकता है, जिससे जनमत संग्रह का रास्ता साफ हो जाएगा।

अगर पृथ्वी बीमार हुई, तो आप भी बीमार हो जाएंगे

भाषा। लंदन

एक अधिक गर्म दुनिया के अधिक बीमार दुनिया होने की संभावना है। पृथ्वी पर बढ़ते तापमान का मानव स्वास्थ्य पर स्पष्ट प्रभाव पड़ता है, जैसे लू की लहरें जो हमारे शरीर विज्ञान की सहनशीलता से अधिक गर्म होती हैं। हालाँकि, विरासत में मिली स्थिर जलवायु से हटने के प्रभाव भी अपने आप में आश्चर्यजनक होंगे। उनमें से कुछ मौजूदा बीमारियाँ हो सकती हैं जो नई जगहों पर दिखाई दे रही हैं या अधिक तीव्रता से फैल रही हैं। और कुछ, विशेषज्ञों को डर है, पूरी तरह से नई बीमारियाँ हो सकती हैं। मच्छर जनित संक्रमण मलेरिया ने पिछले दशक के दौरान हर साल पांच लाख से अधिक लोगों की जान ले ली। इनमें से अधिकतर पीड़ित बच्चे थे और लगभग सभी (2022 में 95 प्रतिशत) अफ्रीका में थे। बीमारी के स्रोत के रूप में, संक्रामक मच्छरों को कम से कम तीन चीजों की आवश्यकता होती है: गर्म तापमान, आर्द्र हवा और प्रजनन के लिए पोखर। तो वैश्विक तापमान से क्या फर्क पड़ेगा? परजीवी दूसरी जगहों तक जा सकते हैं। जल और स्वास्थ्य विशेषज्ञ मार्क स्मिथ (लीड्स विश्वविद्यालय) और क्रिस थॉमस (लिंकन विश्वविद्यालय) कहते हैं, जलवायु और मलेरिया संचरण के बीच संबंध जटिल है और लगभग तीन दशकों से गहन अध्ययन का विषय रहा है। इस शोध का अधिकांश हिस्सा उप-सहारा अफ्रीका पर केंद्रित है, जो मलेरिया के मामलों और मौतों का वैश्विक केंद्र है। स्मिथ और थॉमस ने मलेरिया के जोखिम का एक महाद्वीप-व्यापी विश्लेषण तैयार करने के लिए तापमान और जल संचलन अनुमानों को संयुक्त किया। उनके परिणामों से पता चला कि मलेरिया संचरण की परिस्थितियाँ कुल मिलाकर कम उपयुक्त हो जाएंगी।

थ्रोम्बोसाइटोसिस, एक दुर्लभ ब्लड डिसऑर्डर

अमेरिकन ऑन्कोलॉजी इंस्टीट्यूट ने मायलोप्रोलिफेरेटिव नियोप्लासिया.एसेंशियल थ्रोम्बोसाइटोसिस नामक एक दुर्लभ रक्त विकार से पीड़ित एक 65 वर्षीय महिला रोगी का सफल इलाज किया है। मरीज काफी समय से इस दुर्लभ ब्लड डिसऑर्डर से प्रभावित थी और एओआईए गुरुग्राम में इस की सफल पहचान और सफल इलाज कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई। इस रोग की स्थिति में बोन मैरो अस्थि मज्जा में प्लेटलेट्स का अत्यधिक उत्पादन होने लगता हैए जिससे मरीज के शरीर में रक्त के थक्केए रक्तस्राव और असामान्य रक्त के थक्के जमने जैसे कई तरह के जोखिम हो सकते हैं। इन हालात के चलते मरीज के लिए काफी मुश्किलें पैदा हो सकती हैं। रोगी को बीते काफी समय से हायपरटेंशन था और चार महीने से लगातार सिरदर्द और मसूड़ों से हल्का खून निकलने की समस्या भी बनी हुई थी। इन सभी लक्षणों के साथ मरीज ने एओआई गुरुग्राम में इलाज के लिए संपर्क किया। मरीज की जांच करने परए टीम ने पाया कि उसका ब्लड प्रेशर काफी बढ़ा हुआ थाए और उसके मसूड़ों से हल्का खून भी निकल रहा था। मरीज की आगे की जांच में उसके रक्त की मात्रा में काफी असामान्यताएं सामने आईंए जो एसेंशियल थ्रोम्बोसाइटोसिस नामक स्थिति का संकेत देती हैं। यह माइलोप्रोलिफेरेटिव नियोप्लासिया का एक खास तरह का सबटाइप थाए जिसकी विशेषता अत्यधिक प्लेटलेट उत्पादन है।

SC AGROTECH LIMITED

Bilona
CIN: L01122DL1990PLC042207
Regd Address: RZ-1484/28 Ground,Floor Tughlakabad Ext New Delhi-110019
Email: sheel102@gmail.com, Web: www.scagrotech.in

Extract from the Audited Financial Results for the Quarter and Year Ended On 31.03.2024 — Amt in Lacs

S. No.	Particulars	Quarter ended on			Year ended on	
		31.03.2024	31.12.2023	31.03.2023	31.03.2024	31.03.2023
1	Total Income From operation	107.36	28.62	40.75	166.54	307.49
2	Total Expenses	96.14	17.80	23.52	141.02	108.72
3	Net profit/(loss) for the period (before tax, Exceptional and /or Extraordinary items	11.22	10.82	17.23	25.52	198.77
4	Net profit/(loss) for the period (before tax, after Exceptional and /or Extraordinary items	11.22	10.82	17.23	25.52	198.77
5	Net profit/(loss) for the period (after tax, Exceptional and /or Extraordinary items	11.22	10.82	17.23	23.95	198.96
6	Total comphrensive Income for the period (Comprising profit/loss) for the period (after tax) and other comprehensive (after tax)	11.22	10.82	17.23	23.95	198.96
7	Paid up equity Share capital(face value of Rs 10/- each)	599.50	599.50	599.50	599.50	599.50
8	Earning per share (of Rs 10/-Each)					
	BASIC and Diluted Earning per share (in Rs)	0.19	0.18	0.29	0.40	3.32

1. The above is an extract of the detailed format of financial results filed with Stock Exchange under Regulation 33 of the SEBI LODR 2015. Full Financial results are available on the Stock Exchange website.(www.bseindia.com) and on the Company website (www.sc agrotech.in)
2.The result of the Quarter and year ended on 31st March 2024 were reviewed by the Audit Committee and approved by the Board of Directors at its meeting held on 29th May 2024.

Place : New Delhi
Date: 29.05.2024

For SC AGROTECH LTD
Vijay Shankar Thakur
Whole Time Director, DIN 9720062

इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज लिमिटेड

(पूर्व में इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड)
सीआईएन: L10719DL1995PLC277176
रजि. कार्या. 288 बेसमेंट एजीसीआर एन्क्लेव पूर्वी दिल्ली शाहदरा शाहदरा दिल्ली 110092 भारत
फोन: 011-45511351, ईमेल: info@integredindustries.in
NURTURE WELL

31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष हेतु लेखापरीक्षित समेकित वित्तीय परिणामों का विवरण

(ईपीएस को छोड़कर रु. करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्ति			वर्ष समाप्ति	
		31/03/2024 लेखापरीक्षित	31/12/2023 अलेखापरीक्षित	31/03/2023 लेखापरीक्षित	31/03/2024 लेखापरीक्षित	31/03/2023 लेखापरीक्षित
1	संचालन से कुल आय	139.27	125.77	0.04	331.26	5.14
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पूर्व, आपवादिक और/या असाधारण मदें)	13.71	9.66	0.01	26.74	4.99
3	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या असाधारण मदें पश्चात्)	13.71	9.66	0.01	26.74	4.99
4	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या असाधारण मदें पश्चात्)	13.23	9.19	-7.24	24.89	1.36
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात्) और अन्य कुल व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल]	13.23	9.19	-7.24	24.89	1.36
6	इक्विटी शेयर पूंजी	9.62	8.20	4.78	9.62	4.78
7	रिजर्व (पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर)	124.38	0.00	0.00	124.38	0.00
8	प्रति शेयर आय (प्रत्येक 10 रुपये का) (जारी और बंद किए गए परिचालन हेतु) (वार्षिकीकृत नहीं)					
	मूलभूत (रु. में)	14.79	11.33	(7.57)	36.40	2.85
	तरलीकृत (रु. में)	13.60	10.41	(7.57)	32.65	2.85

नोट:
1. इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ('कंपनी') (पूर्व में इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजीज लि.) के 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए उपरोक्त ऑडिट किए गए समेकित वित्तीय परिणामों ('परिणाम') की ऑडिट समिति द्वारा उसकी सहायक कंपनी की समीक्षा और सिफारिश की गई और बाद में 29 मई, 2024 को आयोजित अपनी बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया। कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षक ने सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के यथा संशोधित विनियम 33 के संदर्भ में इन वित्तीय परिणामों की लेखापरीक्षा की है।
2. इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनी के 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए लेखा परीक्षित समेकित वित्तीय परिणाम कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') की धारा 133 के तहत निर्धारित भारतीय लेखा मानकों (इंड एएस) के अनुसार तैयार किए गए हैं, इसके तहत प्रासंगिक नियमों के साथ पठित
3. भारतीय लेखा मानक 108 - ''ऑपरेटिंग सेगमेंट'' द्वारा अपेक्षित व्यवसाय / भौगोलिक खंड की रिपोर्टिंग के संदर्भ में, कंपनी के संचालन में मुख्य रूप से दो व्यवसाय खंड शामिल हैं- खाद्य उत्पादों में व्यापार और खाद्य उत्पादों का विनिर्माण। 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए लेखापरीक्षित समेकित खंड जानकारी संलग्न की गई है।
4. 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए लेखापरीक्षित समेकित वित्तीय परिणामों में एक सहायक कंपनी के लेखापरीक्षित परिणाम शामिल हैं। एक सहायक कंपनी के वित्तीय परिणामों को भारतीय लेखा मानक 110-समेकित वित्तीय विवरणों के अनुसार समेकित किया गया है।
5. 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए कंपनी के समेकित परिणामों का सांविधिक लेखा परीक्षक द्वारा ऑडिट किया गया है और उन्होंने इस पर एक असंशोधित ऑडिट रिपोर्ट जारी की है। सांविधिक लेखा परीक्षकों की ऑडिट रिपोर्ट बीएसई लिमिटेड ('बीएसई') के साथ दाखिल की जा रही है और यह कंपनी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।
6. 31 मार्च 2024 और 31 मार्च 2023 को समाप्त तिमाही के आंकड़े पूर्ण वित्तीय वर्षों के संबंध में लेखापरीक्षित आंकड़ों और संबंधित वित्तीय वर्षों की तीसरी तिमाही तक प्रकाशित अलेखापरीक्षित वर्ष-दर-वर्ष आंकड़ों के बीच संतुलन के आंकड़े हैं। इसके अलावा, तीसरी तिमाही के अंत तक के आंकड़ों की केवल समीक्षा की गई थी और वे लेखापरीक्षा के अधीन नहीं थे।
7. 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान, कंपनी ने 30 मई, 2023 को शारजाह मीडिया सिटी-फ्री जोन अथॉरिटी (एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक)) के साथ पंजीकृत नर्चर वेल एलएलसी, शारजाह, संयुक्त अरब अमीरात का अधिग्रहण किया। उक्त विदेशी सहायक कंपनी को लागत पर मैसर्स नर्चर वेल फूड्स प्राइवेट लिमिटेड (कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी) को हस्तांतरित कर दिया गया है और तदनुसार विदेशी सहायक कंपनी कंपनी की सौतेली सहायक कंपनी बन गई है।
8. पिछली अवधि के आंकड़ों को वर्तमान अवधि के वर्गीकरण/प्रकटीकरण के अनुरूप जहां भी आवश्यक हो, पुनर्समूहित/पुनर्वर्गीकृत किया गया है।

कृते इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
(पूर्व में इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड)
हस्ता/-
सौरभ गोयल
(प्रबंध निदेशक)
डीआईएन: 01094455

स्थान : दिल्ली
दिनांक : 29 मई, 2024

भारत की जर्सी पहनना अलग अहसास है, उम्मीद है कि इसे यादगार बना पाऊंगा : पंत

भाषा। न्यूयॉर्क

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पांच जून को जब नासाउ काउंटी मैदान पर आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच के लिए भारत की जर्सी पहनेंगे तब तक उनकी भयानक कार दुर्घटना को 527 दिन हो चुके होंगे। वह इस मुकाबले में खेलने के लिए बेताब हैं। पंत ने 2022 में भीषण कार दुर्घटना के बाद भावनात्मक वापसी करते हुए इस साल 23 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स की नीली जर्सी पहनी थी लेकिन वह नीले रंग की एक अलग जर्सी पहनने के लिए अधिक उत्सुक हैं- भारत की नीली जर्सी। एक जून को बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच से पूर्व भारत के पहले नेट सत्र के इतर पंत ने बीसीसीआई.टीवी से कहा, भारतीय जर्सी पहनकर मैदान पर वापस आना एक अलग ही अहसास है। यह कुछ ऐसा है जिसकी मुझे बहुत याद आती थी... उम्मीद है कि मैं इसे भुना पाऊंगा और यहां से बेहतर प्रदर्शन करूंगा। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में 15 महीने तक रिहैबिलिटेशन से गुजरने वाले पंत के साथ इस बातचीत के दौरान टीम के साथी सूर्यकुमार यादव भी मौजूद थे। पंत ने उस समय को याद किया जब उनकी मौजूदगी ने उन्हें एनसीए में अपने चोट प्रबंधन कार्यक्रम के अकेलेपन से निपटने में मदद की थी। यहां टीम को देखना और उनसे फिर से मिलना, समय बिताना, उनके साथ मौज-मस्ती करना, उनसे बातचीत करना, मुझे वाकई बहुत अच्छा लगा। पंत 13 आईपीएल मैचों में 446 रन बनाने के बाद धीरे-धीरे लय में लौट रहे हैं। न्यूयॉर्क शहर के बाहरी इलाके में कैंटियाग पार्क में भारत के नेट्स पर दुबले-पतले और फिट पंत अच्छी य में दिखे। पंत ने भविष्य में अमेरिका में क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ने की संभावनाओं के बारे में भी बात की। उन्हें लगता है कि टी20 विश्व कप इसमें अहम भूमिका निभा सकता है। हम कुछ खास देशों में खेलने के आदी हैं लेकिन यह एक अलग संभावना है। इससे खेल के लिए एक अलग रास्ता खोल दिया है क्योंकि मुझे लगता है कि क्रिकेट दुनिया भर में बढ़ रहा है और... यहां टूर्नामेंट का आयोजन क्रिकेट के साथ-साथ अमेरिकी क्रिकेट के लिए भी अच्छा होगा।

टी-20 विश्व कप में बुमराह और हेड का दबदबा रहेगा : पोंटिंग

भाषा। दुबई

आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को लगता है कि दो जून से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में जसप्रीत बुमराह का गेंदबाजों में और ट्रेविस हेड का बल्लेबाजों में दबदबा रहेगा जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार प्रदर्शन किया था। आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए भारतीय तेज गेंदबाज बुमराह ने 13 मैच में 20 विकेट झटके जबकि पांच बार की चैम्पियन का 17 चरण में प्रदर्शन सबसे खराब रहा जबकि आस्ट्रेलिया के हेड ने 15 मैच में 567 रन बनाए। पोंटिंग ने द आईसीसी रिव्यू में कहा, टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट चटकाने के मामले में मैं जसप्रीत बुमराह को चुनूंगा। मुझे लगता है कि वह बेहतरीन गेंदबाज है और कई वर्षों से योगदान कर रहा है। उसने आईपीएल में भी शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, वह नई गेंद को स्विंग करा सकता है, सीम अप कर सकता है। लेकिन आईपीएल के अंत में उसका इकोनोमी रेट सात रन प्रति ओवर से कम था। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स को कोचिंग देने वाले पोंटिंग ने कहा, वह विकेट लेता है। वह काफी मुश्किल ओवर भी डालता है। जब आप टी20 में इस तरह के मुश्किल ओवर डालते हो तो इससे आपको काफी विकेट झटकने का भी मौका मिलता है। इसलिए मेरी पसंद वही होंगे। हेड हालांकि आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर रहे लेकिन उन्होंने सभी को अपनी बल्लेबाजी के तरीके से प्रभावित किया। आईपीएल के ज्यादातर समय में उनका स्ट्राइक रेट 200 से अधिक का रहा और उन्होंने 15 मैच में 567 रन बनाए जिसमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल थे। पोंटिंग ने कहा, सर्वाधिक रन जुटाने वाले खिलाड़ी के लिए मेरी भविष्यवाणी ट्रेविस हेड के लिए होगी। मुझे लगता है कि उन्होंने पिछले दो वर्षों में जितना भी सफेद गेंद और लाल गेंद का क्रिकेट खेला है, वो उच्च स्तर का रहा है। मुझे लगता है कि वह इस समय काफी साहसिक क्रिकेट खेल रहे हैं।

इंडियन ग्रां प्री के दूसरे चरण में केरल के धावक जाबिर ने जीती 400 मीटर बाधा दौड़

भाषा। चेन्नई

कई शीर्ष खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में केरल के जाबिर एमपी ने गुरुवार को यहां इंडियन ग्रां प्री सीरीज के दूसरे चरण में पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ जीती। इस 27 वर्षीय एथलीट ने 49.94 सेकंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। उनके बाद केरल के ही संतोष कुमार 50.14 सेकंड का समय लेकर दूसरे स्थान पर रहे। जाबिर सत्र की अपनी पहली प्रतियोगिता में भाग ले रहे थे। संतोष कुमार ने बाद में 400 मीटर दौड़ में अपना जलवा दिखाया तथा 46.46 सेकंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ एशियाई खेलों की पदक विजेता आर विथ्या रामराज ने 57.28 सेकंड का समय लेकर जीती। उन्होंने इसके अलावा महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में भी पहला स्थान हासिल करके दोहरा खिताब अपने नाम किया।

भारतीय महिला हॉकी टीम का लंदन में भव्य स्वागत

लंदन। भारतीय उच्चायोग ने यहां एफआईएच प्रो लीग मुकाबले खेलने के लिए पहुंची देश की महिला हॉकी टीम का भव्य स्वागत किया और उनकी उपलब्धियों की प्रशंसा की। सीनियर भारतीय पुरुष टीम के साथ महिला हॉकी टीम भी एफआईएच प्रो लीग खेलने के लिए यहां आई है जिन्हें शनिवार को यहां जर्मनी से अपने मैच खेलने हैं।ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दुरइस्वामी ने हॉकी टीम के स्वागत के दौरान कहा, टीम की प्रतएक सदस्य भारत के हर हिस्से, हर क्षेत्र और समुदाय का प्रतिनिधित्व करती है। सभी के हॉकी तक के सफर की कहानी शानदार है। बुधवार शाम को इंडिया हाउस में टीम का स्वागत किया है। कप्तान सलीमा टेटे और कोच हरेंद्र सिंह की अगुआई वाली टीम के सम्मान के लिए आयोजित इस विशेष स्वागत उनके समर्थक और खेल प्रशंसक मौजूद थे। इनमें से हर खिलाड़ी के माता पिता के संघर्ष और त्याग की तथा उनकी जीत और जज्बे की एक कहानी है। ए युवा खिलाड़ी आज हम सभी को प्रेरित करती है।

रथिका हांगकांग पीएसए चैलेंज कप के क्वार्टर फाइनल में

हांगकांग। भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी रथिका सीलान ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्थानीय खिलाड़ी का हुएन लेउंग पर 3-2 की जीत से हांगकांग पीएसए चैलेंज कप के चौथे चरण के क्वार्टर फाइनल मे प्रवेश किया। छठी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने बुधवार को हुए मुकाबले में दूसरे दौर में लेउंग को 4-11, 5-11, 11-4, 11-4, 11-7 से हराया। रथिका को पहले दौर में बाई मिली थी। तमिलनाडु की रथिका ने पिछले सप्ताहांत इंदौर में एचसीएल स्क्वाश टूर में अपना पहला पेशेवर स्क्वाश संघ (पीएसए) टूर खिताब जीता था। यहां क्वार्टर फाइनल मे रथिका की भिड़ंत तीसरी वरीयता प्राप्त मलेशिया की सेहवीत्रा कुमार से होगी।

नीलाम होगी माराडोना की विश्व कप गोल्डन बॉल ट्रॉफी

पेरिस। दिग्गज फुटबॉलर डिएगो माराडोना की विश्व कप 1986 मे जीती गई गोल्डन बॉल ट्रॉफी नीलाम की जाएगी। फ्रांस की एक अदालत ने माराडोना के वारिसों के विरोध के बावजूद इस ट्रॉफी को नीलाम करने का आदेश दे दिया है। माराडोना को विश्व कप 1986 में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था जिसके लिए उनको गोल्डन बॉल ट्रॉफी मिली थी। इस स्टार खिलाड़ी के परिजनों ने इस नीलामी को रोकने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। इस मामले से जुड़े वकील गिल्स मोरेउ ने बताया कि अदालत का फैसला माराडोना के वारिसों के पक्ष मे नही रहा। इसका मतलब है कि इस ट्रॉफी की अगले गुरुवार को पेरिस मे नीलामी की जाएगी। यह गोल्डन बॉल ट्रॉफी वर्षों तक गायब रही और कुछ साल पहले ही इसका पता चल पाया था। माराडोना के परिजनों का कहना है कि यह ट्रॉफी चोरी हो गई थी और इसका वर्तमान मालिक इसकी नीलामी नही कर सकता है। माराडोना के नेतृत्व में अर्जेंटीना ने विश्व कप 1986 के मैक्सिको सिटी मे खेले गए फाइनल में पश्चिम जर्मनी को 3-2 से हराकर खिताब जीता था। माराडोना का 2020 में 60 साल की उम्र मे निधन हो गया था।

स्पार्क्स स्पोर्ट्स शूज पर देगा ध्यान

नोएडा। भारतीय युवाओं के सबसे भरोसेमंद ब्राण्ड स्पार्क्स ने स्प्रिंग समर कलेक्शन के लिए अपनी नई प्रोडक्ट उतारे है। यह नई रेंज स्टाइलिश डिजाइन के साथ बेहतरीन फंक्शनेलिटी और फैशन का शानदार संयोजन है। गौरव दुआ, एक्जूक्टिव डायरेक्टर, रिलेक्सो फुटवियर लिमिटेड ने कहा,अपने नए स्प्रिंग समर कलेक्शन का लॉन्च करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है, जिसे स्टाइलिश और आरामदायक फुटवियर की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। लाईटवेट, नमी को सोखने वाले मटीरियल में कस्टमाइजेबल फिट में तैयार गई इस नई रेंज को शानदार डिजाइनों में पेश किया गया है जिसे कैज़ुअल आउटिंग, सपेट्र्स या रोजमर्रा की गतिविधियों में आराम से पहना जा सकता है। हम उपभोक्ताओं को उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करने के लिए प्रयासरत हैं, हमें विश्वास है कि यह नया कलेक्शन उन लोगों का पसंदीदा विकल्प बन जाएगा जो इस सीजन अपने लिए भव्य और व्यवहारिक फुटवियर खरीदना चाहते हैं।' स्पार्क्स का नया स्प्रिंग समर कलेक्शन सभी प्रमुख रीटेल आउटलेट्स से खरीदा जा सकता है। आधुनिक भारतीय जीवनशैली की मांग को पूरा करने के लिए इसे 405 से अधिक एक्सक्लुसिव ब्राण्ड आउटलेट्स (ईबीओ) और प्रमुख फुटवियर स्टोर्स पर भी उपलब्ध कराया गया है।

डिज्नी ने टी20 विश्व कप के लिए 19 प्रायोजकों को शामिल किया

मुंबई। डिज्नी स्टार ने दो जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के लिए 19 प्रायोजकों को शामिल किया है। टी20 विश्व कप के मैच का प्रसारण डिज्नी स्टार नेटवर्क पर किया जाएगा और मोबाइल पर इन्हें डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर देखा जा सकेगा। इन प्रायोजकों की सूची में ड्रीम इलेवन, मारुति, एएमएफआई, पार्ले, बीपीसीएल, हेयर, आईसीसी बैंक, जॉकी, केपी ग्रुप, रिलायंस रिटेल, सैमसंग इंडिया, हाउसिंग डॉट कॉम, जगुआर ग्रुप, केंट आरओ और विमल भी शामिल है। डिज्नी स्टार के नेटवर्क - विज्ञापन सेल्स प्रमुख अजीत वर्गीज ने कहा, हम आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के लिए प्रायोजकों का स्वागत करने के लिए उत्साहित है। इन मशहूर ब्रांड का सहयोग इस टूर्नामेंट के लिए काफी अहम है।

इन्फिनिक्स गेमिंग पॉवर को बढ़ावा देगा

मुंबई। इनोवेशन के लिए मशहूर, इन्फिनिक्स ने लंबे इंतजार के बाद अपने सीरीज स्मार्टफोन की श्रृंखला में रोमांचक जी टी 20 प्रो लॉन्च किया है। जी टी 20 प्रो स्मार्टफोन का मूल्य 8जीबी,256जीबी के लिए 24,999 रुपये और 12जीबी,256 जीबी के लिए 26,999 रुपये है। यह आपके नजदीकी स्टोर पर उपलब्ध हो गया है। जी टी 20 प्रो के साथ ग्राहकों को 5499 रुपये की जीटी प्रो गेमिंग किट बिल्कुल निशुल्क मिलेगी, जिसमें जीटी मेचा केस, जीटी कूलिंग फैन और एक जीटी फिंगर स्लीव है। यह ऑफर सीमित अवधि के लिए स्टॉक रहने तक लागू होगा। इस लॉन्च के बारे में अनीष कपूर, सीईओ, इन्फिनिक्स इंडिया ने कहा जीटीवर्स बनाने के पीछे हमारा मुख्य उद्देश्य गेमर्स को अपनी प्रतियोगिता में बढ़त बनाने, हर चैलेंज को जीतने और डिजिटल परिदृश्य में अपनी तकदीर लिखने में समर्थ बनाना है। खास गेमर्स के लिए डिजाईन की गई 'साईबर मेचा' एस्थेटिक्स से प्रेरित, जीटी बुक और जी टी 20 प्रो स्मार्टफोन ग्राहकों को बेहतरीन हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की सीमाओं से बढ़कर गेमिंग का बेजोड़ अनुभव प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करता है।जी टी 20 प्रो अपने सेगमेंट में सबसे शक्तिशाली गेमिंग स्मार्टफोन है, जिसमें भारत का पहला डी8200 अल्टीमेट चिपसेट लगा है। इसमें एक समर्पित गेमिंग डिस्प्ले चिप, पिक्सल वर्क्स एक्स5 टर्बो है। जी टी 20 प्रो के साथ हम भारत के बढ़ते गेमिंग उद्योग में नए मानक स्थापित करने के लिए तैयार हैं।

छेत्री युग के बाद उनकी नंबर नौ की जर्सी पहनने के लिए तैयार हैं चांगटे

कोलकाता। प्रतिभाशाली विंगर लालियानुआला चांगटे को छह जून को करिश्माई फारवर्ड सुनील छेत्री के चमत्कार करियर के समाप्त होने के बाद भारतीय फुटबॉल टीम मे नौवें नंबर की जर्सी पहनकर खेलने में कोई आपत्ति नही है। भारतीय फुटबॉल में 19 साल तक खेलने वाले छेत्री छह जून को यहां सॉल्ट लेक स्टेडियम में कुवैत के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में अपना अंतिम मैच खेलेंगे। चांगटे (27 साल) ने गुरुवार को यहां मीडिया से बातचीत क दौरान कहा, निश्चित रूप से मुझे कोई आपत्ति नही है, अगर टीम मुझे सेंटर मे खिलाना चाहती है। उन्होंने कहा, मेरा कद और खेल नौवें नंबर की जर्सी के मुफीद है।

विराट व बटलर के बल्लों ने किया है टी-20 में कमाल

● टी20 विश्व कप के दिग्गज बल्लेबाज, रनों, स्ट्राइक रेट में रहे अव्वल

भाषा। नई दिल्ली

नौवें टी20 विश्व कप से पहले पीटीआई ने अब तक ताबड़तोड़ क्रिकेट के इस महासमर में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाजों की सूची तैयार की है। **सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज :1. विराट कोहली (1141 रन) :** किंग कोहली के सिवाय कौन नंबर वन हो सकता है। अब तक पांच सत्रों में वह एक हजार से अधिक रन बना चुके हैं। दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता उन्हें टी20 क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शुमार करती है। उन्होंने 2014 टी20 विश्व कप में 319 रन बनाए जो एक रिकॉर्ड है। इसके अलावा 2016 में 296 रन बनाए। **2. महेला जयवर्धने (1016 रन) :** अब क्रिकेट से विदा ले चुके जयवर्धने पूर्व चैम्पियन श्रीलंका की सफलता की कुंजी रहे। उन्हें पांचों सत्रों में अच्छे रन बनाए। **3 . क्रिस गेल (965 रन) :** क्रिकेट के इतिहास के सबसे मनोरंजक बल्लेबाजों में से एक गेल टी20 क्रिकेट में सबसे विध्वंसक बल्लेबाज माने जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले चुके गेल का टी20 विश्व कप में प्रदर्शन उन्हें दर्शकों का चहेता बनाता है। वह 2012 में वेस्टइंडीज की खिताबी जीत के सूत्रधार थे। **4 . रोहित शर्मा (963 रन) :** मौजूदा भारतीय कप्तान ने पारी की शुरूआत करते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। बड़ी पारियां बनाने और शीर्ष क्रम को स्थिरता देने की उनकी काबिलियत भारत की सफलता के लिए अहम है। उन्होंने सभी सत्रों में खेलकर 963 रन बनाए जिनमें 91 चौके जड़े। **5 . तिलकरत्ने दिलशान** (897 रन) : 2009 विश्व कप में सर्वाधिक 317 रन बनाने वाले दिलशान आक्रामक बल्लेबाजी में माहिर रहे हैं। अब खेल से विदा ले चुके दिलशान श्रीलंका की बल्लेबाजी की धुरी रहे हैं। **सर्वाधिक स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाज : 1. जोस बटलर** (144 . 48) : दुनिया के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में से एक बटलर की ताकत तेजी से रन बनाना है। यही वजह है कि टी20 विश्व कप में उनका स्ट्राइक रेट सर्वाधिक है। उन्होंने 27 मैचों में 799 रन बनाए हैं। **2 . एबी डिविलियर्स (142 . 75) :** दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज का स्ट्राइक रेट शानदार रहा है। दुनिया के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से एक एबी डिविलियर्स ने 29 पारियों में 717 रन बनाए हैं जिसमें 51 चौके और 30 छक्के शामिल हैं। **3 . क्रिस गेल (142 . 75) :** गेल की बेखौफ बल्लेबाजी और आत्मविश्वास उन्हें किसी भी गेंदबाज के लिए आतंक का पर्याय बनाने के लिए काफी है। विश्व कप में दो शतक जड़ने वाले एकमात्र बल्लेबाज गेल ने उन दोनों मैचों में भी टीम को जीत दिलाई। **4 . महेला जयवर्धने (134 . 74) :** जयवर्धने का औसत 39.07 रहा और स्ट्राइक रेट 134 . 74 रहा है। यह तेजी से रन बनाने की उनकी क्षमता की बानगी देता है। **5 . डेविड वॉर्नर (133 . 22):**वॉर्नर की आक्रामक बल्लेबाजी एक बार फिर आस्ट्रेलिया के लिए अहम होगी। तेजी से रन बनाने के कारण वह टी20 विश्व कप के आकर्षक बल्लेबाजों में से है।

स्वियातेक ने मैच प्वाइंट बचाने के बाद ओसाका को हराया

भाषा। पेरिस

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी और दो बार की गत चैंपियन ईगा स्वियातेक ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन करते हुए महिला एकल के बेहद कड़े मुकाबले में नाओमी ओसाका को तीन गेम में हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बनाई। स्वियातेक ने बुधवार रात दूसरे दौर के मुकाबले में मैच प्वाइंट बचाया और फिर अंतिम पांच गेम जीतकर दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ओसाका को 7-6, 1-6, 7-5 से शिकस्त दी। स्वियातेक ने मैच के बाद कहा, निश्चित तौर पर यह मुकाबला काफी तनाव भरा था। मैंने दूसरे दौर में कभी इतने कड़े मुकाबले की उम्मीद नहीं की थी। निश्चित तौर पर अगली बार मैं इसके लिए अधिक तैयार रहूंगी। इस जीत के साथ स्वियातेक ने रोलां गैरो पर अपनी जीत के क्रम को 16 मैच तक पहुंचा दिया और उनकी नजरें इस क्ले कोर्ट ग्रैंडस्लैम में लगातार तीसरी खिताबी जीत दर्ज करने पर टिकी हैं। तीसरे और निर्णायक गेम में एक समय 5-2 से आगे चल रही ओसाका जब हार के बाद वापस लौट रही थी तो उनकी आंखों से आंसू छलक रहे थे। खराब मौसम के कारण बुधवार को सिर्फ नौ मैच पूरे हो सके और विजेताओं में कोको गॉफ, ओन्स जेब्युर, सोफिया केनिन, कार्लोस अल्कारेज, स्टेफानोस सितसिपास और आंद्रे रूबलेव शामिल रहे।

सिंगापुर ओपन : मारिन से हारी सिंधू

● त्रिसा-गायत्री ने दूसरी रैंकिंग वाली जोड़ी को हराया

भाषा। संगापुर

पी वी सिंधू को अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी कैरोलिना मारिन के खिलाफ सिंगापुर ओपन बैडमिंटन के प्री क्वार्टर फाइनल में पराजय का सामना करना पड़ा जबकि त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने दुनिया की दूसरे नंबर की दक्षिण कोरियाई टीम बाएक हा ना और ली सो ही को हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। पिछले सप्ताह थाईलैंड ओपन में उपविजेता रही दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने एक घंटे आठ मिनट तक चला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 750 का यह प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबला 21-13, 11-20, 20-22 से गंवाया। यह 2018 से सिंधू की मारिन के खिलाफ लगातार छठी हार थी। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता त्रिसा और गायत्री ने बाएक और ली को 21-9, 14-21, 21-15 से हराया। अब उनका सामना दक्षिण कोरिया की छठी वरीयता प्राप्त किम सो योंग और कोंग ही योंग की जोड़ी से होगा। इस जोड़ी ने हांगझोउ एशियाई खेलों के प्री क्वार्टर फाइनल में भारतीय जोड़ी को हराया था। पुरूष एकल में दुनिया के दसवें नंबर के खिलाड़ी एच एस प्रणय को विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज जापान के केंता निशिमोतो ने 21-12, 14-21, 21-15 से हराया।

जूनियर हॉकी: भारतीय पुरुष टीम ने शूट आउट में जर्मनी को हराया

● महिला टीम ने ऑरेंज रूड से ड्रॉ खेला

ब्रेडा (नीदरलैंड)। भारत ने जूनियर हॉकी टीमों के यूरोप दौरे का समापन जर्मनी पर शूट आउट में पुरुष टीम की जीत के साथ किया जबकि महिला टीम ने ऑरेंज रूड क्लब के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला। बुधवार को यहां ब्रेडेस हॉकी वेरेनिगिंग पुश में नियमित समय में मुकाबला।-। से बराबर रहने के बाद पुरुष टीम ने पेनल्टी में 3-। से जीत हासिल की। गुरजोत सिंह, दिलराज सिंह और मनमीत सिंह ने शूट आउट में गोल किए। इससे पहले नियमित समय में मुकेश टोप्पो ने 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर रिबाउंड पर गोल किया। भारतीय जूनियर पुरुष टीम नियमित समय में जीत की ओर बढ़ रही थी लेकिन मैच खत्म होने से चार मिनट पहले जर्मनी ने बराबरी हासिल कर ली जिससे मैच में रोमांच बढ़ गया और नतीजे के लिए शूट आउट का सहारा लेना पड़ा। यह जूनियर पुरुष टीम की दौरे के पांच मैचों में दूसरी जीत है। टीम ने 20 मई को एंटवर्प में अपने शुरुआती मैच में बेल्जियम को पेनल्टी के जरिए 4-2 (2-

मेस्सी के गोल के बावजूद इंटर मियामी हारा

फोर्ट लॉडरडेल (फ्लोरिडा)। लियोनल मेस्सी के गोल के बावजूद इंटर मियामी को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में अटलांटा यूनाईटेड के खिलाफ बुधवार रात 3-। से हार का सामना करना पड़ा जिससे टीम का 10 मैच का अजेय अभियान भी थम गया।इंटर मियामी की ओर से मेस्सी के अलावा कोई अन्य खिलाड़ी गोल नही कर सका। अटलांटा यूनाईटेड की तरफ से साबा लोबजानिद्जे से दो जबकि जमाल थियरे ने एक गोल किया। इस जीत के साथ अटलांटा यूनाईटेड का एमएलएस में नौ मैच से जीत का इंतजार भी खत्म हो गया।

उज्बेकिस्तान को चुनौती देने को तैयार है भारतीय महिला फुटबॉल टीम

ताशकंद। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को शुक्रवार को यहां अपने से अधिक रैंकिंग वाली उज्बेकिस्तान की टीम के खिलाफ अगर अपना रिकॉर्ड सुधारना है तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम फीफा की नवीनतम रैंकिंग मे 66वे जबकि उज्बेकिस्तान 48वे स्थान पर है। इन दोनो टीम के बीच अभी तक 11 मुकाबले हुए है जिनमे भारत केवल एक मैच मे जीत दर्ज कर पाया है। उसने 2003 के एएफसी एशिया कप मे अपने इस प्रतिद्वंदी को 6-0 के बड़े अंतर से हराया था।

ओलिंपियाकोस ने फायोरेंटिना को हराकर पहला यूरोपीय खिताब जीता

एथेंस (यूनान)। ओलिंपियाकोस ने बुधवार को यूरोपा कांफ्रेंस लीग फुटबॉल फाइनल में अतिरिक्त समय में फायोरेंटिना को।-0 से हराकर यूनान को पहला यूरोपीय क्लब खिताब दिलाया जिसके बाद देश में जश्न का महौल है।मैच के अतिरिक्त समय के दूसरे हाफ में अयोब अल काबी ने ओलिंपियाकोस की ओर से विजई गोल दागा। इस गोल की वीएआर (वीडियो सहायक रैफरी) की मदद से ऑफ साइड के लिए समीक्षा की गई लेकिन इसे गोल करार दिया गया जिसके बाद मेजबान टीम के प्रशंसक खुशी से झूम उठे।

बंगाल प्रो टी20 टूर्नामेंट 11 जून से

कोलकाता। बंगाल प्रो टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट 11 जून से शुरू होगा जिसका पहला मैच आकाश दीप की अगुआई वाली सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स और मनोज तिवारी की कप्तानी वाली हार्बर डायमंड्स के बीच ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा।

आईपीएल की तर्ज पर मप्र में अगले महीने शुरू होगा एमपीएल, पांच टीमों के बीच मुकाबला

इंदौर। क्रिकेट जगत की मशहूर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तर्ज पर मध्यप्रदेश में मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग (एमपीएल) की जून में शुरुआत होगी और इस टी-20 प्रतियोगिता के पहले संस्करण में सूबे के अलग-अलग अंचलों की पांच टीमें भिड़ेंगी। एमपीएल के सीईओ रवि पाटनकर ने इंदौर में बताया कि इस नई-नवेली लीग के सारे मुकाबले ग्वालियर में मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ के अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में 15 जून से 23 जून तक सफेद गेंद से खेले जाएंगे।

सचिन, संजीत मुक्केबाजी विश्व क्वालीफायर में जीते

बैंकॉक। भारत के सचिन सिवाच (57 किग्रा) और संजीत कुमार (92 किग्रा) ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की ओर कदम बढ़ाते हुए गुरुवार को यहां मुक्केबाजी विश्व क्वालीफायर में अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ आसान जीत के साथ अगले दौर में जगह बनाई। सचिन ने प्री क्वार्टर फाइनल में तुर्की के ओलंपियन बटुहान सिफ्टसी को सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से हराया। संजीत ने राउंड ऑफ 32 में वेनेजुएला के लुई सांचेज को इसी अंतर से मात दी।सचिन को पेरिस खेलों में क्वालीफाई करने के लिए दो और मुकाबले जीतने होंगे क्योंकि उनके 57 किग्रा वर्ग से सिर्फ तीन मुक्केबाजों को ओलंपिक में जगह मिलेगी। राउंड ऑफ 64 में संजीत को बाई मिली थी और उन्हें भी अब दो और मुक्केबाजों को हराना होगा क्योंकि उनके वजन वर्ग में सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले चारों मुक्केबाजों को पेरिस खेलों का कोटा मिलेगा। अनुभवी मुक्केबाज के खिलाफ सचिन ने पहले राउंड से ही ताबड़तोड़ प्रहार किए और उनकी यह रणनीति कामयाब रही क्योंकि भारतीय मुक्केबाज ने शुरुआत से ही दबदबा बना लिया। दूसरे राउंड में भी सचिन ने एकतरफा जीत दर्ज की।

कम्पाला की झुग्गियों से टी20 विश्व कप तक लंबा सफर तय किया युगांडा के क्रिकेटरों ने

नई दिल्ली। युगांडा की राजधानी कम्पाला में करीब 60 फीसदी आबादी झुग्गियों में रहती है और तेज गेंदबाज जुमा मियागी उनके लिए प्रेरणास्रोत हैं। फुटबॉल के शौकीन यहां के निवासी उनकी वजह से चाव से क्रिकेट देखते हैं और आईसीसी टी20 विश्व कप में युगांडा क्रिकेट टीम का पदार्पण उनके लिए किसी सपने से कम नहीं। मियागी कम्पाला के बाहरी इलाके में नागुरू झुग्गी बस्ती में बड़े हुए। दो साल तक युगांडा की अंडर 19 टीम के लिए खेलने के बाद अब वह एक जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप में सीनियर टीम की गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। युगांडा ने पिछले साल नवंबर में पहली बार क्रिकेट विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। अब तक 21 टी20 मैचों में 34 विकेट ले चुके मियागी झुग्गियों में बड़े हुए और अभी भी अपने परिवार के साथ वहीं रहते हैं। टी20 विश्व कप में शामिल सिमोन सेसाजी और रिजर्व खिलाड़ी इनोसेंट एमवेबाजे भी झुग्गी से ही निकले हैं। उनके इलाकों में पीने का साफ पानी , सीवेज की व्यवस्था नहीं थी और ना ही स्वास्थ्य सुविधाएं थी। उनकी कठिनाइयों की कहानी ने युगांडा के भारतीय कोच अभय शर्मा को भी विचलित कर दिया जो टी20 विश्व कप से पहले ही टीम के साथ जुड़े हैं।ऐसा नहीं है कि शर्मा ने कभी झुग्गी बस्ती देखी नहीं है लेकिन कम्पाला की झुग्गियां मुंबई की धारावी से अलग हैं। खिलाड़ियों के साथ समय बिताकर शर्मा का उनके प्रति सम्मान कई गुना बढ गया। उन्होंने त्रिनिदाद से पीटीआई से कहा , मैंने सोचा नहीं था कि वे इन हालात में रहते हैं। वे अपने कोचों का काफी सम्मान करते हैं और उन्हें लगता है कि हम उनकी जिंदगी बदल सकते हैं। युगांडा को विश्व कप में तीन जून को पहले मैच में अफगानिस्तान से खेलना है। शर्मा ने यह भी कहा कि कीनिया की तरह के हश्र से बचने के लिए युगांडा क्रिकेट में कुछ बदलाव करने होंगे। कीनिया 2011 के बाद से आईसीसी टूर्नामेंट नहीं खेला है। अभी तक का अनुभव अच्छा रहा है।

प्रज्ञानानंदा ने कार्लसन के खिलाफ पहली बार क्लासिकल बाजी जीती, एकल बढ़त बनाई

स्टावेंगर (नॉर्वे)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने यहां दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन के खिलाफ पहली बार क्लासिकल बाजी में जीत दर्ज करते हुए नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में एकल बढ़त बना ली। कार्लसन को रेपिड और ऑनलाइन मुकाबलों में हरा चुके 18 साल के प्रज्ञानानंदा पिछले विश्व कप फाइनल में नॉर्वे के इस खिलाड़ी से हार गए थे लेकिन यहां अंतत: क्लासिकल बाजी में उन्हें 37 चाल में हराने में सफल रहे। इस प्रारूप में कार्लसन और प्रज्ञानानंदा के बीच पिछली तीन बाजियां ड्रॉ रही थी। प्रज्ञानानंदा ने इस जीत के साथ तीन दौर के बाद 5.5 अंक से पुरुष वर्ग में बढ़त बना ली है। प्रज्ञानानंदा ने सफेद मोहरों से खेलते हुए जीत दर्ज की और इस हार के साथ कार्लसन तीन अंक के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गए। भारतीय ग्रैंडमास्टर ने अमेरिका के दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी फाबियानो करूआना पर आधे अंक की बढ़त बना रखी है। करूआना ने गत विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को हराया। उनकी क्लासिकल प्रारूप में लिरेन पर यह पहली जीत है। इस हार के साथ लिरेन छह खिलाड़ियों की तालिका में दो अन्य खिलाड़ियों के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।